जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

उदयपुर

Rashtradoot

फोनः- 2418945 फैक्सः- 0294-2410146 वर्षः 33 संख्याः 120 प्रभात उदयपुर, गुरूवार 5 मार्च, 2026 आर.जे. 7202 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

ईरान-अमेरिका-इज़रायल युद्ध भारत के तट तक पहुँचा!

अमेरिका की पनडुब्बी ने ईरान के युद्धपोत को, भरत की जल सीमा से 40 किलोमीटर दूर डुबोया, श्रीलंका की जल सेना ने युद्धपोत के 32 नाविकों को डूबने से बचाया तथा 80 नाविक डूब गए

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 मार्च। ईरान-अमेरिका-इज़रायल युद्ध अब खतरनाक रूप से हमारे क्षेत्र के करीब आता जा रहा है। श्रीलंका के तट से लगभग 40 किलोमीटर दूर एक ईरानी युद्धपोत को अमेरिकी पनडुब्बी ने डुबो दिया। जहाज़ पर सवार लगभग 80 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है और अब तक चालक दल के सदस्यों में से केवल 32 को बचाया जा सका है।

नाटो गठबंधन में भी दरारें दिखाई देने लगी हैं। स्पेन ने ईरान में सैन्य कार्रवाई के लिए अमेरिकी वायुसेना को अपने हवाई अड्डों के उपयोग की अनुमति देने से इनकार कर दिया है। इस इनकार से नाराज़ होकर ट्रंप ने स्पेन के साथ सभी व्यापारिक संबंध निलंबित करने और दंडात्मक कदम उठाने की धमकी दी है।

- अहम् सवाल है, क्या अमेरिका, यह दुःसाहस पूर्ण आक्रमण करने की हिम्मत दिखाता, अगर, ईरानी युद्धपोत, चीन या रूस की सीमा के इतना ही नज़दीक होता, जितना भारत की जल सीमा के नज़दीक था।
- अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में छाती ठोकते हुए गर्व से कहा कि अमेरिका यह युद्ध बेरहमी से जीतता जा रहा है और युद्ध के दिनों में "शत्रु" के जहाजों पर आक्रमण करना जायज होता है।
- पर, अहम् सवाल है, युद्धपोत, भारत की जल सीमा में था या अंतर्राष्ट्रीय पानी में।
- विश्व का 20 प्रतिशत ऑयल, स्ट्रेट ऑफ होरमुज़ के जरिए आता-जाता है।
- फिलहाल, स्ट्रेट ऑफ होरमुज़ पर ईरान का आधिपत्य है, अमेरिका दावा कर रहा है कि वो शीघ्र ही इस स्ट्रेट के मार्फत आवागमन सामान्य कर देगा और इस स्ट्रेट के जरिए आवागमन को सुरक्षित करने के लिए अमेरिका की नौ-सेना द्वारा "एस्कॉर्ट" करा देगा।
- फिलहाल ईरान ने टर्की में नाटो के एयरबेस और कतर में अमेरिका के ठिकानों पर आक्रमण कर दिया है और 1.2 अरब डॉलर का अमेरिका का आधुनिकतम राडार सिस्टम भी नष्ट कर दिया है।

इसके साथ ही, यह क्षेत्रीय युद्ध अब मध्य पूर्व से बहुत आगे तक फैल रहा है, क्योंकि ईरानी युद्धपोत युद्ध क्षेत्र से हजारों मील दूर था। सवाल उठता है कि क्या अमेरिका ऐसा ही कदम उठाता, यदि यह जहाज़ चीन या रूस के जलक्षेत्र के पास होता।

चीन और रूस, दोनों देश ईरानी शासन और उसके अस्तित्व के मजबूत समर्थक हैं। चीन के ईरान में महत्वपूर्ण हित हैं, क्योंकि चीन ईरानी तेल का बड़ा खरीदार है। ईरान ने होरमुज़ जलडमरूमध्य को घेराबंदी में लेने की कोशिश की है। यह जलडमरूमध्य तेल आपूर्ति के लिए जीवनरेखा है, क्योंकि दुनिया के कुल तेल परिवहन का लगभग 20 प्रतिशत इसी रास्ते से गुजरता है।

अब तक होरमुज़ जलडमरूमध्य

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

तेहरान के ट्रैफिक कैमरों को नियंत्रित कर रहा था इज़रायल

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 मार्च। तेहरान में लगे लगभग सभी ट्रैफिक कैमरे कई वर्षों से हैक किए गए थे। और जब वरिष्ठ ईरानी अधिकारी तेहरान की पाश्चर स्ट्रीट के पास अपने दफ्तरों में पहुंचते थे, तो इज़रायली उन्हें देख रहे होते थे। गत

- ब्रिटेन के एक अखबार, फायनैंशियल टाइम्स ने इसके साथ यह भी खुलासा किया कि इसी वजह से खामनेई मारे गए। रिपोर्ट में कहा गया है कि इज़रायल कई वर्षों से इसी काम में लगा हुआ था।

शनिवार को इसी क्षेत्र पर हुए हमले में खामनेई मारे गए थे। यह खुलासा ब्रिटिश अखबार "फाइनैंशियल" की एक रिपोर्ट में किया गया है।

रिपोर्ट के अनुसार, एक कैमरे का कोण विशेष रूप से उपयोगी साबित हुआ, जिसने कड़ी सुरक्षा वाले परिसर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पूर्व विदेश मंत्री दिनेश सिंह की कुर्बानी, प्रमाण है, ईरान के विशेष महत्व का

1994 में पाकिस्तान ने सभी इस्लामिक देशों को लामबंद कर लिया था, कश्मीर में मानवाधिकार हनन के आरोप लगाकर यूएन में भारत के खिलाफ निंदा प्रस्ताव पारित करने के लिए

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 मार्च। भारत के कुछ वर्गों में यह धारणा जोर पकड़ रही है कि ईरान कभी भारत का सच्चा मित्र नहीं रहा और उसने कभी भारत के साथ खड़े होकर समर्थन नहीं दिया, तो फिर भारत को ईरान के समर्थन में खुलकर आगे आने की क्या आवश्यकता है।

यह बात इस संदर्भ में कही जा रही है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला खामनेई के निधन पर कोई बयान नहीं दिया, और इसे मोदी सरकार द्वारा सामान्य माना जा रहा है।

लेकिन यह असली कहानी नहीं है।

असल में अप्रैल 1994 में पाकिस्तान ने ऑर्गनाइजेशन ऑफ इस्लामिक को-ऑपरेशन (ओआईसी) के सदस्य देशों को अपने एक प्रस्ताव के समर्थन में एकजुट कर लिया था, जिन्हें वह संयुक्त राष्ट्र में भारत के

- तत्कालीन विदेश मंत्री दिनेश सिंह को, जो गंभीर रूप से बीमार थे, रोग शैय्या से उठाकर व्हील चेयर पर बिठाकर, हवाई जहाज से सीधे ईरान भेजा गया, ईरान को इस्लामिक संगठन के इस प्रस्ताव पर हस्ताक्षर करने से रोकने के लिए।
- दिनेश सिंह ने तत्कालीन प्र.मंत्री नरसिम्हाराव का विशेष पत्र, ईरान के शीर्षस्थ नेता को व्यक्तिगत रूप से पेश किया।
- ईरान ने प्र.मंत्री राव की "रिक्वैस्ट" की गंभीरता को समझते हुए, इस्लामिक देशों के संगठन के आरोप पत्र पर हस्ताक्षर करने से इंकार कर दिया और इस्लामिक देशों के संविधान के अनुसार, जब तक सभी सदस्य किसी भी ऐसे प्रस्ताव को सर्व सम्मति से पारित नहीं करते, वह प्रस्ताव क्रियान्विति के लिए यूएन को नहीं दिया जा सकता था।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भारत और चीन ने खामनेई की मौत की निंदा क्यों नहीं की?

दोनों देशों ने इस मामले पर बहुत संयमित और नपी तुली प्रतिक्रिया दी है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 मार्च। सप्ताहांत में अमेरिका-इज़राइल के हमलों में ईरान के सर्वोच्च नेता आयतुल्ला अली ख़ामेनेई की मौत के बाद भारत में तीखी राजनीतिक बहस छिड़ गई है। विपक्ष ने इस पर सरकार से औपचारिक बयान जारी करने की मांग की है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार ने अब तक संयमित चुप्पी बनाए रखी है और किसी बयान के बजाय, क्षेत्रीय तनाव बढ़ने के बीच संयम बरतने और "डी-एस्केलेशन" की अपील की है। सूत्रों के अनुसार, यह रुख अधिकांश प्रमुख वैश्विक शक्तियों की प्रतिक्रिया के अनुरूप है।

चीन के ईरान के साथ गहरे ऊर्जा संबंध अचानक कड़ी निगरानी में आ गए हैं, क्योंकि अमेरिकी और इज़रायली हमलों ने तेहरान को खुली टकराव की स्थिति में ला खड़ा किया है और उन तेल

- भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संयम बरतने और बातचीत कर समाधान करने की बात कही और चीन ने भी युद्ध की निंदा की तथा युद्ध विराम लागू करने की मांग की।
- चीन के ईरान के साथ गहरे ऊर्जा संबंध हैं और इस टकराव से तेल आपूर्ति के रास्ते बाधित हो गए हैं, जिन पर चीन की अर्थव्यवस्था निर्भर है।
- लेकिन अंतर्राष्ट्रीय प्रतिक्रियाओं की बात करें तो जी-7 के किसी भी देश ने खामनेई की मौत पर शोक नहीं जताया तथा कई अन्य देशों की तरफ से खामनेई को "ईविल" व्यक्ति बताया जा रहा है।

आपूर्ति मार्गों को खतरे में डाल दिया है, जिन पर चीनी अर्थव्यवस्था निर्भर है।

बीजिंग ने हमलों की निंदा और युद्धविराम की अपील की है, लेकिन उसने ऐसी कोई आर्थिक जवाबी कार्रवाई नहीं की है, जो उसकी ऊर्जा आपूर्ति को जोखिम में डाल दे, जिस पर वह निर्भर है।

बीजिंग के लिए सबसे खतरनाक कारक होर्मुज़ जलडमरूमध्य है। चीन के लगभग 44 प्रतिशत तेल आयात विस्तृत पश्चिम एशिया क्षेत्र से आते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने सोमवार को

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दुबई एयरपोर्ट पर उड़ानों की संख्या 1200 से 20 हुई

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 मार्च। पश्चिम एशिया के रास्ते हवाई यात्रा इस समय अभूतपूर्व अव्यवस्था का सामना कर रही है। हवाई क्षेत्र व्यापक रुप से बंद हो जाने के कारण उड़ानों का निरस्तीकरण, मार्ग परिवर्तन

- फ्लाइट ट्रेडर 24 द्वारा ये आंकड़े जारी किए गए और कहा गया, यह भारी गिरावट ईरान अटैक के कारण आई है।

और यात्रियों में भारी अनिश्चितता की स्थिति पैदा हो गई है। सबसे अधिक प्रभावित होने वाले हवाई अड्डों में दुनिया के सबसे व्यस्त विमानन केन्द्रों में दुबई इन्टरनेशनल एयरपोर्ट भी शामिल है, जो लगभग ठप हो गया है।

क्षेत्रीय तनाव बढ़ने के साथ ही, कई देशों ने अपना हवाई क्षेत्र बंद कर दिया

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

क्या विश्व तीसरे विश्व युद्ध की ओर बढ़ रहा है?

हालांकि, युद्ध बढ़ने की संभावना से इंकार नहीं है, पर, अभी भी कई बड़े देश इसमें सीधे शामिल नहीं हुए हैं, इसलिए अभी कुछ गुंजाइश बाकी है

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 मार्च। लोगों के मन में सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या पश्चिम एशिया का युद्ध दुनिया को तीसरे विश्व युद्ध की ओर ले जा रहा है। इसका सीधा जवाब यह है कि हालांकि तनाव बढ़ने का खतरा निश्चित रूप से बढ़ गया है, लेकिन मौजूदा संघर्ष अभी उन परिस्थितियों तक नहीं पहुँचा है, जो आमतौर पर किसी वैश्विक युद्ध को परिभाषित करती हैं।

इस समय टकराव का केन्द्र अमेरिका, इज़रायल और ईरान हैं। यह संघर्ष तीव्र है, इसमें उन्नत हथियारों का इस्तेमाल हो रहा है, और इसने ग्लोबल एनर्जी मार्केट और हवाई सेवाओं को प्रभावित कर दिया है। लेकिन विश्व युद्ध के लिए कुछ और भी ज़रूरी होता है: कई बड़ी शक्तियों का अलग-अलग क्षेत्रों में एक-दूसरे से सीधा मिलिटरी संघर्ष। यह लिमिट अभी पार नहीं हुई है।

- अगर, चीन और रूस इसमें ईरान की तरफ से मैदान में उतरते हैं और नाटो देशों को भी युद्ध में घसीट लिया जाता है, तो हालात नाटकीय रूप से बदल जाएंगे, पर, अभी तक बीजिंग और मॉस्को ने कूटनीतिक रूख ही प्रकट किया है।
- अस्सी के दशक के ईरान-इराक युद्ध, सन् 1991 में अमेरिका की ईराक में घुसपैठ महाशक्तियों के टकराव का रूप नहीं ले सकी, यहाँ तक सीरियाई गृह युद्ध भी विश्व युद्ध का रूप ले सकता था, पर ऐसा नहीं हुआ।
- आज की अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था अच्छी तरह से जानती है कि परमाणु ताकतों की भिंड़त का कितना भारी दुष्परिणाम हो सकता है।
- इसके अलावा आर्थिक रूप से परस्पर सहनिर्भरता भी एक बड़ा कारण है, जो तीसरे विश्व युद्ध की संभावना को हतोत्साहित करती है। महाशक्तियां जानती हैं कि लम्बे युद्ध से तेल का प्रवाह रूकेगा, ट्रेड रूट नष्ट होंगे और फायनैंशियल मार्केट तबाह हो जाएंगे।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि क्या अन्य बड़ी शक्तियाँ सैन्य रूप से इस संघर्ष में प्रवेश करेंगी। यदि चीन या रूस जैसे देश ईरान के समर्थन में सीधे

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

खामेनेई का अंतिम संस्कार कार्यक्रम स्थगित

तेहरान, 04 मार्च। तेहरान में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के अंतिम दर्शन का कार्यक्रम स्थगित कर दिया गया है। उनका अंतिम संस्कार कब किया जाएगा, इसकी नई तारीख की घोषणा जल्द की जाएगी। ईरान की तसनीम समाचार एजेंसी के

- इस कार्यक्रम में भारी भीड़ जुटने की संभावना है तथा आशंका है कि अमेरिका -इज़रायल इस भीड़ पर हमला कर सकते हैं।

मुताबिक, खामेनेई की वसीयत के मुताबिक, उन्हें ईरान के मशहद शहर में सुपुर्द-ए-खाक किया जाएगा। हाल ही में इज़रायल और अमेरिका के हमले में उनकी मौत हो गई थी।

बुधवार को ईरानी टेलीविजन ने बताया कि शहीद इमाम के अंतिम दर्शन समारोह को स्थगित कर दिया गया है

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

वरिष्ठ पत्रकार, सांसद और डिप्लोमैट एच.के. दुआ नहीं रहे

लम्बे समय से बीमार दुआ का एक निजी अस्पताल में निधन हो गया

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 मार्च। वरिष्ठ पत्रकार हरि कृष्ण दुआ के बुधवार दोपहर 88 वर्ष की आयु में निधन के बाद, श्रद्धांजलियों का सिलसिला शुरू हो गया। पूर्व राजनयिक दुआ को एनडीए और यूपीए, दोनों सरकारों के दौरान सेवाएँ देने की विशिष्ट उपलब्धि प्राप्त थी। उन्होंने चार राष्ट्रीय दैनिकों का संपादन किया।

पद्म भूषण से सम्मानित दुआ ने "हिन्दुस्तान टाइम्स", "द टाइम्स ऑफ इंडिया," "द इंडियन एक्सप्रेस" तथा "द ट्रिब्यून" में संपादकीय नेतृत्व संभाला। राज्यसभा के मनोनीत सदस्य के रूप में वे कांग्रेस-नेतृत्व वाली यूपीए सरकार के दौरान, राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद का भी हिस्सा रहे।

उनके परिवार के एक सदस्य ने बताया कि उन्होंने आज दोपहर एक निजी अस्पताल में शांतिपूर्वक अंतिम सांस ली। वे पिछले कुछ समय से अस्वस्थ थे और तीन सप्ताह पहले अस्पताल में भर्ती कराए गए थे।

वे अपनी पत्नी अदिति और पुत्र प्रशांत को पीछे छोड़ गए हैं।

उनका अंतिम संस्कार गुरुवार को लोधी रोड श्मशान घाट पर किया जाएगा।

1 जुलाई 1937 को जन्मे दुआ दो प्रधानमंत्रियों, अटल बिहारी वाजपेयी और एच डी देवेगौडा के मीडिया सलाहकार भी रहे।

उन्होंने 2001 से 2003 के बीच डेनमार्क में भारत के राजदूत के रूप में भी सेवा दी।

भारतीय पत्रकारिता की एक दिग्गज शख्सियत के रूप में दुआ अपनी संपादकीय स्वतंत्रता और तीक्ष्ण राजनीतिक अन्तर्दृष्टि के लिए व्यापक रूप से प्रतिष्ठित थे।

- वे उन चंद लोगों में से हैं, जिन्होंने यूपीए और एनडीए दोनों सरकारों के साथ काम किया है। दुआ एनडीए के प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी और यूपीए के प्रधानमंत्री देवेगोड़ा के मीडिया सलाहकार थे, यही नहीं, 2001-2003 तक वे डेनमार्क में भारत के राजदूत भी थे।
- पत्रकारिता में दुआ बेहद प्रतिष्ठित हस्ती थे। 2003 से 2009 तक ट्रिब्यून के एडिटर इन चीफ के रूप में काम कर उन्होंने अखबार को नई ऊंचाइयां दीं, वे हिंदुस्तान टाइम्स, इंडियन एक्सप्रैस, टाइम्स ऑफ इंडिया को भी अपनी सेवाएं दे चुके हैं।
- दुआ के निधन पर विभिन्न राजनैतिक दलों के नेताओं ने शोक जताया और संवेदनाएं प्रकट कीं। दुआ अपने पीछे पत्नी व पुत्र छोड़ गए हैं।

वे 2003 से 2009 तक "द ट्रिब्यून" के प्रधान संपादक रहे और इस दौरान उन्होंने अखबार की राष्ट्रीय पहचान और संपादकीय विश्वसनीयता को मजबूत किया।

अपने लंबे और विशिष्ट करियर में उन्होंने "द इंडियन एक्सप्रेस", "द टाइम्स ऑफ इंडिया" और "द हिंदुस्तान टाइम्स" में भी वरिष्ठ संपादकीय भूमिकाएँ निभाईं।

2009 में उन्हें राज्यसभा के लिए मनोनीत किया गया, जहाँ उन्होंने मीडिया की स्वतंत्रता और सार्वजनिक नीति से जुड़ी बहसों में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

राजनीतिक दलों के नेताओं और मीडिया जगत के सदस्यों ने उनके निधन पर शोक व्यक्त करते हुए, उन्हें सिद्धांतवादी संपादक और लोकतांत्रिक मूल्यों के दृढ रक्षक के रूप में याद किया।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोशल मीडिया पर लिखा, "एच. के. दुआ के निधन पर मेरी गहरी संवेदनाएँ। वे एक विशिष्ट पत्रकार, राजनयिक और पद्म भूषण सम्मानित व्यक्तित्व थे, जिनकी सत्य, संपादकीय स्वतंत्रता और सार्वजनिक सेवा के प्रति प्रतिबद्धता ने सार्वजनिक विमर्श को समृद्ध किया।"

शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने कहा कि दुआ ने अडिग ईमानदारी, सुतीक्ष्ण दृष्टि और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता के साथ संपादकीय स्वतंत्रता को कायम रखा।

बादल ने कहा, "एक पत्रकार और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एमवीए ने शरद पवार को प्रत्याशी बनाया

मुंबई, 04 मार्च। महाविकास अघाड़ी (एमवीए) की ओर से राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) के अध्यक्ष शरद पवार को संयुक्त उम्मीदवार घोषित किया गया है। पवार गुरुवार को राज्यसभा के उम्मीदवार के रुप में अपना नामांकन भरेंगे।

- राज्यसभा चुनावों में महाराष्ट्र में विपक्षी गठबंधन को जो एक सीट मिल रही है, उसके लिए शरद पवार चुनाव लड़ेंगे।

राकांपा एसपी की सांसद सुप्रिया सुले ने बुधवार को संयुक्त पत्रकार वार्ता में बताया कि उन्होंने शरद पवार को फिर से राज्यसभा में भेजने के लिए कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल से चर्चा की थी। इन सभी नेताओं ने शरद पवार को महाविकास अघाड़ी का

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

खुद के लिये जीने वाले की ओर कोई ध्यान नहीं देता पर जब आप दूसरों के लिये जीना सीख लेते हैं तो वे आपके लिये जीते हैं।

–श्री परमहंस योगानंद

झूठ के पाँव नहीं होते

तथाकथित शराब कांड के प्रकरण में सी बी आई कोर्ट के न्यायाधीश जितेंद्र सिंह द्वारा दिनांक 27 फरवरी, 2026 को दिए गए निर्णय से यह कहावत एक बार पुनः सही सिद्ध हुई है कि 'झूठ के पांव नहीं होते'। न्यायालय ने अपने 598 पृष्ठों के विस्तृत फैसले में आम आदमी पार्टी के मुखिया और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, सांसद संजय सिंह सहित इस प्रकरण के सभी 23 अभियुक्तों के विरुद्ध मुकदमा चलने लायक ही नहीं माना। यदि मुकद्दमा चलता तो शायद 5-10 सालों तक ट्रायल ही होती, और तब तक भाजपा इन सबको भ्रष्टाचारी बताती रहती। मुकद्दमा चलने लायक ही नहीं मानकर सबको दोष मुक्त घोषित कर दिया गया है। इस निर्णय को सी बी आई और अभियोजन पक्ष पर प्रत्यक्ष रूप से तथा सरकार के मुंह पर, परोक्ष रूप से कड़ा तमाचा ही कहा जाएगा।

वर्तमान केंद्र सरकार सी बी आई, ई डी, आयकर विभाग आदि केंद्रीय एजेंसियों का, विपक्षी नेताओं के विरुद्ध किस प्रकार दुरुपयोग कर रही है यह सर्व विदित है। कहा जाता है कि कोई झूठ 100 बार बोला जाय तो उसे लोग सच मानने लगते हैं। भाजपा और केंद्र सरकार ने गत पांच सालों में यही किया और केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और अन्य आप नेताओं को शराब कांड में करोड़ों रुपए का भ्रष्टाचारी बताते हुए दिल्ली का चुनाव तक जीत लिया। आम आदमी पार्टी के सभी नेताओं ने कुल मिलाकर 82 माह जेल में बिताए। मीडिया तो वैसे ही सत्ताधारी दल और केंद्र सरकार के नियंत्रण में था ही। लगभग प्रतिदिन केजरीवाल और अन्य के भ्रष्टाचार पर चर्चा होती रही। दिल्ली की जनता ने केंद्र सरकार के इस दुष्प्रचार के आधार पर केजरीवाल और आम आदमी पार्टी को भ्रष्ट मानते हुए 'आप' को चुनाव में हराकर सत्ता से बाहर कर दिया। ऐसा करते समय उसने दिल्ली की केजरीवाल सरकार द्वारा स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में किए गए अच्छे कामों को भी याद नहीं रखा।

पाठकों को यह जानना चाहिए कि बरी होने में और आरोप मुक्त होने में बहुत अंतर है। पूरी ट्रायल के बाद कोई व्यक्ति, आरोप सिद्ध नहीं होने पर न्यायालय द्वारा बरी किया जाता है, जबकि आरोप मुक्त होने का अर्थ यह है कि अभियुक्तों के विरुद्ध चार्ज शीट ही स्वीकार होने लायक ही नहीं है।

इस प्रकरण से यह बात भी प्रमाणित होती है कि विभिन्न जांच एजेंसियों के अफसरों ने कैसे रीढ़ विहीन होकर साष्टांग दंडवत करते हुए, सत्ताधारी दल के इशारे पर, केजरीवाल और अन्य लोगों को पूरी तरह झूठे मामले में फंसाया। न्यायालय ने अपने निर्णय में न केवल सी बी आई की धज्जियां उड़ाई बल्कि यहां तक कहा कि उसने पहले केजरीवाल, सिसोदिया को फंसाने का निर्णय लिया और उसी अनुसार झूठे दस्तावेज और गवाह तैयार किए। न्यायालय ने इस प्रकरण के जांच करने वाले सी बी आई अधिकारियों के विरुद्ध विभागीय कार्यवाही करने का भी आदेश दिया।

पाठकों के लिए इस प्रकरण को कुछ विस्तार से समझना आवश्यक है ताकि वे जान सकें कि कैसे सत्ताधारी दल अपने राजनीतिक विरोधियों को ठिकाने लगाने का काम करता है।

दिल्ली में शराब नीति लागू करने और उसे कुछ समय बाद वापस लेने का मामला 2022 में काफी विवाद में आया था। यह कहा गया था कि इस प्रकरण में दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल मनीष सिसोदिया ने अन्य लोगों के साथ मिलकर करोड़ों रुपए का घोटाला किया। यह खबर कई दिनों तक मीडिया में पूरी तरह छाई रही। अब न्यायालय ने सारे दस्तावेजों और गवाहों के बयानों को देखने के बाद यह निष्कर्ष निकाला कि बिना किसी कानूनी आधार के, अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया को शराब कांड का प्रमुख षड्यंत्रकारी और सूत्रधार मान लिया गया जबकि उनकी कोई भूमिका इस प्रकरण में थी ही नहीं। न्यायालय इस निष्कर्ष पर पहुंचा कि केजरीवाल को केवल एक पक्षद्रोही व्यक्ति के बयान के आधार पर आरोपी बनाया गया जबकि ऐसा कोई साक्ष्य नहीं था, जिससे यह निष्कर्ष निकाला जा सके कि केजरीवाल का किसी प्रकार से इस पूरे प्रकरण में कोई हाथ था। जिस गवाह के बयान को सीबीआई ने प्रमुख आधार बताया, उसे ही न्यायालय ने अविश्वसनीय मान लिया और कहा कि उसके बयान के आधार पर किसी व्यक्ति को दोषी नहीं माना जा सकता। न्यायालय ने रेड्डी के पुत्र माघुंटा के बयान को इस आधार पर खारिज कर दिया कि किसी भी अन्य स्वतंत्र साक्ष्य से उसके बयान की पुष्टि नहीं होती है। उसने केवल सुनी - सुनाई बातों पर अपना बयान दिया जिसे रिकॉर्ड पर नहीं लिया जा सकता। न्यायालय ने यह भी कहा कि जिन 10-12 व्यक्तियों की उपस्थिति में केजरीवाल की रेड्डी के साथ मीटिंग की बात कही गई, उनमें से किसी का भी बयान नहीं कराया गया। इस से अभियोजन पक्ष की कमजोरी स्पष्ट होती है, ऐसा न्यायालय ने माना।

सीबीआई ने एक पक्ष-द्रोही गवाह दिनेश अरोड़ा को प्रस्तुत किया जिसने धनराशि को प्राप्त करने के बारे में कहा था। न्यायालय ने स्पष्ट रूप से कहा कि दिनेश अरोड़ा ने कभी भी केजरीवाल का नाम इस संबंध में नहीं लिया था। यह कहना कि दिनेश अरोड़ा की जानकारी में केजरीवाल की षड्यंत्र में कोई भूमिका थी, सही नहीं है। इसी प्रकार न्यायालय ने सीबीआई के इस आरोप कि 'आप' और मनीष सिसोदिया इस तथाकथित कांड के प्रमुख सूत्रधार थे, को खारिज कर दिया। न्यायालय ने यह निष्कर्ष निकाला कि दिल्ली की शराब नीति, सभी संबंधित पक्षों के साथ विस्तृत विचार विमर्श के बाद बनाई गई और इसमें कोई एक तरफा निर्णय तत्कालीन वित्त मंत्री मनीष सिसोदिया के द्वारा नहीं लिया गया था। न्यायालय ने कहा कि नीति बनाने के लिए पूरी प्रशासनिक व्यवस्था है और विभाग में प्रत्येक स्तर पर मंत्री और अधिकारियों के परस्पर विचार विमर्श के बाद इस नीति को बनाया गया था।

आशा की जानी चाहिए कि सीबीआई जज जितेंद्र सिंह के इस साहसिक निर्णय के बाद जहां एक ओर सत्ताधारी दल केंद्रीय एजेंटीयों का दुरुपयोग करने से बचेगा वहीं दूसरी ओर एजेंसीज के अधिकारी भी संविधान के प्रति प्रतिबद्धता दर्शाते हुए एवं अपनी रीढ़ को सीधी रखते हुए केवल सत्ताधारी दल की इच्छा अनुसार काम करने की प्रवृत्ति से बचेंगे। यदि ऐसा हो पाया तो यह एक स्वस्थ लोकतंत्र की दिशा में एक मजबूत कदम होगा।

सीबीआई कोर्ट के जज जितेंद्र सिंह के इस फैसले से यह भी सिद्ध होता है कि किसी को भी झूठे आरोपों में फंसाने के लिए कितना ही प्रयास किया जाए और कितने ही दस्तावेज तैयार किया जाएं, यदि जज साहसी हो और न्याय प्रक्रिया में पारंगत हो, तो प्रकरण अधिक समय तक नहीं टिक सकता। सीबीआई ने लगभग 4 वर्ष तक अनुसंधान किया और लगभग 60000 पेज की चार्ज शीट तैयार की। इन सब का गहन अध्ययन और विश्लेषण करने के बाद जिस प्रकार का निर्णय न्यायाधीश ने दिया है, वह एक मिसाल कायम करता है। यह निर्णय तपती दोपहरी में ठंडी फुहार की तरह आशा का संचार करता है। सत्ता पूरी ताकत के साथ यदि किसी को परेशान करना चाहे तो न्यायपालिका अब भी उसके लिए सुरक्षा कवच का काम कर सकती है। यह संभव तब ही है जब न्यायाधीश, बिना किसी दबाव और प्रलोभन के अपना काम करें। यह उल्लेखनीय है कि जितना समय अनुसंधान में जांच एजेंसियां जानबूझकर लगा देती हैं, उससे अभियुक्त, विशेष कर राजनीतिक रूप से प्रताड़ित अभियुक्त, को कई बार इतनी बड़ी क्षित हो चुकी होती है कि उसकी क्षतिपूर्ति आसानी से नहीं हो पाती है।

केजरीवाल का यह कहना बड़बोलापन हो सकता है कि यदि आज दिल्ली विधानसभा सभा का चुनाव कराया जाय तो भाजपा को 10 सीटें भी नहीं मिलेंगी, किंतु यह भी सत्य है कि दिल्ली विधानसभा के गत चुनाव में केजरीवाल और मनीष सिसोदिया सहित आप नेताओं को केवल जांच एजेंसीयों द्वारा किए गए अनुसंधान के आधार पर जनता के समक्ष लगातार भ्रष्ट घोषित करने का बहुत प्रभाव हुआ है। जनमानस भी एक बार यह सोचने को विवश हुआ कि यह कहीं ये दोनों नेता और 'आप' पार्टी भ्रष्ट तो नहीं है? मजे की बात यह भी है कि सत्ताधारी दल भाजपा द्वारा कभी 10 करोड़ के घोटाले की बात की गई तो कभी 100 करोड़ के घोटाले की। अब भाजपा द्वारा कहा जा रहा है कि आप नेताओं ने भ्रष्टाचार को सिद्ध करने वाले विभिन्न रिकॉर्ड को नष्ट कर दिया था। इसका जवाब कोई नहीं दे रहा कि जब दस्तावेज नष्ट हो ही गए थे तो फिर सीबीआई ने किस आधार पर केजरीवाल और मनीष सिसोदिया सहित 23 व्यक्तियों के विरुद्ध चार्जशीट दायर की।

यह एक विडंबना ही है कांग्रेस ने इस निर्णय को भाजपा की इच्छा के अनुरूप लिया गया निर्णय बताया है और कहा कि कैसे भाजपा को लाभ पहुंचाने की दृष्टि से ऐसा किया गया। ऐसा करके वह विपक्षी दलों की चुनावी संभावनाओं को लाभ ही पहुंचा रही है। भाजपा को सबसे बड़ा लाभ यही है कि विपक्ष बिखरा हुआ है और एक दूसरे से ही लड़ने में लगा हुआ है। भाजपा द्वारा एजेंसियों के दुरुपयोग के माध्यम से नेताओं को प्रताड़ित करने का प्रकोप सभी विपक्ष दलों द्वारा भोगा जा रहा है। इस परिप्रेक्ष्य में सभी विपक्ष दलों को इस निर्णय का एकजुट होकर स्वागत करना चाहिए था और सरकार पर यह दबाव बनाना चाहिए था कि वह केवल विपक्षियों को फंसाने के लिए सरकारी एजेंटीयों का दुरुपयोग न करे।

सीबीआई ने कहा है कि वह इस निर्णय के विरुद्ध हाईकोर्ट में अपील करेगी, जिसका उसे पूरा अधिकार है। जिस प्रकार के कठोर शब्दों का प्रयोग करते हुए सीबीआई जज ने आरोपों को तय करने से ही मना कर दिया, उससे ऐसा लगता है कि हाईकोर्ट में कोई राहत सीबीआई को संभवतया नहीं मिले। सीबीआई प्रकरण में आरोप मुक्त होने से केजरीवाल और मनीष सिसोदिया के विरुद्ध ई डी द्वारा दायर प्रकरण भी कमजोर हुआ है।

आशा की जानी चाहिए कि सीबीआई जज जितेंद्र सिंह के इस साहसिक निर्णय के बाद जहां एक ओर सत्ताधारी दल केंद्रीय एजेंटीयों का दुरुपयोग करने से बचेगा वहीं दूसरी ओर एजेंसीज के अधिकारी भी संविधान के प्रति प्रतिबद्धता दर्शाते हुए एवं अपनी रीढ़ को सीधी रखते हुए केवल सत्ताधारी दल की इच्छा अनुसार काम करने की प्रवृत्ति से बचेंगे। यदि ऐसा हो पाया तो यह एक स्वस्थ लोकतंत्र की दिशा में एक मजबूत कदम होगा।

फिलहाल तो हम यही कह सकते हैं कि झूठ को कितना भी मजबूती से प्रस्तुत किया जाए, वह अधिक समय तक टिक नहीं सकता, क्योंकि झूठ के पांव नहीं होते। हमें तो बस सीबीआई जज जितेंद्र सिंह को इस निर्णय के लिए सलाम करने का मन करता है।

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

भारतीय न्याय पालिका : एक तस्वीर

प्रो. कैलाश सोडाणी

भारतीय न्यायपालिका एक एकीकृत एवं पदानुक्रमित प्रणाली है। जिसमे सर्वोच्च न्यायालय (दिल्ली) शीर्ष पर है फिर उच्च न्यायालय (25) और सबसे नीचे जिला एवं अधीनस्थ न्यायालय होते हैं, जो विधायिका एवं कार्यपालिका से स्वतंत्र है। भारतीय संविधान ने न्यायपालिका को संवैधानिक दर्जा प्रदान किया है। सरकारी नियंत्रण से मुक्त रखा गया है। जिससे न्यायपालिका बिना किसी दबाव के नागरिकों के संविधान प्रदत्त अधिकारों की रक्षा कर सके।

नागरिकों को रोटी-रोजी एवं न्याय की उपलब्धता के आधार पर समाज को श्रेष्ठता की श्रेणी में देखा जाता है। रोटी-रोजी एवं बुनियादी सुविधाएँ उपलब्ध कराना विधायिका एवं कार्यपालिका की जिम्मेदारी है और समय पर न्याय प्रदान करना न्यायपालिका का काम है।

न्यायपालिका की स्वतन्त्रता का अर्थ स्वेच्छाचारिता नहीं है। न्यायपालिका देश की लोकतान्त्रिक, राजनीतिक संरचना का एक हिस्सा है। न्यायपालिका देश के संविधान लोकतान्त्रिक परम्परा और जनता के प्रति जवाबदेह है। भारत के एक प्रभुतासम्पन्न लोकतान्त्रिक गणराज्य बनने के दो दिन बाद 28 जनवरी, 1950 को उच्चतम न्यायालय का शुभारम्भ हुआ। वैसे भारत का कानूनी और न्यायिक इतिहास 5000 वर्ष पुराना है। कानून एक गतिशील अवधारणा है जो समय-समय पर मानव के ज्ञान एवं विज्ञान की प्रगति के साथ-साथ समाज की आवश्यकताओं के अनुसार निरन्तर बदलती और विकसित होती रहती है। वर्तमान अदालतों और कानूनों ने बरसों के प्रयोग और नियोजन के बाद वर्तमान स्वरुप प्राप्त किया है।

वैसे तो भारत का सर्वोच्च न्यायालय विश्व के शक्तिशाली न्यायालयों में से एक हैं परन्तु धरातल पर यह भी सही है कि भारतीय अदालतें गरीब को न्याय देने में असफल रही है। ऐसा लगता है भारत की न्यायिक व्यवस्था आम आदमी के लिये नहीं है। भारतीय न्यायपालिका में लंबित मुकदमों की संख्या करोड़ों में है। जिसमें 5 करोड़ से ज्यादा मामले निचली अदालतों, लगभग 63 लाख मामले उच्च न्यायालयों में और लगभग 90,000 मुकदमे सर्वोच्च न्यायालय में विचाराधीन है। न्याय में देरी अन्याय के समान है। लम्बित मुकदमों की संख्या के आधार पर आज देश में करोड़ों आम नागरिक न्याय के किए तरस रहे हैं। तारीख पर तारीख की व्यवस्था से आम आदमी दुखी हो चुका है। सरकारी कार्यालयों की भांति न्यायालयों में भी भ्रष्टाचार का वजूद बढ ता जा रहा है। चर्चा में यह भी है कि जजों एवं वकीलों के मध्य नापाक गठजोड़ बन रहे हैं।

जाने-माने कानूनी विशेषज्ञ और पूर्व विधि एवं न्याय मंत्री, भारत सरकार शांतिभूषण ने खुलासा किया कि उच्चतम न्यायालय के 16 पूर्व मुख्य न्यायाधीशों में से कम से कम 8 निश्चित रूप से भ्रष्ट हैं। हलफनामे में 16 पूर्व सी.जे.आई. के नामों का भी उल्लेख किया है। न्याय में देरी का एक कारण न्यायाधीशों की अनुपलब्धता भी है। भारतीय विधि आयोग के अनुसार प्रत्येक दस लाख नागरिकों पर कम से कम 50 न्यायाधीश होने चाहिये, जबकि उपलब्धता मात्र 21 ही हैं।

न्यायाधीशों की नियुक्ति को लेकर भी विवाद की स्थिति है। सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश वर्तमान कॉलेजियम व्यवस्था को जारी रखना चाहते हैं, जबकि सरकार नियुक्ति का अधिकार अपने नियंत्रण में लेना चाहती है। वर्तमान कॉलेजियम प्रणाली को न्यायसंगत नहीं ठहरा सकते हैं। नियुक्ति में भाई-भतीजावाद इसी प्रणाली की देन है। नियुक्ति में विधायिका के दखल से दलगत राजनीति के आने की संभावना रहेगी। न्यायाधीशों की नियुक्ति में तत्काल सुधार अपेक्षित है जो पूर्ण विश्वसनीय एवं पारदर्शी हो।

न्यायालयों की स्वतंत्रता के लिए न्यायाधीश को पदमुक्त करने की प्रक्रिया भी अत्यन्त कठिन है। स्वयं संसद भी न्यायाधीशों के आचरण पर चर्चा नहीं कर सकती है। हमारे देश में किसी भी न्यायाधीश के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही की गुंजाईश नहीं के बराबर है।

पिछले कुछ समय से भारतीय न्यायपालिका, कार्यपालिका की निष्क्रियता के फलस्वरूप उत्पन्न रिक्तता को भरने का प्रयास कर रही है। जनहित याचिका ने न्यायपालिका के कार्यक्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन करके पहले से अधिक जवाबदेह एवं लोकप्रिय बना दिया है। परन्तु दूसरी ओर न्यायपालिका अपना स्वयं का प्राथमिक काम सरल एवं त्वरित न्याय देने में असमर्थ हो रही है। कुछ कानूनी विशेषज्ञों का कहना है कि न्यायिक सक्रियता से सरकार के तीनों अंगों के मध्य पारस्परिक सन्तुलन बिगड़ सकता है।

निःसंदेह देश में कार्यपालिका एवं विधायिका की तुलना में न्यायपालिका की प्रतिष्ठा अधिक है। लोगों में आस्था एवं विश्वास है। न्याय भी मिल रहा है परन्तु थोड़ी देरी से। इस देरी को ठीक करने की जरुरत है।

–प्रो. कैलाश सोडाणी,
पूर्व कुलगुरु, वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा

क्या भारतीय उच्च शिक्षा मैकाले युग में वापस जा रही है?

अशोक कुमार

लॉर्ड मैकाले का प्रसिद्ध कथन था कि वह एक ऐसी श्रेणी बनाना चाहता है जो "रक्त और रंग में भारतीय हो, लेकिन रुचि, राय, नैतिकता और बुद्धि में अंग्रेज हो।" मैकाले युग की शिक्षा की तीन मुख्य विशेषताएँ थीं: अंग्रेजी की सर्वोच्चता, भारतीय ज्ञान परंपरा की उपेक्षा और केवल प्रशासनिक कार्यों के लिए मानव संसाधन तैयार करना। आज जब हम उच्च शिक्षा की स्थिति देखते हैं, तो पाते हैं कि नीतियां बदलने के बावजूद धरातल पर कई चुनौतियाँ वैसी ही बनी हुई हैं।

1. नई शिक्षा नीति: डी-मैकालाइजेशन का प्रयास

सरकार का दावा है कि, नई शिक्षा नीति 2020 मैकाले के प्रभाव को जड़ से खत्म करने का एक ब्लूप्रिंट है। इसके पक्ष में निम्नलिखित तर्क दिए जा सकते हैं:- भारतीय ज्ञान प्रणाली का एकीकरण: उच्च शिक्षा के पाठ्यक्रम में अब प्राचीन भारतीय विज्ञान, गणित और दर्शन को शामिल किया जा रहा है। यह उस हीन भावना को खत्म करने की कोशिश है जो मैकाले ने पैदा की थी।

बहुविषयक दृष्टिकोण : मैकाले की शिक्षा ने विषयों को खानों में बांट दिया था। नई नीति छात्रों को भौतिकी के साथ संगीत या अर्थशास्त्र के साथ इतिहास पढ़ने की आजादी देती है, जो समग्र बौद्धिक विकास के लिए आवश्यक है।

मातृभाषा और क्षेत्रीय भाषाएँ: तकनीकी और चिकित्सा शिक्षा को हिंदी और अन्य क्षेत्रीय भाषाओं में उपलब्ध कराना अंग्रेजी के उस गढ़ को तोड़ने जैसा है जिसे मैकाले ने अभेद्य बनाया था।

2. बाज़ारीकरण: क्या कॉर्पोरेट क्लर्क तैयार हो रहे हैं?

मैकालेवाद की वापसी का सबसे बड़ा तर्क शिक्षा के व्यवसायीकरण से आता है।

कौशल बनाम ज्ञान: आज उच्च शिक्षा का एकमात्र उद्देश्य प्लेसमेंट बन गया है। विश्वविद्यालय अब ज्ञान के केंद्र होने के बजाय जॉब ट्रेनिंग सेंटर में तब्दील हो रहे हैं। यदि मैकाले ने सरकारी क्लर्क बनाए थे, तो वर्तमान व्यवस्था कॉर्पोरेट क्लर्क तैयार कर रही है। छात्र दर्शन, साहित्य और मौलिक चिंतन के बजाय केवल वही कोडिंग या मैनेजमेंट स्किल सीख रहे हैं जो बाज़ार में बिक सके।

मानविकीकी उपेक्षा: जिस तरह मैकाले ने भारतीय संस्कृति और दर्शन को पिछड़ा बताया था, आज का बाज़ार उन विषयों को अनुपयोगी मानकर हाशिए पर डाल रहा है जिनका सीधा आर्थिक लाभ नहीं दिखता।

3. रटने की संस्कृति और कोचिंग माफिया

मैकाले युग में स्मृति का परीक्षण होता था, न कि मेधाका। आज की स्थिति इससे बहुत अलग नहीं है:

प्रतियोगी परीक्षाओं का दबाव: परीक्षाओं ने उच्च शिक्षा के प्रवेश द्वार को एक रटंत मशीन बना दिया है। छात्र गहराई से विषय समझने के बजाय शॉर्टकट ट्रिक्स और हल करने की तकनीक सीख रहे हैं। कोचिंग हब: कोटा जैसे शहर आधुनिक समय के वह कारखाने हैं जहाँ छात्रों की मौलिकता और सृजनात्मकता को बलि चढ़ाकर उन्हें एक जैसे सांचे में ढाला जा रहा है। यह मैकाले की उस फैक्ट्री प्रणाली का आधुनिक रूप है जहाँ सबको एक समान उत्पाद बनाना था।

4. अंग्रेजी का बढ़ता प्रभुत्व और डिजिटल विभाजन

भले ही कागजों पर क्षेत्रीय भाषाओं को बढ़ावा दिया जा रहा है, लेकिन वास्तविकता यह है कि बौद्धिक संभ्रांतवाद आज भी अंग्रेजी से जुड़ा है।

ग्लोबल वर्सेज लोकल: शोध पत्र, वैश्विक सम्मेलन और उच्च स्तरीय नौकरियाँ आज भी उसी के पास हैं जिसकी अंग्रेजी पर पकड़ मजबूत है। यह समाज में एक गहरा विभाजन पैदा कर रहा है।

डिजिटल डिवाइड: आधुनिक तकनीक ने एक नया वर्ग तैयार किया है जिसके पास हाई-स्पीड इंटरनेट और गैजेट्स हैं। यह वर्ग वैचारिक रूप से पश्चिम के इतना करीब है कि वह अपनी ज़मीनी हकीकत से कट चुका है। यह ठीक वैसी ही स्थिति है जैसी मैकाले चाहते थे-एक ऐसा वर्ग जो अपने ही देश में अजनबी हो।

5. शोध और मौलिकता का अभाव

मैकाले की शिक्षा का उद्देश्य भारतीयों को अनुयायी बनाना था, अन्वेषक नहीं।

पश्चिमी सिद्धांतों का अंधानुकरण: आज भी हमारे सामाजिक विज्ञान और प्रबंधन के सिद्धांत पश्चिमी विश्वविद्यालयों की रिसर्च पर आधारित होते हैं। हम भारतीय समस्याओं का समाधान भी पश्चिमी चश्मे से ढूँढते हैं।

बौद्धिक दासता: उच्च शिक्षा में पेटेंट और मौलिक शोध के मामले में हम अभी भी पीछे हैं। जब तक हमारा शोध मौलिक नहीं होगा, हम मानसिक रूप से मैकाले के युग में ही रहेंगे, जहाँ ज्ञान हमेशा बाहर से आता है।

6. रोजगार क्षमता का संकट

मैकाले की शिक्षा ने बेकारों की फौज खड़ी की थी जो शारीरिक श्रम से नफरत करते थे। आज की उच्च शिक्षा में भी डिग्री और कौशल के बीच गहरी खाई है। लाखों इंजीनियर और स्नातक डिग्री होने के बावजूद बेरोजगार हैं क्योंकि वे उद्योग की जरूरतों के हिसाब से कुशल नहीं हैं। यह शैक्षणिक विफलता छात्रों में कुंठा पैदा करती है, जो उन्हें पुनः उसी क्लर्क वाली सुरक्षित मानसिकता की ओर धकेलती है।

समाधान की राह: मैकाले से आगे का भारत -यदि हमें वास्तव में मैकाले युग से बाहर निकलना है, तो हमें केवल पाठ्यक्रम नहीं, बल्कि दृष्टिकोण बदलना होगा:-

अनुसंधान केंद्रित शिक्षा: विश्वविद्यालयों को केवल परीक्षा लेने वाली संस्थाओं के बजाय शोध के केंद्र के रूप में विकसित करना होगा।

श्रम का सम्मान: व्यावसायिक शिक्षाको मुख्यधारा से जोड़ना होगा ताकि हर स्नातक केवल सफेदपोश नौकरी के पीछे न भागे।

विवेक और चरित्र का निर्माण: जैसा कि स्वामी विवेकानंद ने कहा था-"शिक्षा वह है जो मनुष्य का निर्माण करे।" शिक्षा को केवल आजीविका का साधन नहीं, बल्कि जीवन जीने की कला बनाना होगा।

निष्कर्ष- निष्कर्षतः, यह कहना कि हम पूरी तरह मैकाले युग में वापस जा रहे हैं, हमारे वर्तमान प्रयासों का अपमान होगा। लेकिन यह कहना भी गलत नहीं होगा कि मैकाले की आत्मा आज भी हमारे परीक्षा पैटर्न, अंग्रेजी के प्रति हमारे मोह और हमारी रटने वाली संस्कृति में जीवित है। हम एक संक्रमण काल में हैं। एक तरफ नई शिक्षा नीति 2020 के माध्यम से भारतीयता को पुनः स्थापित करने की छटपटाहट है, तो दूसरी तरफ वैश्विक बाज़ार की अंधी दौड़ हमें वापस उसी लिपिक मानसिकता की ओर खींच रही है। हम मैकाले से तब मुक्त होंगे जब हमारी शिक्षा हमें नौकरी ढूंढने वाला नहीं, बल्कि सृजन करने वाला और स्वतंत्र विचारक बनाएगी।

–अशोक कुमार,
विभागाध्यक्ष राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर

मंडावा में होली पर निकले पारम्परिक गैर जुलूस ने सामाजिक एकता का संदेश दिया

▪ रंगों में भीगा यह गैर जुलूस केवल एक परंपरागत आयोजन नहीं रहा, बल्कि सामाजिक समरसता और जनएकता का जीवंत दस्तावेज बन गया है

झुंझुनूं/मंडावा, (निसं)। रंगों के महापर्व होली पर मंडावा में इस वर्ष सामाजिक समरसता, राजनीतिक सौहार्द और सांस्कृतिक गौरव का ऐसा अद्भुत दृश्य देखा, जिसने पूरे क्षेत्र को उत्साह और उल्लास से सराबोर कर दिया। नगरपालिका मंडावा के पास से निकला पारंपरिक गैर जुलूस जब मुख्य मार्गों से गुजरा तो हर ओर रंगों की बौछार, ढोल-नगाड़ों की गूंज और होली है के जोशीले स्वर वातावरण में गूंज उठे।

गैर जुलूस में उमड़ा जनसैलाब इस बात का साक्षी बना कि होली केवल एक त्योहार नहीं, बल्कि दिलों को जोड़ने का अवसर है। बच्चे, युवा, महिलाएं और बुजुर्ग-सभी वर्गों की सहभागिता ने इसे जन उत्सव का रूप दे दिया। गुलाल से रंगे चेहरे और उमंग से भरे कदम मंडावा की गलियों को जीवंत चित्र में बदलते नजर आए।

इस भव्य आयोजन में झुंझुनूं से भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं समाजसेवी महेश बसावतिया, झुंझुनूं नगर पालिका के पूर्व उपाध्यक्ष पवन पुजारी, प्रमुख व्यवसायी देवेंद्र खत्री, संजय शर्मा एवं विनोद शर्मा सहित बड़ी संख्या में गणमान्यजन उपस्थित रहे। सभी ने एक-दूसरे को रंग-गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दी और सामाजिक एकता का सशक्त संदेश दिया।

गौरतलब है कि मंडावा का गैर जुलूस वर्षों पुरानी परंपरा का प्रतीक है, लेकिन इस बार इसकी भव्यता और जनसहभागिता ने इसे ऐतिहासिक स्वरूप प्रदान कर दिया। लोकधुनों पर थिरकते युवाओं की टोली, पारंपरिक वेशभूषा में सजे प्रतिभागी और अनुशासित व्यवस्थाएं-हर पहलू आयोजन की गरिमा को बढ़ाता नजर आया। राजनीतिक और सामाजिक नेतृत्व की एक साथ मौजूदगी ने यह स्पष्ट किया कि त्योहार समाज को जोड़ने की ताकत रखते हैं।

यहां रंगों ने भेदभाव की हर रेखा मिटाकर केवल प्रेम, विश्वास और अपनत्व का संदेश दिया। रंगों में भीगा यह गैर जुलूस केवल एक परंपरागत आयोजन नहीं रहा, बल्कि सामाजिक समरसता और जनएकता का जीवंत दस्तावेज बन गया। मंडावा की धरती पर उमड़ा यह जनसैलाब लंबे समय तक भाईचारे, प्रेम और सौहार्द की प्रेरणा देता रहेगा।

राशिफल गुरूवार 5 मार्च, 2026

पंडित अनिल शर्मा

चैत्र मास, कृष्ण पक्ष, द्वितीया तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2082, उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र प्रातः 8:18 तक, शूल योग प्रातः 7:46 तक, गर करण सायं 5:04 तक, चन्द्रमा आज कन्या राशि में संचार करेगा।

गृह स्थिति: सूर्य-कुम्भ, चन्द्रमा-कन्या, मंगल-कुम्भ, बुध-कुम्भ, गुरू-मिथुन, शुक्र-मीन, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज भाईदोज और कलमदान पूजा, चित्रगुप्त पूजा, सन्त तुकाराम जयन्ती है। महापात योग दिन 3:03 से सायं 7:05 तक है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ सूर्योदय से 8:18 तक, चर 11:12 से 12:38 तक, लाभ-अमृत 12:38 से 3:32 तक, शुभ 4:59 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 6:51, सूर्यास्त 6:26

मेष

परिवार में चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। परिवार में मांगलिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

वृष

परिजनों के व्यवहार के कारण दुःख हो सकता है। आवश्यक और महत्वपूर्ण मामलों में दुविधा बनी रहेगी। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

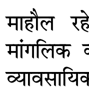

मिथुन

घर-परिवार में अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी।

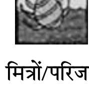

कर्क

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों/परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

सिंह

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

कन्या

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। मानसिक तनाव दूर होगा। घर-परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

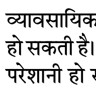

तुला

व्यावसायिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। व्यावसायिक खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है।

वृश्चिक

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

धनु

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके हुए व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

मकर

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। धार्मिक स्थान की यात्र का कार्यक्रम बन सकता है।

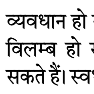

कुंभ

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। स्वभाव की तेजी पर नियंत्रण रखें।

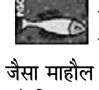

मीन

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

सार-समाचार

निसार मकरानी ने रखा पहला रोजा

डूंगरपुर। एम एम बी ग्रुप डूंगरपुर के सदर नूर मोहम्मद मकरानी के नवासे मोहम्मद निसार मकरानी जिनकी उम्र 3 साल 11 माह है। आज उस मासूम बच्चे ने आज अपना पहला रोजा रखकर अल्लाह ताला की इबादत की। नूर मोहम्मद मकरानी ने बताया कि निसार ने आज अपनी मर्जी से ही वक्त ए सेहरी पर उठ कर सेहरी की ओर सभी को कहा कि मैं रोजा रखूंगा इस बात पर सभी को हैरानी में डाल दिया। ज्ञात रहे कि निसार के भाई अब्दुल हाफिज अपने पूरे रोजे मुकम्मल कर रहे हैं और उसकी बहन मेहरीन फातिमा भी रोजे रख रही हैं। निसार मकरानी के वालिद मोहम्मद वसीम और वालिदा मखदूमा मकरानी और दादी अनिसा मकरानी ने उसको मुबारकबाद दी। इस नेक मौके पर पूरे मकरानी परिवार ने मोहम्मद निसार को मुबारकबाद दी।

महिला ने की आत्महत्या

उदयपुर,। नाई थाना क्षैत्र में महिला ने अपने मकान में फांसी लगा आत्महत्या कर ली। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार नाई थाना क्षैत्र शंकर खेड़ा निवासी लाली पत्नी उदा गमेती ने अपने मकान में फांसी लगा आत्महत्या कर ली।28 फरवरी को लाली गांव में होली महोत्सव के चलते गीत गाने के लिए घर से निकली थी। रात में लौटने के बाद उसने कमरे में फांसी लगा आत्महत्या कर ली। दूसरे दिन इसका पता चलने पर परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। इस पर पुलिस ने पीहर पक्ष कालीवास सूचना देकर मृतका को एमबी चिकित्सालय मोर्चरी में रखवाया। जहां बुधवार को हेडकांस्टेबल दिनेश पटेल ने मृतका का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया। आत्महत्या करने के कारणों का पता नहीं चल पाया। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

लाखों की नकदी वसूली

उदयपुर,। शहर के सुखेर थाना पुलिस ने सीए के खिलाफ निवेश के नाम पर लाखों की नकदी वसूल कर पीडित के साथ ठ्ठगी करने का प्रकरण दर्ज किया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीडित रणजीतसिंह राव पुत्र कानसिंह निवासी आसोलियों की मादड़ी हॉल बी ब्लॉक चित्रकूटनगर भुवाणा ने अपने परिचीत सीए देवेन्द्रसिंह उर्फ चीनू पुत्र शंकरसिंह राव निवासी मुम्बई के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया। जिसमें पीडित ने बताया कि आरोपी मेरे परिचित होकर नजदीकीयां है। गत दिनों उसने सीए होने की बात कहते हुए कंपनी में निवेश करने पर अच्छा लाभ मिलने का आश्वासन देकर 69 लाख रूपये वसूल लिए। कुछ समय बाद आरोपी ने केवल 26 लाख रूपये का भुगतान किया तथा शेष नकदी नहीं दी।इसकी मांग करने पर टालम टोल करना शुरू कर दिया। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर लिया है। जिसकी जांच एएसआई महिपालसिंह कर रहे है।

चाकूबाजी में मारे गए किशोर का शव सौपा

उदयपुर,। आपसी रंजिश के चलते चाकू से किए गए हमले में घायल युवक की मौत होने के तीसरे दिन मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंपा। प्रकरण के अनुसार 2 मार्च सांय जिले के बालवाड़ा थाना क्षैत्र काटवी रोड़ कानपुर में आपसी रंजिश के चलते निचला तालाब निवासी जगदीश पुत्र लक्ष्मणसिंह व साथी आपसी रंजिश के चलते पीडित कैलाश खोखरिया पुत्र नवला निवासी ढीकावास के पुत्र राकेश (16) व उसके मित्र उमेश सिंह उर्फ कालु निवासी पहाड़ा पर चाकू से हमला कर फरार हो गए। इसकी सूचना मिलने पर थानाधिकारी गणपतसिंह मय जाप्ता ने मौके पर पहुंच कर घायल को उपचार के लिए चिकित्सालय पहुंचाया तथा मृतक को मोर्चरी में रखवाया। घटना के तीसरे दिन बुधवार को पुलिस ने मृतक राकेश का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंपा। प्रकरण की जांच थानाधिकारी कर रहे है। प्रारंभिक अनुसंधान में गत दिनों दोनों पक्षों के बीच किसी बात को लेकर विवाद होने से रंजिश बढ गई थी।

हमले में किशोर की मौत

उदयपुर,। सूरत में मजदूरी कर घर लौटते समय अज्ञात हमलावरों नें चाकू से हमला कर किशोर की हत्या कर दी। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार झाड़ोल निवासी प्रथा (16) पुत्र लिम्बा मीणा सूरत में काम करता था एवं 2 मार्च को घर लौट रहा था। जहां बीच रास्ते माण्डवा खेत रोड़ पर स्थित दुकान पर रूका । जहां किसी बात को लेकर अज्ञात बदमाश से झगड़ा होने पर चाकू से हमला कर दिया। गंभीर घायल होने पर उसे उपचार के लिए एमबी चिकित्सालय में भर्ती करवाया। जहां उसकी मौत हो गई। सूचना मिलने पर झाड़ोल थानाधिकारी फेलीराम ने मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया। इस मामले में पुलिस ने हत्या का प्रकरण दर्ज कर हमलावरों की तलाश शुरू की।

सड़क हादसे में बाइक सवार की मौत

उदयपुर,। गोवर्धन विलास हाइवे पर आमने सामने बाइक की भिडंत में घायल युवक की मौत हो गई। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार वाघपुरा झाड़ोल निवासी दिता पुत्र अम्बा खंडेरा मीणा शहर से मजदूरी कर वापस बाइक से घर लौट रहा था। जहां बीच रास्ते में वलिचा दक्षिण विस्तार कृषि मण्डी रोड़ पर अज्ञात बाइक से टक्कर हो गई। हादसे में गंभीर घायल होने पर उसे उपचार के लि एमबी चिकित्सालय में भर्ती करवाया जहां उसकी मौत हो गई।

मुख्यमंत्री का मन्तव्य, स्वच्छता के साथ किसी प्रकार का समझौता नही : गुप्ता

- राजस्थान को खड्ढा मुक्त, गंदगी मुक्त और प्लास्टिक मुक्त बनाएंगे

डूंगरपुर। स्वच्छ भारत मिशन शहर के प्रदेश ब्रांड एंबेसडर के के गुप्ता ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि स्वच्छ भारत मिशन के संबंध में प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा साहब के स्पष्ट निर्देश हैं कि स्वच्छता के साथ किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। शहरी निकाय अथवा ग्राम स्तर पर एसबीएम से संबंधित अधिकारी और कर्मचारियों की लापरवाही और काम में बहानेबाजी को बर्दाश्त नहीं करते हुए सख्त कार्यवाही की जाएगी। गुप्ता ने बताया कि आज प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा स्वच्छ भारत मिशन को लेकर अत्यंत गंभीरता के साथ में प्रत्येक जिले की एसबीएम गतिविधियों पर निगरानी रखी जा रही है। मुख्यमंत्री के निर्देश अनुसार प्रदेश के प्रत्येक जिले के आधिकारिक एसबीएम व्हाट्सएप ग्रुप में स्वच्छ भारत मिशन शहर और ग्रामीण के निदेशक तथा प्रमुख शासन सचिव महोदय जुडे हुए हैं। उनके द्वारा भी दैनिक क्रियाकलापों पर मॉनिटरिंग की जा रही है। गुप्ता ने बताया कि मुख्यमंत्री महोदय का संकल्प है कि राजस्थान प्रदेश को स्वच्छ बनाना है। प्रदेश की जनता स्वच्छता के वातावरण में निवास करेगी तो स्वास्थ्य अनुकूल होगा इस प्रकार हम स्वच्छ राजस्थान स्वस्थ राजस्थान की परिकल्पना को साकार कर सकते हैं। अभी आयुष्मान बीमा योजना में प्रतिवर्ष करोडों रुपया व्यय किया जा रहा है,वहीं यदि लोग स्वस्थ रहेंगे तो यह सरकारी रुपया अन्य आधारभूत विकास कार्यों में उपयोग में लिया जा सकता है। राजस्थान प्रदेश को खड्डा मुक्त, गंदगी मुक्त और प्लास्टिक मुक्त बनाएंगे । ब्रांड एंबेसडर गुप्ता ने बताया कि डूंगरपुर नगर स्वच्छता के मॉडल के रूप में जाना पहचाना जाता है और सरकार द्वारा मुझे यह दायित्व दिया गया है इसके पीछे भी डूंगरपुर स्वच्छता मॉडल का ही योगदान है। मेरे सभापति कार्यकाल वर्ष 2015 से 2020 के दौरान डूंगरपुर नगर के प्रत्येक निवासी और टीम नगर परिषद के प्रत्येक कर्मचारी ने दिन.रात एक करके समर्पित भाव से स्वच्छता में अपना योगदान दिया उसी की बदौलत आज डूंगरपुर निकाय राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वच्छता में अपना नाम रखता है। वर्तमान में मेरे पास पूरे राजस्थान प्रदेश का स्वच्छता का दायित्व है लेकिन प्राथमिकता में डूंगरपुर शहर रहेगा। वर्तमान में डूंगरपुरवासी अवस्थाओं को झेल रहे हैंए लेकिन अब स्थिति में सुधार होगा। डूंगरपुर नगर में पिछले तीन वर्षों से सीवरेज लाइन का कार्य चल रहा है। संबंधित ठेकेदार को अब पाबंद किया गया है कि जहां.जहां सडक खोद दी गई है उसे पहले रिपेयर करें उसके बाद में काम आगे बढाएं और नए काम शुरू करने के लिए भी कुछ मीटर खुदाई करके पाइप लाइन वह अन्य कार्य पूरा करते हुए तुरंत ही खोदी गई सडक की मरम्मत कार्य करने के लिए पाबंद किया गया है। डूंगरपुर नगर में प्लास्टिक के थैलियों का उपयोग धडल्ले से हो रहा है। इसकी रोकथाम के लिए नगर परिषद टीम को निर्देश दिए गए हैं।

आरोपी गिरफ्तार

उदयपुर,। शहर के अम्बामाता थाना क्षैत्र आपसी रंजिश के चलते आरोपी ने चाकू से हमला कर युवक को घायल किया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीडित मोहम्मद सलीम पुत्र गुल मोहम्मद निवासी गरीब नवाज कॉलोनी अम्बामाता ने आरोपी रीहान पुत्र शेर मोहम्मद निवासी गरीब नवाज कॉलोनी के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया। जिसमें पीडित ने बताया कि 2 मार्च को मेरो पुत्र मोहम्मद अर्श मंसूरी नोहरा गरीब नवाज कॉलोनी के बाहर मित्रों के साथ बातचीत कर रहा था। इस दौरान आया बदमाश चाकू से मेरे पुत्र के पेट पर हमला कर फरार हो गया। हमले में घायल पुत्र को उपचार के लिए एमबी चिकित्सालय में भर्ती करवाया। इस मामले में प्रकरण दर्ज होने पर अम्बामाता थानाधिकादी दलपतसिंह के नेतृत्व में एएसआई अमजद खां मय टीम ने आरोपी रीहान को गिरफ्तार किया।

GENERAL INFORMATION

This is to inform that **Aadish Khodniya S/o Dinesh Khodniya** partner retired in partnership wef 01.01.2026 in firm M/s SKK Hotel, 43-44 I-Block Hiran Magri Sector no. 14, Udaipur, -313001 (Rajasthan) registered with Registrar of Firms Udaipur vide Registration No. RF/UDP/2024/503. If any one have objection in the reconstitution partnership as above, please inform for such object to the registrar of Firms (Jila Udyog & Vanijya Kendra), MIA Udaipur Within 7 days time period From this publication.

For SKK Hotel, Partner

कांस्टेबल की सड़क हादसे में मौत

उदयपुर, (का.स.) । उदयपुर में बुधवार को अपराधी को पकडने जा रहे कॉन्स्टेबल की मौत हो गई। वह अपनी निजी कार से तीन लोगों के साथ जा रहे थे। रास्ते में डिवाइडर से टकराकर कार पलट गई और हादसा हो गया। कॉन्स्टेबल की पिछले महीने 10 फरवरी को ही शादी हुई थी।

हादसे की सूचना के बाद उनके परिवार में कोहराम मच गया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा जाएगा। कॉन्स्टेबल का राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया जाएगा। हादसा ऋषभदेव थाना इलाके का है। डीएसपी चांदमल सिंगारिया ने बताया कि हादसे में कॉन्स्टेबल प्रवीण मीणा की मौत हो गई। वह सलूंबर जिले के सराडा थाने में तैनात थे। वह ऋषभदेव थाना क्षेत्र में भूधर के रहने वाले थे। हादसा नेशनल हाईवे.48 पर राजस्थान स्पिनिंग विलिंग मिल के पास हुआ था। हादसे में घायलों को भर्ती करवाया गया है। डीएसपी ने बताया कि कॉन्स्टेबल ऋषभदेव स्थित पीपली गांव में स्थायी वारंटी की तलाश के लिए जा रहे थे। रास्ते में डिवाइडर से टकराकर कार पलट गई।

झीलों की नगरी में उत्साह और श्रद्धा से मनाया रंगों का पर्व

- जगदीश चौक पर उडी गुलाल,डीजे पर झूमे युवा
- पंजाब के राज्यपाल ने भी खेली होली
- देशी.विदेशी पर्यटकों ने भी जमकर फेंका रंग
- चंद्रग्रहण के चलते मंदिरो में नहीं खेली होली

उदयपुर, (का.स.) । उदयपुर। रंगों के पावन पर्व होली के उपलक्ष्य में जिले भर में सोमवार रात्रि पारंपरिक रीति.रिवाजों एवं वैदिक विधि.विधान के साथ होलिका दहन कार्यक्रम आयोजित किए गए। शहर से लेकर ग्रामीण अंचलों तक श्रद्धालुओं ने विधिवत पूजा.अर्चना कर क्षेत्र की सुख.समृद्धि और खुशहाली की कामना की।मंगलवार को एक दूसरे के मुंह पर गुलाल लगा कर पर्व को और भी खुशनुमा बना दिया। चंद्रग्रहण के चलते उदयपुर के मंदिरो में होली नहीं खेली गई।

सिटी पैलेस उदयपुर के ऐतिहासिक माणक चौक में राजपरंपरा के अनुरूप होलिका दहन संपन्न हुआ। शुभ मुहूर्त में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच अग्नि प्रज्वलित की गई। इस अवसर पर पारंपरिक श्घेरश् नृत्य का आयोजन हुआ जिसने माहौल को उत्सवमय बना दिया। बडी संख्या में शहरवासी और पर्यटक इस आयोजन के साक्षीबने। मेवाड़ के 77वें श्री एकलिंग दीवान डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ , अध्यक्ष एवं प्रबंध न्यासी, महाराणा मेवाड़ चैरिटेबल फाउण्डेशन ने मेवाड़ की गौरवशाली एवं शताब्दियों पुरानी परम्पराओं का अनुपम निर्वहन करते हुए पण्डितों के वैदिक मंत्रोच्चार के मध्य पारम्परिक विधि.विधान से होलिका दीपन किया। मेवाड़ अंचल में इसका विशेष सांस्कृतिक और आध्यात्मिक महत्व है।इस पावन अवसर पर मेवाड़ क्षेत्र के विभिन्न मंदिरों एवं मङ्गों से पधारे साधु.संतों और महंतों का विशेष सम्मान किया गया। सुभाष नव युवक मंडल की ओर से सुभाष चौराहे पर होलिका दहन कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पंजाब के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया थे।

कार्यक्रम में शहर विधायक ताराचंद जैन, ग्रामीण विधायक फूल सिंह मीणा,आईजी गौरव श्रीवास्तव, कलेक्टर नामित मेहता, एसपी योगेश गोयल,नितुल चंडालिया, विनोद दलाल,अतुल चंडालिया, बाबूलाल नागोरी, कमलेश जावरिया सहित बडी संख्या में लोग मौजूद थे। उदयपुर शहर में खासकर जगदीश चौक में हर साल की तरह होली का जश्न बडे ही जोश और उत्साह से मनाया गया । पूरा चौक युवाओं से खचाखच भरा था। हिंदी.पंजाबी सॉन्स पर हर कोई मस्ती से झूमा और होली को मस्ती से खेला।

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राज्य पर्यावरण प्रभाव आकलन प्राधिकरण (SEIAA), भवानी सिंह लेन, सहकार मार्ग, जयपुर उनके फाइल क्रमांक: RJ/25/SEAC-4 (06)/INDI/EC/0007, (EC पहचान संख्या EC25B0901RJ5141700N) दिनांक 27.02.2026 से खसरा संख्या 3315 मी., गांव-लकड़वास, तहसील-गिरर्वा, जिला-उदयपुर (राजस्थान) में प्रस्तावित बेनेफिशिएशन रॉक फॉस्फेट प्लांट की उत्पादन क्षमता 0.3 MTPA (1000 TPD) निर्माण के लिए वालिया इंडस्ट्रीज लिमिटेड को पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 के अनुसार "पर्यावरण स्वीकृति" प्रदान की है। एवम वेबसाइट htttp://environmentclearance.nic.in/ पर भी उपलब्ध है। यह सार्वजनिक नोटिस पर्यावरण स्वीकृति पत्र के 11 (विविध) (11.1) की शर्त संख्या के अनुपालन में जारी किया गया है।

वास्ते
For Valiya Industries Limited
Director

कार्यालय नगरपालिका नाथद्वारा, जिला-राजसमन्द (राज.)

Email: np_ntd@yahoo.in Phone:- 02953-233526

क्रमांक /न.पा.नाथ/उप.एकी./2026/18573 दिनांक : 4.3.2026

- : आपत्ती सूचना :-

एतर्थ द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नांकित व्यक्तियों द्वारा जरिये क्रय शुद्वा/पट्टा शुद्वा के आधार पर भूखण्डों का उपविभाजन/एकीकरण का स्वयं के नाम पर निम्नांकित वर्णित सम्पत्ति पर उपविभाजन/एकीकरण कराने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। उक्त आवेदन के संबंध में किसी भी हितधारी को कोई आपत्ती हो तो 7 दिवस (कार्य दिवस) में नगरपालिका कार्यालय में लिखित रूप से प्रस्तुत कर दें अन्यथा प्रकरण में कोई आपत्ती प्राप्त नहीं होने एवं दस्तावेज पूर्ण पाये जाने पर नियमानुसार कार्यवाही पूर्ण करते हुए उक्त प्रकरणों में आगामी कार्यवाही सम्पादित कर दी जायेगी।

क्र. सं.	आवेदक का नाम व पता	आवेदित सम्पत्ति का पता	पड़ौस का विवरण			
			पूर्व	पश्चिम	उत्तर	दक्षिण
1.	श्री रमेश चन्द्र लोढा पिता श्री हीरालाल लोढा निवासी-नाथद्वारा	भूखण्ड क्षैत्रफल-500 वर्गफिट, गोकुल विहार, आदर्श नगर, नया रोड, नाथद्वारा	गलीनुमा रास्ता	श्री रोशन लाल जी का भूखण्ड	रास्ता उसके आगे श्री सोहनलाल जी का मकान	मकान श्री संपतलाल जैन
2.	श्री रोशन लाल लोढा पिता श्री हीरालाल लोढा निवासी-नाथद्वारा	भूखण्ड क्षैत्रफल-500 वर्गफिट, गोकुल विहार, आदर्श नगर, नया रोड, नाथद्वारा	श्री रमेशचन्द्र लोढा का भूखण्ड	अन्य का भूखण्ड	रास्ता उसके आगे श्री सोहनलाल जी का मकान	मकान श्री संपतलाल जैन

आयुक्त, नगरपालिका नाथद्वारा

फतहसागर की पाल पर होगा दो दिवसीय आयोजन

उदयपुर,। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर प्रत्येक जिले की विरासत और पारिस्थितिकी के संवर्धन के लिए प्रारंभ किए गए पंच गौरव कार्यक्रम के तहत उदयपुर जिला कलक्टर नमित मेहता के निर्देशन में नवाचार किया जा रहा है। आमजन को जिले के पंच गौरव से रूबरू कराने के उद्देश्य से दो दिवसीय जिला स्तरीय पंच गौरव मेला एवं प्रदर्शनी गुरूवार से फतहसागर की पाल पर प्रारंभ होगी। आयोजन को लेकर सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। पंच गौरव कार्यक्रम क्रियान्वयन सदस्य सचिव पुनीत शर्मा ने बताया कि जिला स्तरीय मेले व प्रदर्शनी का आयोजन फतहसागर की पाल पर स्थित टाया पैलेस के समीप होगा। मेले का शुभारंभ गुरूवार अपराह्न 3 बजे सभी जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों की उपस्थिति में होगा। मेले के दौरान एक जिला एक उत्पाद- मार्बल एवं ग्रेनाईट,एक उपज - सीताफल, एक वनस्पति प्रजाति - महुआ, एक खेल - तैराकी तथा पर्यटन स्थल - फतहसागर एवं पिछोला से जुड़ी जानकारियां प्रदर्शित की जाएंगी। मेले और प्रदर्शनी के दौरान विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा।

'शी नोज द ग्राउंड शी स्टैंड्स ऑन' कैंपेन लॉन्च

उदयपुर, । विश्व की सबसे बड़ी इंटीग्रेटेड जिंक उत्पादक और चांदी के वैश्विक शीर्ष पांच उत्पादकों में से एक, हिन्दुस्तान जिंक लिमिटेड ने जेंडर इंक्लूजन (लैंगिक समानता) की दिशा में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर हासिल किया है। कंपनी की वर्कफोर्स में अब 26.3 प्रतिशत महिलाएं हैं, जो भारत के मेटल और माइनिंग सेक्टर में सबसे अधिक है यह एक ऐसा क्षेत्र जिसे पारंपरिक रूप से पुरुषों का काम माना जाता रहा है। कंपनी में अब 745 से अधिक महिलाएं कार्यरत है, जिनमें 314 से अधिक महिला इंजीनियर शामिल हैं।

ये महिलाएं अंडरग्राउंड माइंस, स्मेल्टर और तकनीकी कार्यों जैसी प्रमुख भूमिकाओं में कार्य कर रही हैं। हिन्दुस्तान जिंक ने महिलाओं को फ्रंटलाइन जिम्मेदारियों में शामिल कर एकब?ा श्?द्ध बदलाव किया है। कंपनी ने पहली बार महिलाओं को खदानों के भीतर, नाइट शिफ्ट में और अंडरग्राउंड माइन रेस्क्यू टीम में शामिल करने जैसी अनूङ्गी पहल की है। रोबोटिक्स, ऑटोमेशन और इंडस्ट्री 4.0 के उपयोग ने माइनिंग को और अधिक सुरक्षित बनाया है, जिससे महिलाएं इन तकनीकी क्षेत्रों में बढ-चढ़कर अपना करियर बना रही हैं। कंपनी ने महिलाओं की भागीदारी को औरबढावा देने के लिए 25 दिनों का एक खास कैंपेन शुरू किया है, जिसका नाम है 'शी नोज द ग्राउंड शी स्टैंड्स ऑन' इस कैंपेन के जरिए कंपनी उन महिलाओं की कहानियों को सामने ला रही है जो माइनिंग और मेटल इंडस्ट्री में अपनी विशेषज्ञता और साहस से बदलाव ला रही हैं। इसमें विज्ञान की छात्राओं को भी माइनिंग ऑपरेशंस का अनुभव कराया गया है। इन ऑपरेशन्स को आत्मविश्वास और अनुभव के साथ लीड करने वाली असाधारण महिलाओं से मिला जा रहा है। यह ऑपरेशन्स में साइंस से कहीं अधिक है, यह साइंस में महिलाएँ हैं जो एक बदलाव की लहर जगा रही हैं, जो स्टेम स्टूडेंट्स को प्रेरित करने की नींव से बनी है। कैंपेन के मुख्य हिस्से में, कंपनी ने भारत के सबसे उत्कृष्ट साइंस कॉलेज से 15 से अधिक डाइनैमिक महिलाओं को एक इमर्सिव सोशल एक्सपेरिमेंट के लिए आमंत्रित किया गया। उन्होंने हिन्दुस्तान जिंक के माइनिंग ऑपरेशन्स में काम किया, लोगों की सोच को हकीकत से जोड़ा और मेटल्स और माइनिंग में आगे बढने के लिए अपनी क्षमता को जगाया। इससे पहले, अलग-अलग स्टेम महिलाओं को अपने क्षेत्र में आत्मविश्वास से आगे बढ़ कर कार्य करते हुए अवगत कराया गया, साथ ही काम पर जिंक महिलाओं की जीवंत डे इन द लाइफ झलकियों को भी दिखाया, इंडस्ट्री के अनुभवों के साथ टेस्टिमोनियल्स भी दिखाए गये है। यह दिखाता है। कि मेटल्स का भविष्य साइंस में महिलाओं पर क्यों निर्भर करता है, सिर्फ हिस्सा लेने के लिए नहीं, बल्कि इनोवेट करने, लीड करने और फील्ड को फिर से डिफाइन करने के लिए और इसका मकसद हैवी इंडस्ट्री और स्टेम करियर में महिलाएं क्या हासिल कर सकती हैं, इस बारे में सोच को फिर से परिभाषित करना है। इस बदलाव को हिन्दुस्तान जिंक की डिजिटल माइंस लीड कर रही हैं।

कार्यालय नगरपालिका नाथद्वारा, जिला-राजसमन्द (राज.)

Email: np_ntd@yahoo.in Phone:- 02953-233526

क्रमांक /न.पा.नाथ./नामा./2026/18582 दिनांक : 4.3.2026

- : आपत्ती सूचना :-

एतर्थ द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नांकित व्यक्तियों द्वारा जरिये क्रय शुदा/पट्टा शुद्वा के आधार पर भूखण्डों का नामान्तरण/नाम हस्तान्तरण का स्वयं के नाम पर निम्नांकित वर्णित सम्पत्ति पर नामान्तरण/नाम हस्तान्तरण कराने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया हैं। उक्त आवेदन के संबंध में किसी भी हितधारी को कोई आपत्ती हो तो 7 दिवस (कार्य दिवस) में नगरपालिका कार्यालय में लिखित रूप से प्रस्तुत कर दें अन्यथा प्रकरण में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने एवं दस्तावेज पूर्ण पाये जाने पर नियमानुसार कार्यवाही पूर्ण करते हुए उक्त प्रकरणों में आगामी कार्यवाही सम्पादित कर दी जायेगी:-

क्र. सं.	आवेदक का नाम व पता	आवेदित सम्पत्ति का पता	पड़ौस का विवरण			
			पूर्व	पश्चिम	उत्तर	दक्षिण
1.	श्री रमेश चन्द्र लोढा पिता श्री हीरालाल लोढा निवासी-नाथद्वारा	भूखण्ड क्षैत्रफल-500 वर्गफिट, गोकुल विहार, आदर्श नगर, नया रोड, नाथद्वारा	गलीनुमा रास्ता	श्री रोशन लाल जी का भूखण्ड	रास्ता उसके आगे श्री सोहनलाल जी का मकान	मकान श्री संपतलाल जैन
2.	श्री रोशन लाल लोढा पिता श्री हीरालाल लोढा निवासी-नाथद्वारा	भूखण्ड क्षैत्रफल-500 वर्गफिट, गोकुल विहार, आदर्श नगर, नया रोड, नाथद्वारा	श्री रमेशचन्द्र लोढा का भूखण्ड	अन्य का भूखण्ड	रास्ता उसके आगे श्री सोहनलाल जी का मकान	मकान श्री संपतलाल जैन

आयुक्त, नगरपालिका नाथद्वारा

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि फर्म M/s Shree Kanak Minchem (पंजीयन संख्या: RF/UDP/2018/3206) के संविधान एवं मुख्य व्यावसायिक स्थान के पते में दिनांक 27.02.2026 से निम्नलिखित परिवर्तन किए गए हैं:

नये भागीदार-दिनांक 27.02.2026 को प्रात: काल से श्री सागर शर्मा एवं श्री शैतान को फर्म में नये भागीदार के रूप में शामिल किया गया है।

रिटायर भागीदार-फर्म की भागीदार कुमारी चंदा मेघवाल एवं श्री लोकेश मेघवाल अपनी स्वेच्छा से दिनांक 27.02.2026 को सायं काल से फर्म से रिटायर हो गए हैं। अब फर्म की किसी भी जिम्मेदारी के लिए वे उत्तरदायी नहीं होंगे। पते में परिवर्तन: फर्म का मुख्य व्यावसायिक स्थान दिनांक 27.02.2026 से उदयपुर से परिवर्तित होकर निम्न पते पर स्थानांतरित हो गया है: NewAddress: Raghuveera Villa, Near MLD College, Ajmer Road, Kekri, Rajasthan – 305404. यदि किसी व्यक्ति, बैंक या वित्तीय संस्था को इस पुनर्गठन या पते के परिवर्तन के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो वह इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 7 (सात) दिनों के भीतर जिला उद्योग केंद्र, उदयपुर/(राजस्थान) के कार्यालय में सूचित करें।

फर्म की ओर से:
M/s Shree Kanak Minchem
दिनांक: 05.02.2026

कॉलोनियों में अंडरपास नही होने से लोग हो रहे परेशान

उदयपुर, (का.स.) । उदयपुर शहर से डबोक की तरफ कॉलोनियों में जाने के लिए पूरा एरिया विकसित कर दिया गया लेकिन यहां आने के लिए हाईवे पर कोई अंडरपास नहीं दिया गया। इसके चलते एक दर्जन से ज्यादा कॉलोनियों के करीब 25 हजार लोग अंडरपास नहीं होने से परेशान हो रहे हैं। इतनी आबादी वाले इलाके को अंडरपास की जरूरत है, लेकिन आज तक उदयपुर विकास प्राधिकरण ने इसका प्लान नहीं बनाया।

कार्यालय ग्राम पंचायत लाखागुडा, पंचायत समिति भीम, जिला राजसमंद

क्रमांक: निविदा/ग्रा.पं.हा/2025-26/SPL-16 दिनांक:- 28.02.2026

ई-निविदा सूचना संख्या 03/2025-26

ग्राम पंचायत लाखागुडा में वित्तीय वर्ष 2025-26 में विभिन्न योजनाओं में स्वीकृत कार्यों/संकर्म हेतु ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया से सक्षम श्रेणी में पंजीकृत प्रतिष्ठानों/संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में आनलाइन निविदाये आमन्त्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित विस्तृत विवरण eproc.rajasthan.gov.in व sppp.rajasthan.gov.in से upload/download की व देखी जा सकती है।

NIB NO- ZRR2526A0660
UBN NO- ZRR2526WSRC01126

प्रशासक, ग्राम पंचायत लाखागुडा, पं. स. भीम (राजसमन्द)
ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत लाखागुडा, पं. स. भीम (राजसमन्द)

गैर नृत्यों की थाप पर ग्रामीण झुमें, होली का दहन

- धुलण्डी व ढूंढोत्सव के साथ मनाई गई होली

डूंगरपुर। सोमवार को देर रात्रि में होलिका दहन के साथ ही होली पर्व का शुभारंभ हुआ,जो कि धुलण्डी व ढूंढोत्सव के साथ धूमधाम के साथ मनाया गया। सोमवार को देर रात्रि को परम्परा के अनुसार जूना महल में वैदिक मंत्रोच्चारों के बीच होली प्रकुटाई गई इसके पश्चात विभिन्न मोहल्लों के युवा अंगारें लेकर अपने अपने मोहल्लों में होली दहन का कार्यक्रम प्रारंभ किया जहां पर महिलाओं ने होलीका माता की पूजा अर्चना की। इसके पश्चात नव विवाहिताओं व पहली होली मना रहे बच्चों को लेकर परिक्रमा की गई। इसके पश्चात घरों में ठंडाई वितरित की गई। वही दूसरी ओर जैन समाज के बालकों को मंदिरों में परिक्रमा करवाई गई। इससे पूर्व गाजे-बाजे के साथ महिलाएं मगल गीत गाती हुई मंदिर स्थल पर पहुंची मंगलवार को सूरज की पहली किरण के साथ ही नन्हें मुन्ने बालकों की टोलियां होली है,के नारों के साथ सडकों पर निकल गई तथा जैसे जैसे सूरज चढता गया युवा, महिलाएं, युवतियां व पुरूष अपनी अपनी टोलियों के साथ होली है के नारों को गुंजायमान करते हुए ढोल नगाडो की थाप के साथ एक दूसरे को गुलाल, अबीर, से सरोबार करते देखे गये व कई युवा व युवतियां पक्के रंगों से भी होली का आनंद ले रहे थे। इस दौरान न्यू कॉलोनी, हाउसींग बोर्ड, शास्त्री कॉलोनी, कंसारा चौक, सोनिया चौक, घुमटा बाजार, माणक चौक, सर्राफा बाजार, दर्जीवाडा, ,वखारियां चौक,घाटी, सलाटवाडा सुथारवाडा, भोईवाडा, मोची बाजार, में सभी ने जमकर होली का आनंद लिया। इसके पश्चात बुधवार को जिले भर में ढूंढोत्सव के कार्यक्रम आयोजित हुए। वही इस दौरान जगह-जगह पर ग्रामीण क्षेत्रों के अलावा शहरी क्षेत्रों में गैर नृत्यों का आयोजन हुआ। जहां परम्परागत ढोल की थाप पर घण्टों तक गैर का आयोजन हुआ। इस दौरान जिला पुलिस अधीक्षक ने जिले भर में कानून व्यवस्था बनाये रखने के लिए की गई व्यवस्था के कारण इस बार वाहन रोकने वाले व अन्य असामाजिक तत्वों पर इसका खासा प्रभाव पडा। जिसके चलते आम जन को यात्रा में कोई परेशानी नहीं हुई।

ब्रह्मस्थली कॉलोनी में होली की धूम:- फाल्गुन मास शुक्ल पक्ष पर आयोजित होली त्यौहार के अवसर पर ब्रह्मस्थली कॉलोनी स्थित सिद्धि विनायक मंदिर परिसर में मंदिर समिति ओर कॉलोनी निवासियों द्वारा होली उत्सव आयोजित किया गया। सोमवार प्रात:शुभ मुहूर्त में खड्डा कर पंडित गीतेश पंड्या के सानिध्य में विधिवत वैदिक विधि विधान से सेमल काष्ठ (होलिका) का पूजन कर स्थापित किया गया। उसके पश्चात अन्य लकडयों ओर कण्डों से होली निर्मित कर अबील गुलाल और रंगों से आकर्षक सज्जा की गई। पूरे दिन भर कॉलोनी ओर आस पास के क्षेत्र से ठंडी होली की पूजा करने आई महिलाओं द्वारा होली की पूजा की गई।

संध्या काल में शुभ मुहूर्त में समिति अध्यक्ष के साथ सभी ने पूजा कर आचार्य नरेश के साथ अग्नि प्रज्वलित कर होली दहन किया। इसके बाद गर्म होली पूजन वाली महिलाओं ने होली की पूजा की। नन्हे नवजात बच्चों की होली पर ढूंढ की गई। होली के गीतों के साथ भगवान गणेशजी की आरती कर प्रसाद वितरण किया। होली की सभी ने एक दूसरे को शुभकामना दी। इस अवसर पर पूनमचंद लबाना, ओम व्यास, सतीश शाह, प्रवीण श्रीमाल, नारायण पुरोहित, विशाल शर्मा, मदनसिंह, प्यारचंद चौबीसा, हेमंत शर्मा, दिनेश उपाध्याय, डॉ. अरुण पंड्या, विजय लक्ष्मी श्रीमाल,सुमित्रा चौबीसा, मीनाक्षी पंड्या, सरिता व्यास, शीला श्रीमाल, करुणा उपाध्याय, सिंपल शाह, अदिति सोनी, प्रियंका पंचाल सहित बडी संख्या मे मातृ शक्ति उपस्थित रही।

कार्यालय नगर परिषद निम्बाहेड़ा जिला - चित्तौड़गढ़ (राज.)

क्रमांक/नपनि/निर्माण/25-26/7799 दिनांक 04/03/2026

निविदा निरस्तीकरण आदेश

नगर परिषद निम्बाहेड़ा निर्माण शाखा द्वारा पत्र क्रमांक/न.प.नि./निर्माण/25-26 / 6725 दिनांक 12-01-2026 से जारी निविदा सूचना संख्या-ई-28/2025-26 आमन्त्रित की थी, जिसमे निविदा संख्या 2,3,4,5,7,8,10,12,13,15,16,18,20 22,23,24,27,28-29,30,31 जिनके यूबीएन नं. निम्मानुसार है इन निविदाओं को परीक्षण उपरान्त तकनीकी कारणो से तुरन्त प्रभाव से निरस्त/प्रत्याहारित किया जाता है

UNIQUE BID NUMBER

DLB2526WSRC3110, DLB2526WSRC31106, DLB2526WSRC31107 DLB2526WSRC31109, DLB2526WSRC31112 DLB2526WSRC31114, DLB2526WSRC31117, DLB2526WSRC31122, DLB2526WSRC31123, DLB2526WSOB31127 DLB2526WSOB31129, DLB2526WSRC31132, DLB2526WSRC31135, DLB2526WSOB31138, DLB2526WSOB31139 DLB2526WSRC31141, DLB2526WSRC31146, DLB2526WSRC31150, DLB2526GLRC31152, DLB2526WSRC31155 DLB2526WSRC31157

कौशल कुमार खटूमरा (आयुक्त) - नगर परिषद निम्बाहेड़ा

कार्यालय नगरपालिका नाथद्वारा, जिला-राजसमन्द (राज.)

Email: np_ntd@yahoo.in Phone:- 02953-233526

क्रमांक /न.पा.नाथ/उप.एकी./2026/18212 दिनांक : 20.2.2026

- : आपत्ती सूचना :-

एतर्थ द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नांकित व्यक्तियों द्वारा जरिये क्रय शुद्वा/पट्टा शुद्वा के आधार पर भूखण्डों का उपविभाजन/एकीकरण का स्वयं के नाम पर निम्नांकित वर्णित सम्पत्ति पर उपविभाजन/एकीकरण कराने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। उक्त आवेदन के संबंध में किसी भी हितधारी को कोई आपत्ती हो तो 7 दिवस (कार्य दिवस) में नगरपालिका कार्यालय में लिखित रूप से प्रस्तुत कर दें अन्यथा प्रकरण में कोई आपत्ती प्राप्त नहीं होने एवं दस्तावेज पूर्ण पाये जाने पर नियमानुसार कार्यवाही पूर्ण करते हुए उक्त प्रकरणों में आगामी कार्यवाही सम्पादित कर दी जायेगी।

क्र. सं.	आवेदक का नाम व पता	आवेदित सम्पत्ति का पता	पड़ौस का विवरण			
			पूर्व	पश्चिम	उत्तर	दक्षिण
1.	श्री दिनेश चपलोत एवं श्री मयंक जैन निवासी-नाथद्वारा	भूखण्ड संख्या- सी क्षैत्रफल- 1800 वर्गफिट, नाथद्वारा	श्रीमती सरोज देवी का का भूखण्ड	30 फिट रोड	भूखण्ड संख्या-बी	भूखण्ड श्री विजय कुमार

आयुक्त, नगरपालिका नाथद्वारा

कार्यालय ग्राम पंचायत बालातो की गुआर, पंचायत समिति भीम, जिला राजसमंद

क्रमांक: निविदा/ग्रा.पं.स/2025-26/SPL-10 दिनांक:- 28.03.2026

ई-निविदा सूचना संख्या 05/2025-26

ग्राम पंचायत बालातो की गुआर में वित्तीय वर्ष 2025-26 में विभिन्न योजनाओं में स्वीकृत कार्यों/संकर्म हेतु ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया से सक्षम श्रेणी में पंजीकृत प्रतिष्ठानों/संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में आनलाइन निविदाये आमन्त्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित विस्तृत विवरण eproc.rajasthan.gov.in वsppp.rajasthan.gov.in से upload/download की व देखी जा सकती है।

NIB NO- ZRR2526A0664
UBN NO- ZRR2526WSOB01130

प्रशासक, ग्राम पंचायत बालातो की गुआर, पं. स. भीम (राजसमन्द)
ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत बालातो की गुआर, पं. स. भीम (राजसमन्द)

बदमाशों ने होटल में घुसकर संचालक व साथियों पर फायरिंग की, एक की मौत, तीन घायल

'मामले में अब तक 10 लोगों को डिटेन किया गया है, जिसमें तीन नामजद आरोपी शामिल हैं'

होटल में हुई अंधाधुंध फायरिंग की वारदात सीसीटीवी में कैद हो गई। वहीं घटना की सूचना पर पुलिस के अधिकारी मौके पर पहुंचे।

- **वारदात के बाद अज्ञात शूटर मौके से फरार हो गए, सूचना पर पहुंची बीदासर थाना पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया, जयपुर रैफर**

बीदासर, (निसं)। होली के पर्व पर मध्य रात्रि को कस्बे के सीकर-नोखा स्टेट हाइवे 20 स्थित एक होटल पर बोलेरो कैम्पर में सवार होकर आये अज्ञात बदमाशों ने होटल में घुसकर रिसेप्शन काउंटर में खड़े होटल संचालक मुन्नीराम मंडा व उसके साथियों पर अंधाधुंध फायरिंग कर दी। वारदात के बाद अज्ञात शूटर मौके से फरार हो गए। सूचना पर पहुंची बीदासर थाना पुलिस ने फायरिंग से लहूलुहान अवस्था में घायल मुन्नीराम मंडा निवासी ढाणी कालेरान, भीखाराम खैरिया निवासी बोथीयासर, प्रभुराम भोभरिया निवासी दडीबा बीदासर, श्रवण कुमार निवासी ढाणी कालेरान को राजकीय टांटिया सीएचसी पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने चारों घायलों का प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर अवस्था में ऐंबुलेंस की सहायता से हाई सेंटर सुजानगढ़ रैफर कर दिया। वहीं सुजानगढ़ के बगड़िया अस्पताल पहुंचने पर घायल होटल संचालक मुन्नीराम मंडा को मृत घोषित कर शव को मोर्चरी में रखवा दिया तथा अन्य तीन घायलों को चिकित्सकों ने हाई सेंटर जयपुर रैफर कर दिया, जहां तीनों घायलों की हालत गंभीर बनी हुई है।

घटना की सूचना मिलते ही चूरू जिला पुलिस अधीक्षक जय यादव, सुजानगढ़ एएसपी दिनेश कुमार, बीदासर पुलिस उपाधीक्षक नेमीचंद चौधरी, बीदासर थानाधिकारी दिलीप सिंह, सुजानगढ़, छापर और सांडवा थाना अधिकारी सहित चूरू से एफएसएल टीम ने मौके पर पहुंचकर घटना स्थल का मौका मुआयना किया और मौके से साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने होटल परिसर को सीलबंद कर दिया व होटल और आसपास के सीसीटीवी कैमरों को खंगाला। वहीं पुलिस उप अधीक्षक कार्यालय में बुधवार की देर शाम जिला पुलिस अधीक्षक जय यादव ने प्रेसवार्ता कर बताया कि मामले में अब तक कुल 10 लोगों को डिटेन किया जा चूका है, जिसमें तीन नामजद आरोपी शामिल हैं। यादव ने कहा कि व्यापारिक प्रतिस्पर्धा के चलते मुन्नीराम मंडा की हत्या की गई है। पुलिस जल्द ही घटना में शामिल पूरें नेटवर्क का खुलासा करेगी। पूरे मामले की एसआईटी जांच कर रही है। मामले का जल्द ही खुलासा किया जाकर आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

वहीं एसपी जय यादव ने कहा कि घटना में शामिल नामजद आरोपी राजूराम नेहरा पुत्र रतनलाल जाट निवासी ढढेरू बीदासर व धन्नाराम ऊर्फ दानाराम पुत्र नेमाराम जाट निवासी मोमासर श्रीडूंगरगढ़ पर 25-25 हजार का ईनाम घोषित किया है।

मंगलवार की सुबह होटल संचालक मुन्नीराम मंडा की फायरिंग में मौत की सूचना जैसे ही आमजन में फैली तो परिजनों के साथ बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने नोखा-सीकर स्टेट हाइवे पर स्थित पहले तो होटल के आगे और फिर श्रीडूंगरगढ़ तिराहे पर बैठकर करीब तीन घंटे तक आरोपियों की गिरफ्तारी, मामले की जांच में एसआईटी का गठन करने, परिजनों और गवाहों की सुरक्षा मुहैया करवाने, परिजनों को आर्थिक सहायता प्रदान करने, मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवाने, परिवार के एक व्यक्ति को संविदा पर नौकरी देने सहित 6 सूत्रीय मांगों को लेकर हाइवे को जाम रखा। धरना स्थल पर पहुंचे सुजानगढ़ के अतिरिक्त जिला कलेक्टर संतोष मीणा, एएसपी दिनेश कुमार, एसडीएम अमीलाल यादव सहित अधिकारियों ने धरनार्थियों से वार्ता कर समझाइश की, जिस पर अधिकारियों ने सकारात्मक आश्वासन दिया।

वहीं फायरिंग की घटना को लेकर बीदासर पुलिस थाने में हत्या, हत्या के प्रयास, हत्या के षड्यंत्र, अवैध हथियारों से फायरिंग आदि को लेकर ढाणी कालेरान निवासी रामरतन पुत्र रूपाराम मंडा की रिपोर्ट पर ढढेरू निवासी देवीसिंह खैरिया, राजू नेहरा, धन्नाराम ढाणी कालेरान, सुभाष गोदारा, सदाम अली, हाकम अली, कमल खैरिया निवासी बीदासर और अन्य के खिलाफ नामजद मामला दर्ज हुआ है। रिपोर्ट में लिखा है कि इस जघन्य अपराध को अंजाम देने के षड्यंत्र में मुख्य रूप से देवी सिंह ढढेरू, सुभाष गोदारा, सदाम अली, हाकम अली एवं कमल खैरिया के साथ षड्यंत्र रचकर उक्त तीनों लोगों से होटल के अंदर फायरिंग करवाकर पूर्व नियोजित साजिश के तहत यह हत्या करवाई है।

बीकानेर में तापमान 37 डिग्री के पार पहुंचा

बीकानेर, (निसं)। यहां गर्मी ने समय से पहले ही असर दिखाना शुरू कर दिया है। अधिकतम तापमान 37.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से अधिक है। वहीं न्यूनतम तापमान भी 17 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया है। मार्च की शुरुआत में ही इस तरह की गर्मी ने आमजन की चिंता बढ़ा दी है। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार पिछले पांच दिनों से तापमान लगातार बढ़ोतरी की ओर है। ये बढ़ता ग्राफ ही चिंता का विषय है। 5 दिन पहले अधिकतम तापमान करीब 33 डि.से के आसपास था। इसके बाद बढ़ते हुए 34.5 डिग्री सेल्सियस, 35.2 डिग्री सेल्सियस और 36.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। अब पारा 37.1 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। इसी तरह न्यूनतम तापमान भी 13-14 डिग्री सेल्सियस से बढ़कर 17 डिग्री सेल्सियस के पार चला गया है। यानी दिन के साथ-साथ रातों की गर्माहट भी बढ़ रही है। समय से पहले बढ़ती गर्मी का असर साफ नजर आने लगा है।

मौसम विशेषज्ञों के अनुसार अगले कुछ दिनों में अधिकतम तापमान में और बढ़ोतरी हो सकती है। पश्चिमी हवाओं के प्रभाव और साफ आसमान के कारण दिन का तापमान तेजी से ऊपर जा रहा है। यदि बादलों या किसी पश्चिमी विक्षोभ का असर नहीं हुआ तो मार्च के पहले सप्ताह में ही पारा 38-39 डिग्री तक पहुंच सकता है। बीकानेर में इस बार गर्मी की शुरुआत तेज रही है। मार्च के शुरुआती दिनों में ही जून जैसी तपिश के संकेत मिल रहे हैं।

दो सूने मकानों में लाखों की नगदी व जेवर चोरी

अजमेर, (निसं)। जिले के गेगल और अलवर गेट थाना क्षेत्रों में चोरों ने दो सूने मकानों को निशाना बनाकर लाखों रुपये की नकदी और जेवरात चोरी कर लिए।

गेगल थाना क्षेत्र की जगदंबा कॉलोनी में पूनम दौलिया के मकान का ताला तोड़कर चोर 50 हजार रुपये नकद ले गए। पीड़िता अपने पिता के घर गई हुई थी। लौटने पर घर का सामान बिखरा मिला। चोर एक सूटकेस भी ले गए थे, जो कुछ दूरी पर खाली अवस्था में मिला। वहीं अलवर गेट थाना क्षेत्र के धोलाभाटा में रेलवे के सीनियर सेक्शन इंजीनियर कैलाश सोलंकी के घर से चोरों ने 9 लाख रुपये के सोने-चांदी के जेवरात और 80 हजार रुपये नकद पार कर दिए। परिवार के बाहर होने का फायदा उठाकर चोरों ने ताले तोड़े और अलमारी का लॉक खोल लिया। दोनों मामलों में पुलिस और एफएसएल टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए हैं। आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

सूरतगढ़ में दो नाबालिग लड़कियों का किडनैप

- **बताया जा रहा है कि नशीला पदार्थ सुंघाकर बाइक पर ले गए बदमाश**

सूरतगढ़, (निसं)। यहां सिटी थाना क्षेत्र में दो नाबालिग लड़कियों को कथित रूप से नशीला पदार्थ सुंघाकर किडनैप करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने प्रार्थना-पत्र के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस से मंगलवार देर शाम मिली जानकारी के अनुसार एक महिला ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। परिवाद में महिला ने बताया है कि 1 मार्च की रात वह अपने परिवार के साथ घर पर सो रही थी। इसी दौरान गुरप्रीत सिंह व अन्य कुछ लोग घर पहुंचे और कथित रूप से नशीली दवा सुंघाकर उसकी 16 वर्ष 4 माह की पुत्री और 17 वर्ष 9 माह की भांजी को उठाकर ले गए। रिपोर्ट में आरोप लगाया गया है कि आवाज सुनकर जब वह जागी और पीछे भागी तो आरोपी दोनों लड़कियों को बाइक के बीच में बैठाकर फरार हो गए। प्रार्थिया ने यह भी बताया कि आरोपित पूर्व में भी उन्हें धमकी दे चुके थे। 27 फरवरी को भी परिवार को नुकसान पहुंचाने की धमकी देने का आरोप लगाया गया है। परिजनों ने दोनों की काफी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। मामले में पुलिस ने नामजद आरोपी गुरप्रीत सिंह व अन्य पर मुकदमा दर्ज कर जांच हैड कॉन्स्टेबल हवासिंह को सौंपी है। पुलिस संभावित स्थानों पर दबिश दे रही है और मोबाइल नंबरों की भी जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपितों को गिफ्तार कर दोनों नाबालिगों को सकुशल बरामद करने का प्रयास किया जा रहा है।

ट्रक से 99 किलो डोडा-चूरा बरामद

भीलवाड़ा, (निसं)। पण्डेर थाना पुलिस और जिला विशेष टीम ने संयुक्त नाकाबंदी के दौरान एनएच 148डी पर कार्रवाई करते हुए एक ट्रक से करीब 99.520 किलोग्राम अवैध अफीम डोडा-चूरा बरामद किया है। मामले में पुलिस ने पंजाब निवासी ट्रक चालक को गिरफ्तार कर ट्रक को भी जब्त कर लिया है। वृताधिकारी (जहाजपुर) रेवडमल मौर्य के सुपरविजन में पण्डेर थानाधिकारी कमलेश के नेतृत्व में टीम ने नाकाबंदी शुरू की। शाहपुरा की तरफ से आ रहे एक ट्रक को संदिग्ध मानकर रुकवाया गया। तलाशी लेने पर ट्रक के अंदर से 4 काले कट्टे बरामद हुए, जिनमें भारी मात्रा में डोडा-चूरा भरा था। तौल करने पर मादक पदार्थ का कुल वजन 99.520 किलोग्राम पाया गया। पुलिस ने ट्रक चालक कर्णपाल उर्फ गगन सिंह (33) पुत्र जोगेन्द्र सिंह लौहार, निवासी जट्टा वाला बास नाबा (पटियाला, पंजाब) को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया।

चितौड़गढ़ का इनामी आरोपी जोधपुर से गिरफ्तार

जोधपुर, (कासं)। जिला जोधपुर ग्रामीण की स्पेशल टीम ने चितौड़गढ़ के पांच हजार के इनामी अपराधी को पकड़ा है। आरोपी चितौड़गढ़ में वांटेड चल रहा था। आरोपी पकड़े जाने के डर से बार बार ठिकाने बदल रहा था। जोधपुर ग्रामीण में होने की सूचना पर उसे पकड़ा जा सका। आरोपी को एक होटल पर रेड देकर पकड़ा गया।

पुलिस उप महानिरीक्षक और पुलिस अधीक्षक जोधपुर ग्रामीण नारायण टोगस ने बताया कि वांछित अपराधियों की धरपकड़ के लिये चलाये जा रहे विषेष अभियान के तहत जिला विशेष टीम जोधपुर ग्रामीण ने एनडीपीएस एक्ट पुलिस थाना राशमी जिला चित्तौड़गढ़ में वांछित अपराधी खेड़ापा के बिरसालू कलां निवासी दिनेश पुत्र शेराराम जाणी को पकड़ा गया। उस पर पांच हजार का इनाम चितौड़गढ़ पुलिस ने घोषित कर रखा था। उसे जोधपुर-नागौर स्थित एक होटल से पकड़ा गया। वह होटल में ठहरा हुआ था।

घर में खून से लथपथ महिला का शव मिला

- **बेटे ने अज्ञात लोगों पर मां की हत्या का आरोप लगाया**

डूंगरपुर, (निसं)। सदर थाना क्षेत्र के पाल देवल रेंटा फला में एक महिला की हत्या की वारदात सामने आई है। बताया जा रहा है कि सिर पर गंभीर चोंट लगी और शव खून से लथपथ पड़ा था। बेटा पहुंचा तो मां के शव को देखकर फूट फूटकर रोने लगा। बेटे ने मां की हत्या के आरोप लगाया है। वहीं, पुलिस ने भी हत्या के एंगल से जांच शुरू कर दी है।

सदर थानाधिकारी शैलेंद्र सिंह ने बताया कि रमेश परमार मीणा निवासी नया गांव दोवडा की ओर से रिपोर्ट दर्ज करवाई गई है। इसमें बताया कि सोमवार के दिन वह अपने घर पर था। दोपहर के समय डूंगरपुर निवासी उसके परिचित प्रेमदास वैष्णव का फोन आया। उसने बताया कि उसके घर में उसकी मां काली देवी का शव लहूलुहान अवस्था में पाल देवल रेंटा फला में पड़ा है। सूचना मिलते ही वह तुरंत घर पहुंचा। घर पहुंचने पर उसने देखा कि उसकी मां घर के अंदर खून से सनी हालत में पड़ी थी। आसपास काफी मात्रा में खून फैला हुआ था। बेटे रमेश ने बताया कि उसकी मां काली देवी की किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा हत्या कर दी गई है। घटना के समय घर में अन्य सदस्य मौजूद नहीं थे। उसके पहुंचने से पहले उसके मामा के लड़के सहित कुछ अन्य लोग मौके पर मौजूद थे।

घटना की सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए डूंगरपुर अस्पताल के मोर्चरी में रखवाया। घटना को लेकर पुलिस ने हत्या के एंगल से जांच शुरू कर दी है।

पुष्पेन्द्र भारद्वाज राजस्व मंत्रालयिक कर्मचारी संघ डीग के निर्विरोध जिला अध्यक्ष बने

साथी कर्मचारियों ने पुष्पेन्द्र भारद्वाज का साफा पहनाकर और पुष्पमालाओं से स्वागत किया।

डीग। नवगठित डीग जिले के प्रशासनिक और संगठनात्मक ढांचे में एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक अध्याय जुड़ गया है। जिला कलैक्टर कार्यालय, डीग में कार्यरत और कामां के मूल निवासी कार्मिक पुष्पेन्द्र भारद्वाज को राजस्थान राजस्व मंत्रालयिक कर्मचारी संघ जिला डीग के जिलाध्यक्ष पद पर निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया है।

गौरतलब है कि किसी भी कर्मचारी संगठन में निर्विरोध निर्वाचन उस व्यक्ति की सर्वमान्य स्वीकार्यता, उसकी कार्यशैली और नेतृत्व क्षमता पर संवर्ग के अटूट विश्वास का सबसे बड़ा प्रमाण होता है। भारद्वाज का यह निर्वाचन न केवल उनके प्रति कर्मचारियों के अगाध स्नेह को दर्शाता है, बल्कि यह सिद्ध करता है कि राजस्व संवर्ग अपने अधिकारों और कर्तव्यों के निर्वहन हेतु एक परिपक्व और दूरदर्शी नेतृत्व के हाथों में है। चुनाव परिणाम की औपचारिक घोषणा होते ही राजस्व विभाग और कलक्ट्रेट परिसर में हर्षोल्लास की लहर दौड़ गई। साथी कर्मचारियों और शुभचिंतकों ने भारद्वाज को भव्य साफा पहनाकर और पुष्पमालाओं से स्वागत किया। इस अवसर पर उपस्थित कार्मिकों ने उन्हें संगठन का सर्वोच्च दायित्व मिलने पर शुभकामनाएं दीं और उनके उज्ज्वल कार्यकाल की कामना की। अपने निर्वाचन के उपरांत, नव-निर्वाचित जिलाध्यक्ष ने सभी साथी कर्मचारियों और वरिष्ठ अधिकारियों का आभार व्यक्त किया। पुष्पेन्द्र भारद्वाज के नेतृत्व में डीग जिले का राजस्व मंत्रालयिक कर्मचारी संघ निश्चित ही नई ऊंचाइयों को छुएगा और एक आदर्श संगठनात्मक मॉडल प्रस्तुत करेगा।

सीकर में हॉस्टल से दो छात्र लापता

सीकर, (निसं)। सीकर में प्राइवेट स्कूल के दो छात्र लापता हो गए। चार दिन से उनका कुछ भी पता नहीं चल पाया है। दोनों लड़के हॉस्टल से बिना परमिशन निकले थे। पुलिस दोनों लड़कों की तलाश कर रही है। इस संबंध में स्कूल मैनेजमेंट के मेंबर ने पुलिस में शिकायत देकर बताया कि उनके हॉस्टल में एक 15 साल का और एक 17 साल का नाबालिग लड़का रहते थे। इनमें 15 साल का लड़का तो नौवीं और 17 साल का लड़का 11वीं कक्षा में पढ़ता था। दोनों लड़के 28 फरवरी को हॉस्टल से बिना परमिशन कहीं पर चले गए। जैसे ही स्टाफ को इस बात का पता लगा तो दोनों लड़कों की तलाश शुरू की गई, लेकिन दोनों का कुछ पता नहीं चल पाया। दोनों लड़कों का एड्रेस जयपुर का है। जब वहां पर मालूम किया गया तो पता चला कि दोनों लड़के वहां पर भी नहीं पहुंचे हैं।

सड़क हादसों में दो युवक घायल, एक की मौत

मसूदा, (निसं)। थाना क्षेत्र में अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में दो युवक घायल हो गए, जबकि एक युवक की मौत हो गई।

जानकारी अनुसार हालु का बाडिया निवासी सोहन और नयागांव निवासी मस्तान की बाइक आपस में भिड़ गई, जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें प्राथमिक उपचार के लिए उप जिला चिकित्सालय लाया गया, जहां से हालत गंभीर होने पर उच्च संस्थान के लिए रेफर कर दिया गया। दोनों का उपचार जारी है। वहीं बीती रात निकटवर्ती ग्राम दौलतपुरा निवासी कान सिंह की सड़क हादसे में मौत हो गई। मृतक के भाई रामदेव सिंह पुत्र जस्सा सिंह ने पुलिस को दी रिपोर्ट में बताया कि तीन मार्च को कान सिंह अपनी मोटरसाइकिल से जामोला से दौलतपुरा लौट रहे थे। उनके पीछे परिचित गंगाराम/सूरजमल भी मोटरसाइकिल से आ रहे थे। शाम करीब 5.30 से 6 बजे के बीच दौलतपुरा और जागोला के बीच एक कार चालक ने तेज गति और लापरवाही से वाहन चलाते हुए पीछे से मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। टक्कर से कान सिंह सड़क पर गिर गए। पीछे आ रहे गंगाराम ने तत्काल उन्हें संभाला और राहगीरों की सहायता से जामोला अस्पताल पहुंचाया, जहां से हालत गंभीर होने पर मसूदा अस्पताल रेफर किया गया। उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। रात्रि में शव को मोर्चरी में सुरक्षित रखवाया गया। बुधवार को पुलिस ने पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

अजमेर में ऑटो पार्ट्स की दुकान में आग लगी, लाखों का नुकसान हुआ

दुकान में खड़ी 25 से अधिक स्कूटी और बाइक जलकर राख हो गई

मौके पर पहुंचे दमकलकर्मियों ने आग बुझाने का प्रयास किया।

- **वाहनों की टंकियां फटने से धमाके होते रहे, जिससे इलाके में दहशत का माहौल बना रहा**
- **हाई वोल्टेज की समस्या से कई स्थानों पर शॉर्ट सर्किट हुआ, इसी दौरान संबंधित दुकान की वायरिंग में आग लग गई थी**

अजमेर, (निसं)। शहर के व्यस्ततम केसरगंज क्षेत्र स्थित बाजे वाली गली में मंगलवार दोपहर एक ऑटो पार्ट्स की दुकान में भीषण आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। आग इतनी विकराल थी कि दुकान में खड़ी 25 से अधिक स्कूटी और बाइक जलकर राख हो गई। वाहनों की टंकियां फटने से लगातार धमाके होते रहे, जिससे करीब आधे घंटे तक पूरे इलाके में दहशत का माहौल बना रहा।

जानकारी के अनुसार दोपहर करीब दो बजे क्षेत्र में हाई वोल्टेज की समस्या के चलते कई स्थानों पर शॉर्ट सर्किट हुआ। इसी दौरान संबंधित दुकान की वायरिंग में आग लग गई और देखते ही देखते लपटों ने पूरी दुकान को अपनी चपेट में ले लिया। सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग की दो गाड़ियां मौके पर पहुंची और लगभग एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। क्लॉक टावर थाना प्रभारी भीखाराम काला जाब्ते के साथ मौके पर पहुंचे और भीड़ को नियंत्रित किया। एहतियात के तौर पर आसपास के घरों को खाली कराया गया तथा क्षेत्र की विद्युत आपूर्ति करीब डेढ़ घंटे तक बंद रखी गई। आग की लपटें पास स्थित एक होम डेकोर की दुकान तक भी पहुंच गई। दुकान स्वामी दिलीप पारवानी ने करीब 4 लाख रुपये के नुकसान की जानकारी दी। गनीमत रही कि घटना के समय दुकान के अंदर कोई व्यक्ति मौजूद नहीं था, जिससे जनहानि टल गई। पुलिस और दमकल विभाग आग के कारणों की विस्तृत जांच कर रहे हैं।

कार शोरूम से 13.89 लाख की चोरी

अजमेर, (निसं)। सिविल लाइन थाना क्षेत्र के घूघरा घाटी स्थित एक कार शोरूम में दो नकाबपोश बदमाशों ने 13.89 लाख रुपये की चोरी की वारदात को अंजाम दिया। पूरी घटना शोरूम में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई।

एडमिन इंचार्ज शीशपाल यादव ने बताया कि मंगलवार सुबह सफाई कर्मचारी ने अकाउंट केबिन का दरवाजा खुला होने की सूचना दी। अंदर जाकर देखा तो सामान बिखरा पड़ा था तथा कैश काउंटर और तिजोरी खुली हुई थी। शोरूम मालिक और अकाउंटेंट को सूचना देने के साथ ही पुलिस को बुलाया गया। जांच में सामने आया कि बदमाश पिछली दीवार फांदकर अंदर घुसे, वर्कशॉप का कांच तोड़ा और औजारों की मदद से कैश काउंटर व तिजोरी खोलकर नकदी पार कर ली। सीसीटीवी फुटेज में दोनों आरोपियों के बीच रुपये बांटने को लेकर बहस और तकरार भी दिखाई दे रही है। पकड़े जाने के डर से दोनों ने हाथों में ग्लव्स पहन रखे थे। पुलिस को मामले में इनसाइडर की भूमिका का भी संदेह है, क्योंकि रात में वॉशिंग स्टाफ के एक कर्मचारी ने फोन कर लोकेशन पूछी थी। सिविल लाइन थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है और सीसीटीवी के आधार पर उनके रूट को ट्रेस किया जा रहा है।

मासूम बालक को अगवा करने का प्रयास : कोटा के महावीर नगर थाना इलाके में दो दिन पूर्व रात्रि में एक तीन वर्षीय मासूम बालक को अगवा करने के प्रयास का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार मामले में सामने आया कि घर के भीतर एक तीन वर्षीय मासूम बालक खेल रहा था उसी समय कोई अज्ञात व्यक्ति अंदर बालक के पास आया और उसको अगवा करने का प्रयास कर रहा था। तभी मकान के उपर रेलिंग से किसी ने शोर मचाया तो वह व्यक्ति वहां से भाग गया। घटना की सूचना पाकर पुलिस भी मौके पर पहुंची। घटना के बाद मौके पर काफी लोगों की भीड़ जमा हो गई। महावीर नगर थानाधिकारी भुपेन्द्र सिंह ने बताया कि इलाके के केशवपुरा सेक्टर 7 में एक बालक को अगवा करने के प्रयास की सूचना मिली थी, सूचना पाकर पुलिस टीम मौके पर पहुंची। मामले में सामने आया था कि अज्ञात व्यक्ति घर में घुसकर तीन साल के बच्चे को उठाकर ले जा रहा था, लेकिन खाना बना रही उसकी मां ने देख लिया और चिल्लाने पर वह व्यक्ति मौके से भाग गया।

कार्यालय अधिशाषी अभियंता,
जन स्वा. अभि. विभाग, जिला ग्रामीण खण्ड प्रथम, बीकानेर

Email ID - eerural.bik.phed@rajasthan.gov.in Contact No. 0151-2226473

क्रमांक 5222-5246 दिनांकः 27/2/26

बोली संशोधन सूचना

इस कार्यालय की ई-बोली संख्या 132/2025-26, जो दिनांक 27.02.2026 को 2.00 बजे तक ऑनलाईन भरी जाकर उसी कार्यदिवस को 4.00 बजे खोली जानी थी, को अपरिहार्य कारणवश दिनांक 09.03.2026 को 2.00 बजे तक ऑनलाईन भरी जाकर उसी कार्यदिवस में 4.00 बजे खोली जायेगी।

शेष निविदा व शर्ते यथावत रहेगी।

(रामप्रकाश मीणा)
अधिशाषी अभियन्ता
जन. स्वास्थ्य अभि. विभाग
जिला ग्रामीण खण्ड प्रथम, बीकानेर

DIPR/C/___/2026

कार्यालय अधिशाषी अभियंता, जन स्वा. अभि. विभाग,
नगर उ.वि एवं राजस्व खण्ड प्रथम, बीकानेर

क्रमांक :- 2641-2659 दिनांक :- 25.02.2026

ई-बोली सूचना संख्या :- 59-63/2025-26

राजस्थान के राज्यपाल की ओर से निम्न हस्ताक्षरकर्ता द्वारा जन स्वा. अभि. विभाग के पंजीकृत / सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य हेतु ई-टैण्डरिंग द्वारा बोली आमंत्रित की जाती है। यह बोली website "www.sppp.rajasthan.nic.in" पर देखी जा सकती है तथा बोली प्रपत्र "http:/eproc.rajasthan.gov.in" से दिनांक 25.02.2026 को सायं 06.00 बजे से दिनांक 16.03.2026 को सांय 06.00 बजे तक डाउनलोड किये जा सकते है तथा ऑनलाईन बिड डालने की अवधि दिनांक 16.03.2026 को सांय 06.00 बजे तक रहेगी, उक्त बोली दिनांक 17.03.2026 को सुबह 11.00 बजे ऑनलाईन खोली जावेगी।

Egrass (electronic government receipt accounting system web site https://egras.raj.nic.in) के माध्यम से बोली शुल्क बजट मद 0075-00-800-52-01, धरोहर राशि बजट मद 8443-00-108-00-00 जो कि "23616 - Executive Engineer, PHED, PDR City Dn Ist Bikaner" के नाम से एवं ई-टैण्डरिंग प्रक्रिया शुल्क बजट मद 8658-00-102-16-02 जो कि Managing Director, RISL Payable at Jaipur के नाम से एक ही चालान से जमा करवाना आवश्यक होगा। कुल 5 कार्य है जिसकी कुल लागत 87.00 लाख रूपये।

UBN is: PHE2526WSOB14855, PHE2526WSOB14856
PHE2526WSOB14857, PHE2526WSOB14858
PHE2526WSOB14859

(नितेश सागर)
अधिशाषी अभियंता
जन स्वास्थ्य अभियांत्रिक विभाग,
उ. वि एवं राजस्व खण्ड प्रथम, बीकानेर

DIPR/C/4447/2026

राजस्थान सरकार

निदेशालय खान एवं भूविज्ञान विभाग, राजस्थान, उदयपुर

क्रमांक निदे/अ.ख.अ. नीलामी / निलामी (ML 03)/2026/ई 14563

ई-नीलामी विज्ञप्ति

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान अप्रधान खनिज रियायत नियमावली, 2017 के अध्याय-।।। के तहत निम्नांकित प्लॉटो के आंवटन ई-नीलामी के माध्यम से किये जाने हेतु इलेक्ट्रोनिक प्लेटफार्म पर बोली आमंत्रित की जाती है। संक्षिप्त विवरण इस प्रकार हैः-

जिला	तहसील	राजस्व ग्राम	खनिज का नाम	कुल प्लॉट
बून्दी	बून्दी	गुवार	सैण्ड स्टोन	4
चित्तौडगढ	गंगरार	अमरपुरा	ग्रेनाईट, मेसेनरी स्टोन	17
डिडवाना-कुचामन	लाडनूं	बाकलिया	मेसेनरी स्टोन	7
जैसलमेर	जैसलमेर	हडडा	लाइमस्टोन (डाइमेन्सनल)	15
नागौर	रियाबड़ी	पिपलिया	ग्रेनाइट	6
चित्तौड़गढ़	भदेसर	सोमावास	चाइना क्ले, क्वार्टजाईट व मेसेनरी स्टोन	1
चित्तौड़गढ़	भदेसर	भीमलोद	चाइना क्ले, क्वार्टजाईट व मेसेनरी स्टोन	1
जोधपुर	औसिया	पाबूनगर	मेसेनरी स्टोन	21
बून्दी	तालेडा	पराना	सेण्डस्टोन एवं खंडा (मेसेनरी स्टोन)	3
बीकानेर	कोलायत	गोयलरी	बॉल क्ले, सिलिकासेण्ड, बजरी, कंकर, मुर्रम व ग्रेवल	1
नागौर	मूण्डवा	बूनरावता	मेसेनरी स्टोन	1
बाड़मेर	बाड़मेर	उण्डखा	मेसेनरी स्टोन	1
बून्दी	तालेड़ा	लाम्बाखोह	सैण्ड स्टोन	5
चित्तौडगढ	निम्बाहेड़ा	गढवाडा	मेसेनरी स्टोन (एम-सेण्ड हेतु)	1
झालावाड	अकलेरा	थुन्धलिया	मेसेनरी स्टोन	1
बून्दी	तालेडा	लाम्बाखोह	एम-सेण्ड के निर्माण हेतु ऑवरबर्डन डंप के परमिट	1
जालोर	भादराजून	बाकली व तोडमी	मेसेनरी स्टोन	3
चित्तौड़गढ़	भूपालसागर	जाशमा	मेसेनरी स्टोन	1
चित्तौडगढ	भूपालसागर	गुजरियाखेड़ा	मेसेनरी स्टोन	1
चित्तौड़गढ़	भूपालसागर	गुजरियाखेड़ा व जाशमा	मेसेनरी स्टोन	2
चित्तौड़गढ़	चित्तौड़गढ़	रामाखेड़ा	मेसेनरी स्टोन (एम-सेण्ड हेतु)	1
जैसलमेर	जैसलमेर	पारेवर	सिलिका सैण्ड	2
बून्दी	बून्दी	गुंवार	सैण्ड स्टोन	3
चूरू	बीदासर	बालेरा	मेसेनरी स्टोन	1
भरतपुर	भुसावर	घाटरी	मेसेनरी स्टोन	1
नागौर	मूण्डवा	पालड़ीव्यासा	मेसेनरी स्टोन	10
चित्तौडगढ	चित्तौडगढ	सिरोडी	चाइना क्ले व मेसेनरी स्टोन	4
कुल प्लॉट				115

विशेष नोट- 1. प्लॉटों का विस्तृत विवरण, अमानत राशि, बोली प्रस्तुत करने की तिथि व समय इत्यादि का विवरण, ई-ऑक्शन की शर्ते विभागीय वेबसाइट www.mines.rajasthan.gov.in एवं इलेक्ट्रोनिक प्लेटफार्म प्रदाता कंपनी MSTC Ltd की वेबसाइट www.mstcecommerce.com पर उपलब्ध है।

DIPR/C/4601/2026 (महावीर प्रसाद मीणा) निदेशक

अतिरिक्त मुख्य सचिव ने राजस्थान सम्पर्क हेल्पलाइन पहुंचकर की परिवादियों से बात

परिवेदनाओं के त्वरित निस्तारण के दिए निर्देश

अतिरिक्त मुख्य सचिव ने बुधवार को शासन सचिवालय स्थित राजस्थान सम्पर्क हेल्पलाइन (181) पहुंचकर परिवादियों से कॉल पर संवाद किया और उनकी समस्याएं जानी।

जयपुर, (निसं)। अतिरिक्त मुख्य सचिव, जल संसाधन, इन्दिरा गांधी नहर एवं सिंचित क्षेत्र विकास विभाग अभय कुमार ने बुधवार को शासन सचिवालय स्थित राजस्थान सम्पर्क हेल्पलाइन (181) पहुंचकर परिवादियों से कॉल पर संवाद किया और उनकी समस्याएं जानी। उन्होंने समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया।

कुमार ने विभागीय अधिकारियों के साथ प्रकरणों के निस्तारण की औसत अवधि, लंबे समय से लंबित मामलों, कम संतुष्टि प्राप्त श्रेणियों तथा जल संसाधन विभाग से संबंधित शिकायतों की विस्तृत एवं तथ्यात्मक समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक परिवादी की समस्या का त्वरित, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित किया जाए। अतिरिक्त मुख्य सचिव ने कहा कि सम्पर्क पोर्टल पर प्राप्त प्रकरणों के निस्तारण के लिए आवश्यक सुधारात्मक उपाय अपनाये जाएं।

उन्होंने विभागीय अधिकारियों को परिवादियों के साथ प्रभावी संवाद स्थापित करने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने जल संसाधन विभाग, इन्दिरा गांधी नहर एवं सिंचित क्षेत्र विकास विभाग से संबंधित विभिन्न शिकायतों के निस्तारण की प्रगति की वर्तमान स्थिति का भी मूल्यांकन किया। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशन में लोक शिकायतों के प्रभावी निस्तारण के उद्देश्य से सभी विभागों के प्रभारी सचिव 4 मार्च से 28 अप्रैल तक राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन पर निर्धारित तिथियों में स्वयं उपस्थित रहकर शिकायतकर्ताओं से सीधा संवाद स्थापित कर रहे हैं। इस पहल के माध्यम से प्रकरणों की सुनवाई, तथ्यात्मक समीक्षा तथा त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित किया जा रहा है।इस अवसर जल संसाधन विभाग, इन्दिरा गांधी नहर एवं सिंचित क्षेत्र विकास विभाग, प्रशासनिक सुधार एवं समन्वय विभाग तथा राजस्थान सम्पर्क हेल्पलाइन के अधिकारी मौजूद रहे।

जेजेएम घोटाला मामलें में आरोपियों की तलाश में 16 दिन से सर्च ऑपरेशन जारी

जयपुर, (निसं)। जल जीवन मिशन में हजारों करोड़ रुपये के कथित भ्रष्टाचार मामले में फरार चल रहे आरोपित सुबोध अग्रवाल व अन्य की गिरफ्तारी के लिए एसीबी का सर्च ऑपरेशन लगातार जारी है। 17 फरवरी 2026 से शुरू हुई पतारसी कार्रवाई को बुधवार तक 16 दिन पूरे हो चुके हैं। इस दौरान पुलिस की 40 विशेष टीमें विभिन्न राज्यों में लगातार दबिश दे रही हैं।

■ **21 शहरों में 100 से अधिक ठिकानों पर दबिश**

एसीबी पुलिस महानिदेशक गोविंद गुप्ता के अनुसार उप महानिरीक्षक पुलिस एवं पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, उप अधीक्षक पुलिस, पुलिस निरीक्षक व अन्य अधिकारियों की टीमें गठित कर आरोपियों की तलाश की जा रही है।

अब तक जयपुर, उदयपुर, बाड़मेर, जोधपुर, झालावाड़, कोटा, नागौर, विराटनगर, निवाई (टोंक), चंदवाजी-आमेर, गंगापुर सिटी सहित नई दिल्ली, चंडीगढ़, हरियाणा के फरीदाबाद व सोहना, उत्तर प्रदेश के नोएडा, मेरठ, प्रयागराज, बुलंदशहर, खुर्जा तथा मुंबई समेत करीब 21 शहरों में 100 से अधिक संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा चुकी है। इनमें आरोपियों के जयपुर स्थित सी-स्कीम, निर्माण नगर, मान्यावास, बजाज नगर विस्तार और सुंदर नगर स्थित आवास, आसपास के सिवाड़, बगरू व बिंदायका के फार्म हाउस, नई दिल्ली की न्यू मोती बाग व डिफेंस कॉलोनी, फरीदाबाद सेक्टर-39, नोएडा, सोहना के फार्म हाउस तथा मुंबई के मालाबार हिल और जुहू क्षेत्र में रिश्तेदारों के घर शामिल हैं।

पुलिस अब तक करीब 50 लोगों से पूछताछ कर चुकी है। इनमें आरोपियों के करीबी रिश्तेदार, मित्र, ड्राइवर, नौकर व संभावित रूप से आश्रय देने वाले व्यक्ति शामिल हैं। तकनीकी स्तर पर भी जांच तेज की गई है। पांच शहरों में आरोपियों व उनके परिचितों के ठिकानों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज का विश्लेषण कर सूचनाएं जुटाई जा रही हैं। इसी क्रम में दिल्ली, मुंबई, नोएडा, फरीदाबाद और मेरठ से चार व्यक्तियों-गौरव अग्रवाल, सौरभ अग्रवाल, समीर अग्रवाल तथा प्रणव चंद्रा-को पूछताछ के लिए लाया गया। पुलिस इनसे आरोपियों के संभावित ठिकानों व संपर्कों के बारे में जानकारी जुटा रही है। वहीं आरोपियों की गिरफ्तारी तक सघन सर्च ऑपरेशन जारी रहेगा और सहयोग देने वालों के खिलाफ भी नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

कचौड़ी की दुकान में भीषण आग

जयपुर। कोतवाली थाना इलाके स्थित फिल्म कॉलोनी में सोमवार दोपहर एक कचौड़ी और नमकीन की छोटी दुकान में अचानक आग लग गई। दुकान में रखे गैस सिलेंडर और गर्म तेल के कारण आग तेजी से भड़क उठी, जिससे आसपास अफरा-तफरी मच गई। एहतियातन आसपास की दुकानों को तुरंत बंद करा दिया गया।

थानाधिकारी राजेश गौतम ने बताया कि सूचना पर दमकल विभाग की एक गाड़ी मौके पर पहुंची और करीब आधे घंटे में आग पर पूरी तरह काबू पा लिया। समय रहते कार्रवाई होने से बड़ा हादसा टल गया। प्रारंभिक जांच में खाना बनाते समय गैस सिलेंडर की पाइप में लीकेज को आग लगने का कारण माना जा रहा है।

घटना के समय दुकान मालिक मदनलाल मीणा और कर्मचारी सत्यनारायण दुकान में मौजूद थे। आग की चपेट में आकर दुकान में रखा तेल व अन्य सामान जलकर खाक हो गया।

जेल में बंद रिटायर्ड चीफ इंजीनियर की पत्नी की मौत

जयपुर। खोह नागोरियान थाना इलाके में जल जीवन मिशन घोटाले में जेल में बंद रिटायर्ड तकनीकी चीफ इंजीनियर दिलीप कुमार गौड़ उर्फ डीके गौड़ की पत्नी की सोमवार सुबह 8वीं मंजिल से गिरने से मौत हो गई। घटना जगतपुरा स्थित वृंदा गार्डन अपार्टमेंट की है।

थानाधिकारी ओमप्रकाश मातवा ने बताया कि अपार्टमेंट में रहने वाली उर्मिला गौड़ (55) सोमवार सुबह करीब 7:15 बजे अपने फ्लैट की बालकनी में किसी काम से गई थीं। इसी दौरान संतुलन बिगड़ने पर वह 8वीं मंजिल से नीचे ग्राउंड फ्लोर पर गिर गईं।

जोरदार आवाज सुनकर अपार्टमेंट के लोग मौके पर पहुंचे तो वह लहूलुहान हालत में पड़ी तड़प रही थीं। लोगों ने तत्काल उन्हें जयपुरिया अस्पताल पहुंचाया, जहां उपचार के दौरान डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर खोह नागोरियान थाना पुलिस अस्पताल पहुंची और पोस्टमार्टम की कार्रवाई के बाद शव परिजनों को सौंप दिया।

डीजीपी से लेकर सिपाही तक सब एक रंग में रंगे

बुधवार शाम रिजर्व पुलिस लाइन जयपुर में उत्साह के साथ होली खेली।

जयपुर(निसं)। होली और धुलंडी पर लगातार दो दिन तक कानून-व्यवस्था संभालने के बाद राजस्थान पुलिस के अधिकारियों और जवानों ने बुधवार शाम रिजर्व पुलिस लाइन जयपुर में उत्साह के साथ होली मनाई। जहां डीजीपी से लेकर सिपाही तक सब एक रंग में रंगें नजर आए। जहांअधिकारी और कर्मचारी सभी ने जमकर होली खेली।

रंगों के इस आयोजन में पुलिस महानिदेशक राजीव शर्मा, डीजी संजय अग्रवाल और जयपुर पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल भी जवानों के बीच पहुंचे। वरिष्ठ अधिकारियों ने गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं और जवानों का उत्साह बढ़ाया।

लंबी ड्यूटी के बाद मिले इस अवसर पर पुलिसकर्मियों में खासा उत्साह दिखाई दिया। अधिकारियों और जवानों ने एक-दूसरे को रंग लगाकर त्योहार की खुशियां साझा कीं। वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा कि त्योहारों के दौरान पुलिसकर्मी अपने परिवार से दूर रहकर आमजन की सुरक्षा में तैनात रहते हैं। ऐसे आयोजन पुलिस परिवार में भाईचारा और उत्साह बढ़ाने का अवसर देते हैं। इससे पूर्व ज्योति नगर थाना परिसर में भी सुबह पुलिसकर्मियों ने हर्षोल्लास के साथ होली मनाई। थाना अधिकारियों और पुलिसकर्मियों ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर शुभकामनाएं दीं तथा डीजे की धुन पर थिरकते नजर आए। पुलिस मुख्यालय की ओर से निर्देश जारी किए गए थे कि स्थानीय कानून-व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए एसपी, रेंज आईजी और पुलिस आयुक्त अपने स्तर पर होली आयोजन का निर्णय लें। इसी के तहत जयपुर सहित विभिन्न जिलों में परिस्थितियों के अनुसार कार्यक्रम आयोजित किए गए।गौरतलब है कि पुलिस बल रविवार सुबह से लगातार ड्यूटी पर तैनात रहा। धुलंडी के दिन और उसके बाद भी शहर की सड़कों पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रही। आमतौर पर पुलिसकर्मी होली अगले दिन सुबह मनाते हैं,लेकिन इस बार दो दिन धुलंडी मनाए जाने के कारण आयोजन शाम को रखा गया।

युवक ने ट्रेन के आगे कूदकर दी जान

जयपुर। राजधानी के बिंदायका रेलवे स्टेशन पर मंगलवार की शाम एक 35 वर्षीय युवक ने ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलते ही कनकपुरा आरपीएफ, जीआरपी एवं बिंदायका थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लिया।पुलिस के अनुसार प्रारंभिक जांच में युवक द्वारा आत्महत्या किए जाने की बात सामने आई है। हालांकि मृतक की शिनाख्त के प्रयास जारी हैं। आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है तथा रेलवे स्टेशन परिसर के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

फर्जी फर्मो से बैंक लोन प्रकरण में सजा, जांच अधिकारी पर भी कार्रवाई के आदेश

जयपुर, 4 मार्च। सीबीआई मामलों के अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ने फर्जी फर्मो का गठन कर विजया बैंक से लोन लेने के 25 साल पुराने मामले में अभियुक्त आलोक कुमार अग्रवाल को सात साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने अभियुक्त पर पचास हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। प्रकरण में अदालत ने अभियुक्त के भाई अरुण अग्रवाल को दोषमुक्त कर दिया है। वहीं सुनवाई के दौरान अभियुक्त के पिता सांवरमल की मौत हो चुकी है।

पीठासीन अधिकारी जया अग्रवाल ने अपने आदेश में कहा कि जांच अधिकारी ने फर्जी फर्मो के खाता खोलने के प्रार्थना पत्र तक एकत्रित करने का प्रयास नहीं किया। जांच अधिकारी ने प्रार्थना पत्र व केवाईसी दस्तावेजों को जांच के दायरे से बाहर रखा, जबकि वह जानता था कि ये प्रार्थना पत्र ही मुख्य साक्ष्य होते हैं, जो बैंककर्मियों की मिलीभगत को उजागर करते हैं। ऐसे में सीबीआई निदेशक को निर्देश दिए जाते हैं कि वह प्रकरण के मुख्य अनुसंधान अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई करे। अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक अनिरुद्ध दाधीच ने बताया कि मामले में विजया बैंक, जयपुर में दस फर्मो के नाम से विजया बैंक में खाते खोले गए, जबकि इन फर्मो का कोई अस्तित्व ही नहीं था। इन खातों के जरिए विजया बैंक को करीब पांच करोड रुपए की हानि पहुंचाई गई थी। प्रकरण में गुप्त सूचना पर सीबीआई ने मामला दर्ज कर साल 2001 और साल 2002 में विशेष न्यायालय में आरोप पत्र पेश किया था।

उद्योगों में सुरक्षा संस्कृति अपनाना समय की जरूरत : उप मुख्यमंत्री

जयपुर, (निसं)। राजस्थान राज्य लोक प्रशासन संस्थान (एचसीएम-रीपा) में बुधवार को 55वां राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस राज्य स्तरीय समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने उद्योगों में सुरक्षा संस्कृति अपनाने को समय की आवश्यकता बताते हुए कहा कि सुरक्षित कार्यस्थल औद्योगिक विकास की आधारशिला है।

■ **राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस राज्य स्तरीय समारोह मनाया**

■ **15 औद्योगिक इकाइयों को कारखाना सुरक्षा पुरस्कार, सुरक्षा पुस्तिका का ई-विमोचन**

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत-2047 के विजन को साकार करने के लिए सुरक्षित और सुदृढ़ औद्योगिक वातावरण अत्यंत आवश्यक है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार उद्योगों में सुरक्षा मानकों को सुदृढ़ करने तथा श्रमिकों के लिए सुरक्षित कार्य वातावरण सुनिश्चित करने की दिशा में निरंतर प्रयास कर रही है।

डॉ. बैरवा ने कहा कि सुरक्षित कार्यस्थल न केवल श्रमिकों के जीवन की सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं, बल्कि उद्योगों की उत्पादकता बढ़ाने और देश के आर्थिक विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस का उद्देश्य उद्योगों और संस्थानों में कार्यरत लोगों के बीच सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा सुरक्षित कार्य संस्कृति को मजबूत करना है। उन्होंने औद्योगिक इकाइयों से आधुनिक तकनीकों, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सेंसर आधारित निगरानी और रीयल-टाइम मॉनिटरिंग जैसे उपायों को अपनाने का आव्हान किया।

उन्होंने कहा कि इन तकनीकों के माध्यम से संभावित खतरों की समय रहते पहचान कर दुर्घटनाओं की संभावना को कम किया जा सकता है और कार्यस्थलों पर सुरक्षा संस्कृति को और सुदृढ़ बनाया जा सकता है।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि औद्योगिक इकाइयों में सुरक्षा नियमों का कड़ाई से पालन, संभावित खतरों का समय रहते आकलन तथा आधुनिक तकनीकों का उपयोग दुर्घटनाओं की रोकथाम में अत्यंत सहायक है। उन्होंने उद्योगों से श्रमिकों और कर्मचारियों को नियमित सुरक्षा प्रशिक्षण देने और कार्यस्थलों को सुरक्षित बनाने पर विशेष ध्यान देने की अपील की।

इस अवसर पर उनके द्वारा सुरक्षा जागरूकता पर आधारित पुस्तिका का ई-विमोचन भी किया गया। कार्यक्रम में कारखाना सुरक्षा पुरस्कार योजना-2026 के अंतर्गत औद्योगिक सुरक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली इकाइयों को सम्मानित किया गया। इसके तहत वृहद, मध्यम और लघु श्रेणियों में चयनित कुल 15 औद्योगिक इकाइयों को कारखाना सुरक्षा पुरस्कार प्रदान किए गए।

सिटी पैलेस में पारम्परिक 'होलिका दहन' का आयोजन

जयपुर के सिटी पैलेस में सोमवार रात को पारम्परिक 'होलिका दहन' का आयोजन शाही शान-शौकत के साथ किया गया।

जयपुर, (निसं)। जयपुर के सिटी पैलेस में सोमवार रात को पारम्परिक 'होलिका दहन' का आयोजन शाही शान-शौकत के साथ किया गया। 'होलिका दहन' से पूर्व, जयपुर के हिज हाइनेस महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह ने 'पूजन' एवं 'हवन' अनुष्ठान सम्पन्न किया। इस अवसर पर राजमाता पद्मिनी देवी, उप मुख्यमंत्री और राजपरिवार की सदस्य, दिया कुमारी और प्रिंसेस गौरवी कुमारी भी उपस्थित रहीं।

समारोह में कई गणमान्य व्यक्ति और अतिथि सम्मिलित हुए। जयपुर में परंपरा के अनुसार, होलिका दहन के बाद स्थानीय लोग होली की पवित्र अग्नि को संबंधित कॉलोनियों में 'होलिका दहन' के लिए ले गए। उत्सव के दौरान लोक कलाकारों द्वारा चंग की शानदार प्रस्तुति दी गई।

मणिपाल यूनिवर्सिटी में क्रेन नुमा ढांचा गिरा, 20 छात्र घायल

जयपुर। बगरू थाना इलाके में स्थित मणिपाल यूनिवर्सिटी जयपुर में आयोजित होली उत्सव के दौरान बड़ा हादसा हो गया। कैंपस में डीजे और रेन डांस के बीच लगाया गया लोहे का स्क्वायर और क्रेन नुमा ढांचा अचानक गिर पड़ा। जिससे करीब 20 छात्र-छात्राएं घायल हो गए। घटना से परिसर में अफरा-तफरी मच गई। बगरु थाना प्रभारी राजेंद्र गोदारा ने बताया कि कैंपस में होली पार्टी चल रही थी। छात्र-छात्राएं डीजे की धुन पर रेन डांस कर रहे थे। इसी दौरान कार्यक्रम स्थल पर लगाया गया लोहे का स्क्वायर और क्रेन नुमा स्ट्रक्चर अचानक असंतुलित होकर गिर गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ढांचा गिरते ही मौके पर भगदड़ जैसे हालात बन गए और कई छात्र उसकी चपेट में आ गए। हादसे में घायल 20 छात्रों में से 17 को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि तीन छात्रों को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। चिकित्सकों के अनुसार घायलों को हल्की एवं मध्यम चोटे आई हैं ।

सार-समाचार

होली के हुड़दंग से खुशियों में खलल: 900 से अधिक मरीज पहुंचे अस्पताल

जयपुर(निसं)। रंगों के पर्व होली पर हुड़दंग और लापरवाही ने कई परिवारों की खुशियों में खलल डाल दिया। शहर में विभिन्न हादसों में 100 से अधिक लोग चोटिल हो गए। बीते 24 घंटे में एसएमएस अस्पताल जयपुर में मरीजों की संख्या में अचानक बढ़ोतरी दर्ज की गई। अस्पताल के ट्रोमा सेंटर में कुल 329 मरीज पहुंचे। जिनमें से 17 मरीज ऐसे थे जो होली खेलने के दौरान गंभीर रूप से घायल हुए। इनमें से 6 को भर्ती किया गया, जबकि शेष को प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया गया। मुख्य इमरजेंसी में इस दौरान 633 मरीज पहुंचे, जिनमें से 153 को भर्ती करना पड़ा। होली खेलने के बाद आंख (स्क्रीन), ईएनटी और नशे से संबंधित परेशानी लेकर 5 मरीज भी अस्पताल पहुंचे। धुलंडी के दिन भी ट्रोमा सेंटर में 9 मरीज आए, जिनमें से एक को भर्ती किया गया। चिकित्सकों के अनुसार अधिकांश मामलों में बाइक फिसलने, सड़क हादसे, झगड़े और नशे की हालत में गिरने से चोटें आईं। अस्पताल अधीक्षक डॉ. मृणाल जोशी और ट्रोमा प्रभारी डॉ. राजेन्द्र मांडिया ने हालात पर लगातार नजर बनाए रखी। अतिरिक्त स्टाफ की तैनाती कर उपचार व्यवस्था सुचारू रखी गई।

जवाहर सर्किल पुलिस ने 250 किलो मिलावटी पनीर जब्त कर किया नष्ट

जयपुर। होली और रमजान के बीच खाद्य पदार्थों में मिलावट पर सख्ती दिखाते हुए जवाहर सर्किल थाना पुलिस ने टीला नंबर-1 के पास एक डेयरी पर बड़ी कार्रवाई करते हुए 250 किलोग्राम संदिग्ध व मिलावटी पनीर की खेप जब्त की। पनीर अलवर के मेवात क्षेत्र से तैयार होकर जयपुर लाया गया था। पुलिस के अनुसार 2 मार्च की रात पीसीआर टीम गश्त पर थी। इसी दौरान टीला नंबर-1 के पास राधे बेकर्स के बाहर एक बाहरी नंबर की पिकअप गाड़ी खड़ी दिखाई दी। पुलिस वाहन को देखकर वहां मौजूद एक व्यक्ति मौके से फरार हो गया। उसके भागने पर पुलिस को संदेह हुआ और पिकअप की तलाशी ली गई। जांच के दौरान वाहन में रखे कंटेनरों में बड़ी मात्रा में पनीर भरा मिला। कंटेनर खोलते ही पनीर से तेज और अजीब बदबू आ रही थी, जिससे उसके मिलावटी होने की आशंका गहरा गई। इसके बाद पुलिस ने तुरंत जिला कलेक्ट्रेट कंट्रोल रूम को सूचना दी और सीएमएचओ जयपुर की फूड सेफ्टी टीम को मौके पर बुलाया। फूड सेफ्टी टीम अधिकारी विशाल मित्तल के नेतृत्व में मौके पर पहुंची। टीम ने पनीर के नमूने लेकर जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे। प्रारंभिक जांच में पनीर को मिलावटी मानते हुए पूरी खेप को नष्ट करने के निर्देश दिए गए। पुलिस और फूड सेफ्टी टीम की निगरानी में करीब 250 किलोग्राम पनीर को ईदगाह के पास स्थित नाले में डालकर नष्ट कर दिया गया। पुलिस ने पिकअप वाहन को जब्त कर लिया है और फरार व्यक्ति की तलाश की जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि त्योहारों के मद्देनजर खाद्य पदार्थों में मिलावट करने वालों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

फ्लाइट क्रू से दुर्व्यवहार करने वाला यात्री गिरफ्तार

जयपुर। मुंबई से जयपुर आ रही स्पाइसजेट की फ्लाइट में एक यात्री द्वारा सिगरेट पीने की कोशिश और क्रू मेंबर्स से अभद्रता का मामला सामने आया है। जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर लैंडिंग के बाद पुलिस ने आरोपी यात्री को हिरासत में ले लिया। क्रू मेंबर ने उसके खिलाफ एयरपोर्ट थाने में लिखित शिकायत दी है। जानकारी के अनुसार मामला मंगलवार सुबह फ्लाइट एसजी-920 का है। फ्लाइट ने सुबह 9:30 बजे मुंबई से जयपुर के लिए उड़ान भरी थी। टेकऑफ के तुरंत बाद एक यात्री ने विमान के भीतर सिगरेट जलाने की कोशिश की। क्रू मेंबर्स ने उसे नियमों की जानकारी देते हुए रोका तो वह भड़क गया और हंगामा करने लगा। आरोप है कि उसने क्रू मेंबर के साथ दुर्व्यवहार करते हुए आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किया। क्रू ने स्थिति को संभालते हुए अन्य यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित की। फ्लाइट सुबह करीब 11:35 बजे जयपुर एयरपोर्ट पर पहुंची, लेकिन यहां भी यात्री का हंगामा जारी रहा। अराइवल एरिया में भी उसने अभद्र व्यवहार किया। मौके पर मौजूद सुरक्षाकर्मियों ने उसे समझाने का प्रयास किया, लेकिन वह नहीं माना। इसके बाद एयरलाइन स्टाफ ने पूरे घटनाक्रम की सूचना स्थानीय पुलिस को दी। एयरपोर्ट थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी यात्री को हिरासत में ले लिया।

आईटीबी बर्लिन में राजस्थान पर्यटन का सशक्त आगाज़

राजस्थान पर्यटन विभाग के स्टैंड 200 का विधिवत उद्घाटन पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत तथा जर्मनी में भारत के राजदूत अजीत गुप्ते द्वारा संयुक्त रूप से फीता काटकर किया गया।

जयपुर/बर्लिन, (निसं)। जर्मनी की राजधानी बर्लिन शहर में विश्व के सबसे बड़े पर्यटन व्यापार मेले आईटीबी बर्लिन का मंगलवार को उद्घाटन हुआ।

इस अवसर पर हॉल 5.2 में राजस्थान पर्यटन विभाग के स्टैंड 200 का विधिवत उद्घाटन भारत सरकार के पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत तथा जर्मनी में भारत के राजदूत अजीत गुप्ते द्वारा संयुक्त रूप से फीता काटकर किया गया।

■ **वैश्विक मंच पर विरासत, स्थापत्य और सतत पर्यटन मॉडल की हुई प्रभावी प्रस्तुति**

भारत सरकार के पर्यटन मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने राजस्थान पर्यटन पवेलियन में राजस्थान फिल्म पर्यटन प्रोत्साहन नीति-2025 को भी इस अवसर पर शोकेस किया।

उद्घाटन समारोह में राजस्थान पर्यटन विभाग की आयुक्त रूकमणी रियाड़, अतिरिक्त निदेशक पवन कुमार जैन एवं संयुक्त निदेशक डॉ. पुनीता सिंह उपस्थित रहे। साथ ही राजस्थान के स्टॉक होल्डर में , ट्रूली इंडिया पैलेस ओन व्हील्स,अल्केमी टू वोयाज प्राइवेट लिमिटेड एवं इंटरएक्टिव टूर्स टू इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के प्रतिनिधि उपस्थित थे। राजस्थान पर्यटन विभाग की टीम का नेतृत्व कर रही आयुक्त श्रीमती रुक्मणी रियाड़ ने इस अवसर पर राजस्थान फाउंडेशन जर्मनी के अध्यक्ष श्री हरगोविंद सिंह राणा से राजस्थान पर्यटन को बढ़ावा देने की चर्चा की। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों, टूर संचालकों एवं आगंतुकों का राजस्थान पवेलियन में स्वागत किया एवं राजस्थान पर्यटन के नवाचारों के बारे में जानकारी दी। राजस्थान मंडप अपनी सांस्कृतिक भव्यता, स्थापत्य सौंदर्य और नवाचारपूर्ण प्रस्तुति के कारण विशेष आकर्षण का केंद्र बना रहा। आईटीबी बर्लिन का आयोजन 3 से 5 मार्च तक होगा जिसमें भारत के अन्य राज्यों के साथ ही राजस्थान पर्यटन विभाग भी राजस्थान में विदेशी पर्यटकों की संख्या में वृद्धि करने के लिए विभिन्न पर्यटन आकर्षणों को शो केस कर रहा है।

मुख्यमंत्री निवास पर होलिका दहन

सिविल लाइन्स स्थित मुख्यमंत्री निवास पर होली पूजन कर प्रदेशवासियों की खुशहाली एवं समृद्धि की कामना की।

जयपुर, (निसं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार मध्यरात्रि के पश्चात सिविल लाइन्स स्थित मुख्यमंत्री निवास पर होली पूजन कर प्रदेशवासियों की खुशहाली एवं समृद्धि की कामना की। शर्मा ने यहां राज राजेश्वरी मंदिर प्रागंण में विधिवत् रूप से होली पूजन किया।

■ **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने की प्रदेश में सुख-समृद्धि की कामना**

इसके बाद मंत्रोच्चार के बीच होलिका दहन किया गया।इस दौरान राजस्थान पुलिस की आरएसी बटालियन के जवानों ने चंग की थाप पर होली के गीत और नृत्य प्रस्तुत किए। मुख्यमंत्री ने जवानों से मिलकर उनकी हौसला अफजाई की।होलिका दहन कार्यक्रम में मुख्यमंत्री कार्यालय के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

"अंतर्राष्ट्रीय पुष्कर होली महोत्सव" में देश-विदेश से पर्यटक पहुंचे

मेला मैदान और वराह घाट चौक पर देशी और विदेशी पर्यटक रंगों में सराबोर नजर आए

पुष्कर, (निसं)। धार्मिक नगरी पुष्कर में होली-धुलंडी महोत्सव बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त पुष्कर होली महोत्सव में भाग लेने के लिए देश-विदेश से बड़ी संख्या में पर्यटक पहुंचे, जिससे पूरे शहर में उत्सवी माहौल बना रहा। मेला मैदान और वराह घाट चौक पर देशी और विदेशी पर्यटक रंगों में सराबोर नजर आए। पुष्कर नगर परिषद की ओर से मेला मैदान में डीजे साउंड के साथ सामूहिक धुलंडी कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पर्यटकों ने जमकर रंग-गुलाल उड़ाया और संगीत की धुनों पर थिरकते हुए होली का आनंद लिया। वहीं वराह घाट चौक पर लबेला होली मंडल की ओर से ढोलकी की धुनों पर पारंपरिक होली का आयोजन किया गया, जिसमें पर्यटकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

पर्यटकों ने जमकर रंग-गुलाल उड़ाया और संगीत की धुनों पर थिरकते हुए आनंद लिया।

होली महोत्सव के दौरान पर्यटकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो और अप्रिय घटनाओं की रोकथाम के लिए अजमेर जिला पुलिस अधीक्षक वंदिता राणा के निर्देशन में डिप्टी रामचंद्र चौधरी और विक्रम सिंह राठौड़ के नेतृत्व में भारी पुलिस जाब्ता तैनात किया गया। सुरक्षा के कड़े प्रबंधों के बीच पुष्कर में धुलंडी का पर्व शांतिपूर्ण और उल्लासपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

फ्रांस से आए पर्यटक दामिया ने बताया कि यह उनकी पहली होली है और उन्होंने इस रंगोत्सव का भरपूर आनंद लिया। उन्होंने कहा कि भारत की रंगों से भरी यह परंपरा अत्यंत अनोखी और ऊर्जा से भर देने वाली है। इजरायल निवासी पर्यटक शिवानी ने कहा कि यह उनकी पुष्कर में दूसरी होली है। पिछली बार की तरह इस बार भी उन्होंने मित्रों के साथ रंग और गुलाल लगाकर पर्व का आनंद लिया। विदेशी पर्यटकों ने भारतीय लोक संगीत, नृत्य और पारंपरिक उत्सव शैली की खुलकर प्रशंसा की।

कार्यक्रम के दौरान युवाओं में खासा उत्साह देखने को मिला। रंगों की मस्ती में कुछ युवक एक-दूसरे के कपड़े फाड़कर हवा में लहराते नजर आए, हालांकि समग्र रूप से माहौल उत्सवी और नियंत्रित बना रहा। किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन की ओर से व्यापक सुरक्षा इंतजाम किए गए थे। मेला मैदान और आसपास के क्षेत्रों में पर्याप्त पुलिस बल तैनात रहा। प्रशासनिक अधिकारियों ने मौके पर मौजूद रहकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया, जिससे आयोजन शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित तरीके से संपन्न हुआ।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बना चुका पुष्कर होली महोत्सव हर वर्ष देश-विदेश के पर्यटकों को आकर्षित करता है। रंगों, संगीत और सांस्कृतिक समन्वय का यह उत्सव राजस्थान की लोक संस्कृति को वैश्विक मंच पर स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इस वर्ष भी आयोजन ने पर्यटन को नई ऊर्जा देने के साथ ही सांस्कृतिक एकता और भाईचारे का संदेश दिया।

सांवलिया सेठ के दरबार में "फूलडोल महोत्सव" मनाया

श्री सांवलिया जी सेठ मंडफिया के दरबार में भक्तों ने फागोत्सव में जमकर रंग गुलाल उड़ाया मनाया।

- **महोत्सव पर भगवान श्री सांवरिया जी सेठ के संग भक्तों ने फागोत्सव मनाया**
- **होली पर्व पर भगवान श्री सांवलिया जी सेठ का 45 दिन का भंडार खोला गया**

मंडफिया, (निसं)। मेवाड़ अंचल के प्रमुख तीर्थ स्थल भगवान श्री सांवलिया जी सेठ मंडफिया के दरबार में बुधवार को फूलडोल महोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। पर्व की व्यवस्था मंदिर बोर्ड अध्यक्ष हजारीदास वैष्णव एवं मंदिर की मुख्य निष्पादन अधिकारी प्रभा गौतम के दिशा निर्देश में की गई। इससे पहले सोमवार को होली पर्व पर भगवान श्री सांवलिया जी सेठ का 45 दिन का विशाल भंडार खोला गया। भंडार से 10 करोड़ 65 लाख रुपए नगद प्राप्त हुए।

बुधवार को आयोजित फूलडोल महोत्सव पर भगवान श्री सांवरिया जी सेठ के संग भक्तों ने फागोत्सव मनाया। दोपहर 12 बजे भगवान बाल गोपाल की पूजा अर्चना कर बैवाण में विराजित कर मंदिर परिसर से विशाल बैवाण यात्रा निकाली गई। विशाल बैवाण यात्रा में भक्तजन भगवान के चंवर ढुलाते, गुलाल-अबीर व गुलाब के फूलों की वर्षा करते हुए बैंड बाजे की मधुर धूनों पर नाचते गाते हुए चल रहे थे। इस मौके पर बैवाण यात्रा की सड़के रंग बिरंगी गुलाल से तर-बतर हो गई। सर्वत्र वातावरण कृष्ण भक्ति में ओत-प्रोत हो गया। विशाल बैवाण यात्रा सांय 5 बजे मंदिर परिसर में पहुंच कर संपन्न हुई। मंदिर में रात्रि को भगवान की विशेष पूजा-अर्चना कर फीकी मीठी पकौड़ी का भोग लगाया गया एवं भक्तों को प्रसाद वितरण किया गया।

भुसावर में बैण्ड-बाजों के संग निकाली बिना दुल्हन के बारात

- **लोगों ने 250 वर्षों से चली आ रही परम्परा का निर्वाहन किया**

भुसावर/भरतपुर, (निसं)। रंगों का त्योहार होली पर्व भुसावर कस्बे सहित उपखण्ड क्षेत्र के विभिन्न ग्रामीण अंचलों में प्रेम, सौहार्द और आपसी भाईचारा के साथ मनाया गया, जहां इस होली पर्व के पावन अवसर पर लोग सुबह से ही रंगों में सरोबर नजर आए, वहीं बच्चों और युवाओं की टोलियों ने एक दूसरे को गुलाल लगाकर होली पर्व की बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए फागोत्सव की मस्ती में नजर आए। वहीं पुलिस व्यवस्था भी चप्पे-चप्पे पर माकूल नज़र आई।

वहीं दूसरी ओर कस्बे में मंगलवार को 250 वर्षों से चली आ रही परम्परा का निर्वहन करते हुए एक युवक को खिरकारी भगतराज से होली का दुल्हा बनाकर ऊंट पर बैठाकर बैण्ड-बाजों के साथ कस्बे के विभिन्न मार्गों से होकर बारात निकाली गई। होली की बारात में रंग-बिरंगे पुते चेहरे के बाराती हाथों में गुलाल, अबीर उड़ाते हुए बैण्ड बाजे पर बज रहे गीतों पर नृत्य करते हुए जयघोष लगाकर चल रहे थे। जहां कस्बेवासियों ने अपने घरों की छत पर चढ़कर गुलाल एवं रंग डालते हुए होली की बारात का स्वागत किया।

भुसावर कस्बे में अनोखी इस होली की बारात कस्बे के जैन गली स्थित जैन मन्दिर प्रांगण पहुंची जहां होली का दुल्हा बने युवक ने तोरण मारकर रस्म अदा की गई। वहीं शगुन के तौर पर होली का दुल्हा बने युवक की पदवेशों से पिटाई की गई और अगले वर्ष मिलने की कहकर अपने अपने घर को विदा हो गए। वहीं दूसरी ओर बुजुर्ग कुन्जबिहारी शर्मा, टिल्लाराम पंजाबी, पण्डित राघवेन्द्र शर्मा, कपिल शर्मा ने बताया कि होली के दुल्हा बने युवक को गन्धर्व पर सवार होकर जैन मन्दिर लाया जाता था, लेकिन गन्धर्व की कमी होने के कारण अब ऊंट पर बैठाकर लाया जाता है। वहीं किदवंती है कि जिस युवक की शादी नहीं हो रही है और कोई व्यवधान, अड़चनें उत्पन्न हो रही है उसे गणमान्य नागरिकों और सर्वसहमति से होली का दुल्हा बनाया जाता है जिससे उसकी शादी अगले साल (वर्ष) तक हो जाती है।

डूंगरपुर के भीलूड़ा गांव में पत्थर मार होली खेली, 31 घायल

जबरदस्त पत्थरबाजी के साथ सदियों पुरानी परंपरा निभाई

- **यह अनूठी परंपरा होली पर निभाई, जिसमें रंगों की बजाय पत्थरों की बारिश हुई**

डूंगरपुर, (निसं)। जिले के आदिवासी बहुल भीलूड़ा गांव में सदियों पुरानी पत्थर मार होली के दौरान 31 लोग घायल हो गए। इन सभी घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह अनूठी परंपरा होली के पर्व पर निभाई गई, जिसमें रंगों की बजाय पत्थरों की बारिश हुई।

होली के खास मौके पर भीलूड़ा गांव के रघुनाथजी मंदिर के पास दर्जनों गांवों के ग्रामीण एकत्रित हुए। ढोल-कुंडी की थाप पर थिरकते हुए ग्रामीणों ने परंपरागत गैर नृत्य किया और मंदिर में दर्शन किए। इसके बाद ग्रामीण मंदिर के पास स्थित खुले मैदान में पहुंचे, जहां वे दो गुटों में बंट गए। होली की चीत्कार के साथ ही दोनों पक्षों की ओर से एक-दूसरे पर पत्थर बरसाने का सिलसिला शुरू हो गया। कुछ लोग हाथों से पत्थर फेंक रहे थे, जबकि कुछ गोफन का इस्तेमाल कर दूर तक वार कर रहे थे। इस दौरान कई ग्रामीण सिर, हाथ और पैरों पर पत्थर लगने से लहूलुहान हो गए। मौके पर मौजूद अन्य ग्रामीणों ने तुरंत घायलों को संभाला और अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों और नर्सिंग स्टाफ की टीम ने देर शाम तक सभी 31 घायलों का उपचार किया। इस खतरनाक खेल के पीछे ग्रामीणों की गहरी धार्मिक मान्यता जुड़ी है। स्थानीय लोगों का मानना है कि इस परंपरा के दौरान जमीन पर गिरने वाली खून की बूंदें गांव के लिए शुभ संकेत होती हैं। मान्यता है कि रक्त गिरने से पूरे वर्ष गांव पर कोई विपदा नहीं आती और सुख-समृद्धि बनी रहती है।

गाडरी समाज ने अफीम और डोडा परोसने की परंपरा खत्म करने का निर्णय लिया

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले में गाडरी समाज ने कुरीतियों के खिलाफ एक ऐसी मशाल जलाई है, जो पूरे प्रदेश के लिए नजीर पेश कर रही है। अफीम मुक्त सामाजिक कार्यक्रम के तहत समाज ने सदियों से चली आ रही अफीम और डोडा परोसने की घातक परंपरा को जड़ से खत्म करने का ऐतिहासिक फैसला लिया है।

समाज के दूरदर्शी नेताओं और सक्रिय कमेटियों के नेतृत्व में एक विशाल हस्ताक्षर और सहमति पत्र अभियान चलाया जा रहा है। अब समाज के किसी भी आयोजन-चाहे वह विवाह हो, मृत्युभोज (कारज), रसोई हो या गमी के 12 दिन-अफीम का सेवन और वितरण पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। संकल्प पत्र का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ समाज और प्रशासन मिलकर कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे। इस क्रांति को भीलवाड़ा एसपी धर्मेंद्र सिंह यादव का सीधा और सक्रिय समर्थन प्राप्त है। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि समाज सुधार की इस मुहिम में बाधा डालने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। दर्जनों कमेटियां गांव-गांव जाकर लोगों को इस जहर से दूर रहने के लिए प्रेरित कर रही हैं। इस महाभियान को सफल बनाने में कई समितियों का विशेष योगदान है जिनमें कोठाज श्याम सेवा समिति, झरना महादेव गाडरी समाज सेवा समिति, हरनी महादेव गाडरी समाज कमेटी, कोटड़ी श्याम सेवा समिति, सिंगोली चारभुजानाथ सेवा समिति है।

मुहिम से नशों पर होने वाले लाखों रुपयों के फिजूलखर्च पर लगाम लगेगी, समाज के युवाओं को नशे की लत से बचाकर प्रगतिशील भारत की मुख्यधारा से जोड़ना, सामाजिक एकता: एकजुट होकर कुप्रथाओं को समाप्त करने से आपसी भाईचारा और मजबूत होगा।

कार में मिला 68 किलो अवैध डोडा-पोस्त, तस्कर गिरफ्तार

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर ग्रामीण की स्पेशल टीम और खेड़ापा पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए एक स्वीफ्ट कार से अवैध डोडा-पोस्त को बरामद कर तस्कर को एनडीपीएस एक्ट में गिरफ्तार किया है। कार से पुलिस ने 3 प्लास्टिक के कट्टों में भरा 68.790 किलोग्राम अवैध डोडा- पोस्त बरामद किया है।

पुलिस उप महानिरीक्षक एवं पुलिस अधीक्षक ग्रामीण नारायण टोगस ने बताया कि अवैध मादक पदार्थ की तस्करी की रोकथाम के लिए डीएसटी व पुलिस थाना खेड़ापा की संयुक्त कार्रवाई करते हुए में स्वीफ्ट कार में प्लास्टिक के कट्टों में भरा 68.790 किलोग्राम अवैध डोडा-पोस्त जब्त किया। एसपी नारायण टोगस ने बताया कि एरिया डोमिनेशन अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। डीएसटी प्रभारी श्रवण कुमार को सूचना मिलने पर जोधपुर-नागौर हाइवे पर नाकाबंदी की गई। इस पर संदिग्ध स्वीफ्ट कार को रूकवाया गया। कार की तलाशी लिए जाने पर अवैध डोडा- पोस्त मिला। पुलिस ने जाखण निवासी बुधाराम जाट को गिरफ्तार किया है। जिला विशेष टीम ने तेजी से पीछा करते हुए सरहद बावड़ी में नागौर-जोधपुर हाइवे पर स्थित वीर तेजा होटल व रेस्टोरेंट के सामने कार के आगे सरकारी वाहन लगाकर कार को रोककर घेराबंदी कर पकड़ा जा सका।

शातिर चोर ने बैंक से ग्राहक का नकदी से भरा बैग पार किया : भीलवाड़ा के कोटड़ी कस्बे में स्थित भारतीय स्टेट बैंक की शाखा में सोमवार को दिनदहाड़े चोरी की वारदात सामने आई है। एक अज्ञात शातिर चोर ने बैंक के भीतर से एक ग्राहक का नकदी से भरा बैग पार कर दिया। बैग में करीब 90 हजार रुपये नकद और कुछ जरूरी दस्तावेजों की फोटोकॉपी रखी थी। पूरी वारदात बैंक में लगे सीसीटीवी में कैद हो गई है। पीड़ित मदनलाल गुर्जर दोपहर करीब 12:30 बजे बैंक में कैश जमा कराने पहुंचे थे। मदनलाल जब काउंटर के पास खड़े होकर जमा पर्ची भर रहे थे, तब उन्होंने रुपयों से भरा थैला अपने पास ही रखा हुआ था। इसी दौरान वहां मौजूद एक अज्ञात युवक ने मौका ताड़ लिया और मदनलाल की एकाग्रता का फायदा उठाते हुए बड़ी सफाई से थैला उठाकर तेजी से बाहर निकल गया।

देवनानी ने आनासागर झील का दौरा किया

अजमेर, (निसं)। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी बुधवार को अजमेर प्रवास पर रहे। उन्होंने बजट घोषणाओं और शहर से जुड़े विकास कार्यों की विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ समीक्षा की तथा संबंधित प्रक्रियाओं को प्रारंभ करने के निर्देश दिए।

उन्होंने संभागीय आयुक्त एवं नगर निगम प्रशासक शक्ति सिंह राठौड़ तथा सिंचाई विभाग के अधिकारियों के साथ आनासागर झील से मिट्टी निकालने के प्रस्तावित कार्य का स्थलीय निरीक्षण किया। अधिकारियों ने बताया कि बजट घोषणा के तहत झील से लगभग एक मीटर तक मिट्टी निकाली जाएगी, जिस पर लगभग 78 करोड़ रुपये की लागत आएगी। देवनानी ने निर्देश दिए कि झील के सभी हिस्सों से समुचित खुदाई की जाए ताकि वर्षा जल का अधिकाधिक संचयन हो सके और सेवन वंडर के समीप स्थित खाली भूमि तक भी जलभराव सुनिश्चित किया जा सके। अजमेर विकास प्राधिकरण को शहर में चार नई सड़कों के विकास और विस्तार के प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए गए। प्रस्तावित मार्गों में नगर निगम के नए कार्यालय से लोहागल होते हुए नागौर हाइवे, स्टीफन चौराहे से माकड़वाली होते हुए नागौर हाइवे, पृथ्वीराज नगर से रातीडांग और चौरसियावास होते हुए नौसरघाटी तथा रेयान स्कूल से हाथीखेड़ा होते हुए वरुण सागर व खरेकड़ी रोड तक सड़क निर्माण शामिल है।

डूंगरपुर में किराना दुकान से अवैध शराब जब्त

डूंगरपुर, (निसं)। वरदा थाना क्षेत्र के लोलकपुर फला नयाटापरा गांव में एक किराना दुकान से अवैध शराब बरामद की है। पुलिस ने अवैध शराब रखने के एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। जब्त शराब की कीमत करीब एक लाख रुपए बताई जा रही है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार अवैध शराब के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। टीम ने होली पर्व के मद्देनजर अवैध शराब की धरपकड़ अभियान के तहत मुखबिर की सूचना पर दबिश दी। दबिश के दौरान आरोपी दिनेश पुत्र नारायण लाल रोत निवासी लोलकपुर फला नयाटापरा की किराना दुकान की तलाशी ली। दुकान के गोदाम से अवैध रूप से छिपाकर रखी गई थी। पुलिस ने 26 पेटी बीयर, 3 पेटी और 14 क्वार्टर अंग्रेजी शराब, एक पेटी देशी मदिरा जब्त की है। शराब रखने का कोई लाइसेंस भी नहीं मिला।

बस स्टैंड पर जेवर चुराने वाली दो महिलायें गिरफ्तार : डूंगरपुर के कोतवाली थाना पुलिस ने अंतर्राज्यीय महिला चोर गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने इस मामले में 2 महिलाओं को गिरफ्तार किया है। इन महिलाओं पर दो महीने पहले रोडवेज बस स्टैंड पर एक महिला के बैग से सोने के जेवर चोरी करने का आरोप है।

कोतवाली थानाधिकारी अजय सिंह राव ने बताया कि अशोक नगर, डूंगरपुर निवासी मधुबाला जैन ने इस संबंध में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि 1 जनवरी को वह अपनी 13 साल की बेटी के साथ रोडवेज बस स्टैंड से बस में सवार हुई थी। बस में भीड़ का फायदा उठाकर अज्ञात महिलाओं ने उनके हैंडबैग से करीब 4.5 तोला वजनी चार सोने की चूड़ियां और आधा तोला वजनी सोने के टॉप्स चुरा लिए थे। रिपोर्ट के आधार पर पुलिस मामले की जांच में जुटी। पुलिस ने संदिग्धों की पहचान के आधार पर दो आरोपी महिलाओं को हिरासत में लेकर पूछताछ की। महिलाओं की पहचान मानपुर, आबूरोड शहर, जिला सिरोही निवासी सुंदरी उर्फ लक्ष्मी और बिंदिया के रूप में हुई है।

जोधपुर में जीरे की फसल के बीच अफीम की खेती पकड़ी

- **खेत से 740 अफीम के पौधे बरामद, तीन भाइयों को नामजद किया**

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर जिला ग्रामीण की स्पेशल टीम ने भोपालगढ़ पुलिस के साथ संयुक्त कार्रवाई करते हुए जीरे की फसल के बीच अफीम की खेती को पकड़ा। खेत से 740 अफीम के पौधें बरामद किए गए है। इस बारे में एनडीपीएस एक्ट में कार्रवाई की गई। तीन भाइयों को नामजद किया गया है। कार्रवाई बंदड़ा गांव में हुई। पुलिस की तरफ से एरिया डोमिनेशन चलाया गया।

पुलिस उप महानिरीक्षक एवं जिला पुलिस अधीक्षक ग्रामीण नारायण टोगस ने बताया कि अवैध मादक पदार्थों की रोकथाम के लिए चलाये जा रहे विषेष 'एरिया डोमिनेशन' अभियान के तहत डीएसटी व पुलिस थाना भोपालगढ़ की संयुक्त कार्यवाही में सरहद ग्राम बन्दड़ा में एक खेत में जीरे की फसल की आड़ में उगाये गये 740 अवैध अफीम के पौधे जब्त किये। इस पर आरोपी बंदड़ा भोपालगढ़ निवासी लूंबाराम के तीन पुत्रों घेवरराम, नाथूराम एवं रेवंतराम के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में प्रकरण दर्ज किया गया। मामले में अग्रिम अनुसंधान किया जा रहा है।

अवैध बजरी से भरा डम्पर जब्त, दो जने गिरफ्तार : भीलवाड़ा जिले में अवैध बजरी खनन और परिवहन के खिलाफ पुलिस प्रशासन ने शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र यादव के निर्देशानुसार चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत शक्करगढ़ थाना पुलिस ने बीती रात बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध बजरी से भरे एक बिना नम्बरी डम्पर को जब्त किया है। मौके से पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

थानाधिकारी पुरणमल ने बताया कि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेश आर्य (शाहपुरा) एवं वृताधिकारी रेवडमल मार्य (जहाजपुर) के सुपरविजन में टीम का गठन किया गया था। रात्रि गश्त के दौरान टीम जब खजुरी क्षेत्र में थी, तब एक बिना नम्बरी डम्पर आता दिखाई दिया। पुलिस ने जब उसे रुकवाकर तलाशी ली, तो उसमें अवैध बजरी भरी पाई गई। वाहन पर नंबर प्लेट नहीं होने के कारण पुलिस ने डम्पर के चैचिस नंबर के आधार पर उसे जब्त किया। मौके से डम्पर चालक प्रकाश (30) पुत्र नन्दाराम मीणा निवासी झीकली और खलासी विशाल (22) पुत्र दुर्गालाल मीणा निवासी शिवगढ़ को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है।

विराटनगर के बिलवाड़ी में मकान से लाखों के जेवर व नगदी चोरी

पावटा, (निसं)। विराटनगर थाना क्षेत्र के बिलवाड़ी कस्बे में देर रात चोरों ने एक मकान को निशाना बनाते हुए लाखों रुपये के जेवर और नकदी पर हाथ साफ कर दिया। वारदात के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया और ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। मामला विराटनगर थाना क्षेत्र के बिलवाड़ी कस्बे के बलाईयों के मोहल्ले का है, जहां भागीरथ वर्मा के

- **चोर एक संदूक भी अपने साथ उठा ले गए और एक बोलेरो गाड़ी में बैठकर फरार हो गए**

मकान में चोरों ने सुनियोजित तरीके से वारदात को अंजाम दिया। चोर घर में रखे लाखों रुपये के जेवर और करीब 50 हजार रुपये नकद चोरी कर ले गए। इतना ही नहीं, वे एक संदूक भी अपने साथ उठा ले गए।

बीलवाड़ी में मकान में चोरी की वारदात के बाद सामान बिखरा पड़ा है।

पीड़ित महिला किरण देवी ने बताया कि सुबह करीब 4 से 4:30 बजे के बीच कमरे के बाहर खटखट की आवाज सुनाई दी। पहले उन्हें लगा कि बंदर होंगे, लेकिन आवाज लगातार आने पर जब उन्होंने खिड़की से झांककर देखा तो घर के अंदर दो संदिग्ध व्यक्ति घूमते नजर आए। जब उन्होंने दरवाजा खोलने की कोशिश की तो बाहर से कुंडी लगी हुई थी। उस समय घर में महिला अकेली थी। किरण देवी ने परिचितों को फोन करने की कोशिश की, लेकिन संपर्क नहीं हो सका। इसके बाद उन्होंने जोर-जोर से शोर मचाया। शोर सुनकर पड़ोसी बाहर आए तो उसने तीन-चार लोगों को छत से कूदते देखा। चोर पास में खड़ी एक बोलेरो गाड़ी में बैठकर फरार हो गए। सूचना मिलते ही विराटनगर थानाधिकारी सोहनलाल और एएसआई कृष्ण कुमार मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का जायजा लिया। वहीं पास में स्थित महामाया मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरों में तेज रफ्तार से जाती एक बोलेरो गाड़ी कैद हुई है, जिसके आधार पर पुलिस जांच में जुटी है।

ग्रामीणों ने पुलिस गश्त पर सवाल उठाते हुए कहा कि बिलवाड़ी पुलिस चौकी से कुछ ही दूरी पर इतनी बड़ी वारदात होना सुरक्षा व्यवस्था पर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है। लोगों का आरोप है कि क्षेत्र में पहले भी कई चोरियां हो चुकी हैं, लेकिन अब तक किसी भी मामले का खुलासा नहीं हुआ है, जिससे चोरों के हौसले बुलंद हैं। फिलहाल पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर बोलेरो की पहचान करने और आरोपियों तक पहुंचने का प्रयास कर रही है।

बाइक की टक्कर से घायल युवक की मौत

डूंगरपुर, (निसं)। कोतवाली थाना क्षेत्र में एक सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल हुए युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। युवक को एक तेज रफ्तार बाइक ने टक्कर मार दी थी। पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया है और मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सूत्रों के अनुसार वीरपुर निवासी जितेन मीणा ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि एक मार्च को जितेन का भाई शैलेश कुमार भगोरा अपनी मोटरसाइकिल से डूंगरपुर से घर लौट रहा था। कांकरादरा चौकी के पास मुख्य मार्ग पर शैलेश अपनी बाइक साइड में खड़ी कर टॉयलेट के लिए उतरा ही था कि सामने से तेज गति और लापरवाही से आ रही एक अन्य मोटरसाइकिल के चालक ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि शैलेश को गंभीर चोटें आईं। घटना के बाद मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने 108 एम्बुलेंस की मदद से उसे डूंगरपुर जनरल अस्पताल पहुंचाया। उसकी हालत नाजुक होने के कारण प्राथमिक उपचार के बाद उसे उदयपुर रेफर किया गया। परिजनों ने बताया कि स्थिति में सुधार न होने पर शैलेश को दिल्ली एम्स ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसकी गंभीर हालत को देखते हुए जवाब दे दिया। अस्पताल से वापस डूंगरपुर लाते समय रास्ते में ही शैलेश ने दम तोड़ दिया। पुलिस ने शव को मोर्चरी में रखवाया और पोस्टमॉर्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया। मामले की जांच जारी है।

घायल व्यापारी की इलाज के दौरान मौत

अजमेर, (निसं)। मदार ब्रिज भैरू मंदिर के पास गत 18 फरवरी को हुए सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल व्यापारी नीशू जैन ने बुधवार को जेएलएन अस्पताल में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया।

जानकारी के अनुसार 18 फरवरी को गलत दिशा से आ रही तेज रफ्तार पिकअप ने व्यापारी नीशू जैन की बाइक को जोरदार टक्कर मार दी थी। स्थानीय व्यापारियों का कहना है कि मदार श्रीनग रोड स्थित भैरू मंदिर क्षेत्र में भारी वाहनों की अनियंत्रित गति के कारण आए दिन हादसे हो रहे हैं। नीशू जैन के हादसे के बाद भी दो अन्य लोगों की जान जा चुकी है। स्थानीय व्यापारी विवेक जैन सहित अन्य व्यापारियों ने कहा कि मदार क्षेत्र में भारी वाहनों के कारण लगातार मौतें हो रही हैं, लेकिन प्रशासन कोई ठोस कदम नहीं उठा रहा। उन्होंने आरोपी चालक पर कड़ी कार्रवाई, मृतक के परिवार को आर्थिक सहायता और मदार ब्रिज के संवेदनशील हिस्सों पर स्पीड ब्रेकर व संकेतक लगाने की मांग की है।

टीम की असली ताकत यह है कि कोई भी खिलाड़ी महत्वपूर्ण मौके पर मैच जिताऊ प्रदर्शन कर सकता है और इंग्लैंड के खिलाफ इसी मानसिकता के साथ टीम उतरेगी।

– मोर्ने मोर्कल

भारतीय गेंदबाजी कोच, टीम की रणनीति को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▸ पी.वी. सिंधु

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता भारतीय बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधू ने माना कि दुबई में तीन दिन की मुश्किल के दौरान उन्हें धैर्य रखने में मुश्किल हुई और वह चाहती हैं कि यह उनकी जिंदगी का पहला और आखिरी ऐसा अनुभव हो। ''बेशक बहुत तनाव था और यह डरावना था। मुझे लगता है कि शायद एकमात्र चीज शांत रहना थी। अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान पर बमबारी और उसके बाद तेहरान की जवाबी कार्रवाई के बाद खाड़ी क्षेत्र में वायु क्षेत्र बंद होने के कारण सिंधू दुबई में फंस गई थीं। बर्मिंघम में ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप से नाम वापस लेने के बाद वह अब देश लौट आई हैं।

क्या आप जानते हैं ?... इंग्लैंड ने 2022 में भारत को सेमीफाइनल में दस विकेट से हराने के बाद खिताब जीता था जबकि भारत ने 2024 में इंग्लैंड को 78 रन से हराकर खिताब अपने नाम किया था।

न्यूजीलैंड दूसरी बार टी-20 वर्ल्ड कप के फाइनल में

ICC MEN'S T20 WORLD CUP

आज के मैच

भारत व इंग्लैंड के बीच शाम 7 बजे

बाबर हुए टीम से बाहर, खराब प्रदर्शन के कारण बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज में नहीं मिला मौका

नई दिल्ली, 4 मार्च। टी20 वर्ल्ड कप 2026 में पूरी पाकिस्तान टीम का प्रदर्शन निराशानजक है। जिसके बाद पूरी टीम पर पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने भारी

भरकम जुर्माना लगाया है। वहीं इस टूर्नामेंट में पाक टीम के साथ बाबर आजम खान का भी फ्लॉप प्रदर्शन नजर आया। जिसके बाद टीम से उनकी छुट्टी हो गई है। बाबर ने पूरे टूर्नामेंट के 6 मैचों में महज 91 रन ही बनाए।बता दें कि, बाबर आजम को बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली अगली वनडे सीरीज के लिए टीम में जगह नहीं मिली है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने बुधवार को बांग्लादेश वनडे सीरी के लिए 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की है। इस सीरीज के लिए तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी को कप्तान बनाया गया है। हालांकि, गौर करने वाली बात ये है कि शाहीन ने भी टी20 वर्ल्ड कप में अच्छा प्रदर्शन नहीं किया था। उन्होंने 5 मैचों की 5 पारियों में 8 विकेट चटकाए। जिसमें उनका बेस्ट 4/30 का है। हालांकि, उनकी इकॉनमी बहुत खराब 10.52 की रही। बता दें कि, तीन मैचों की वनडे सीरीज 11 से 15 मार्च के बीच खेली जाएगी। तीनों ही मुकाबले ढाका के शेरे बंग्ला नेशनल स्टेडियम में खेले जाएंगे। पहला मैच 11 मार्च को होगा। फिर दूसरा वनडे 13 मार्च, तीसरा और आखिरी 50 ओवर मुकाबला 15 मार्च को होगा।

फिन एलन ने सबसे तेज शतक लगाया

कोलकाता, 4 मार्च। न्यूजीलैंड और साउथ अफ्रीका के बीच टी20 वर्ल्ड कप का पहला सेमीफाइनल खेला गया। जिसे न्यूजीलैंड ने 9 विकेट से अपने नाम कर फाइनल में एंट्री कर ली है। जबकि साउथ अफ्रीकी टीम चोकर्स का दाग हटाने में असफल रही है। इस मैच में बॉलिंग से लेकर बैटिंग तक न्यूजीलैंड ने पूरी तरह साउथ अफ्रीका को तहस–नहस कर दिया। इस मैच में बॉलिंग से लेकर बैटिंग तक न्यूजीलैंड ने पूरी तरह साउथ अफ्रीका को तहस–नहस कर दिया। इस दौरान फिन एलेन ने महज 33 गेंदों में नाबाद शतक ठोका जो कि टी20 वर्ल्ड कप इतिहास की सबसे तेज सेंचुरी है।

टीम पहली बार 2021 के फाइनल में पहुंची थी। कोलकाता के ईडन गार्डन्स स्टेडियम में कीवियों के कप्तान मिचेल सैंटनर ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। साउथ अफ्रीका ने 20 ओवर में 8 विकेट पर 169 रन बनाए।

न्यूजीलैंड ने 170 रन का टारगेट 12.5 ओवर में एक विकेट पर चेज कर लिया। फिन एलन ने 33 बॉल पर 100 रन की नाबाद पारी खेली। उन्होंने टी–20 वर्ल्ड कप के इतिहास का सबसे तेज शतक लगाया। उन्होंने वेस्टइंडीज के दिग्गज बैटर क्रिस गेल का रिकॉर्ड तोड़ा। गेल ने 2016 में इंग्लैंड के खिलाफ 47 बॉल पर शतक लगाया था। न्यूजीलैंड ने 170 रन का टारगेट 12.5 ओवर में एक विकेट पर चेज कर लिया है।

13वें ओवर में मार्को यानसन की बॉल पर फिन एलन ने लगातार चार बाउंड्री लगाकर अपना शतक पूरा किया। फिन एलन ने टी–20 वर्ल्ड कप के इतिहास में सबसे तेज शतक लगाया। कगिसो रबादा ने टिम सीफर्ट को आउट कर न्यूजीलैंड को पहला झटका दिया है। सीफर्ट 33 गेंदों पर 58 रन बनाकर आउट हुए। सीफर्ट और फिन एलेन के बीच पहले विकेट के लिए 117 रनों की साझेदारी हुई। न्यूजीलैंड के फिन एलेन ने 19 गेंदों पर अर्धशतक लगाया। यह टी20 विश्व कप में किसी बल्लेबाज का सबसे तेज पचासा है।

उन्होंने टिम सीफर्ट के साथ मिलकर पहले विकेट के लिए 100 रनों की साझेदारी पूरी कर ली है। टिम सीफर्ट ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सेमीफाइनल मुकाबले में 28 गेंदों पर अर्धशतक पूरा किया। सीफर्ट और फिन एलेन ने लक्ष्य का पीछा करते हुए टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई है।

सेमीफाइनल से पहले पिच क्यूरेटर पर भड़के कोच गंभीर

भारत-इंग्लैंड के बीच दूसरा सेमीफाइनल मुंबई में आज

मुंबई, 4 मार्च। मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में भारत और इंग्लैंड के बीच गुरुवार, 5 मार्च को टी20 वर्ल्ड कप का दूसरा सेमीफाइनल खेला जाएगा। वहीं इस मुकाबले से पहले वानखेड़े की पिच चर्चा में है जिससे विवाद शुरू हो गया है। रअसल, मुंबई के वानखेड़े की पिच पर हरी घास नजर आ रही है। पिच को देखकर साफ लग रहा है कि तेज गेंदबाजों को इससे काफी फायदा मिलेगा। अगर इसी पिच पर भारत और इंग्लैंड का सेमीफाइनल खेला जाता है तो गेंदबाज यहां हावी रह सकते हैं। सोशल मीडिया पर जो तस्वीर वायरल है उसमें टीम इंडिया के कोच गौतम गंभीर पिच क्यूरेटर से नाखुश नजर आ रहे हैं। टीम इंडिया लगातार वानखेड़े में लगातार अभ्यास कर रही है। वहीं 3 मार्च को भी टीम ने अभ्यास किया इस दौरान हेड कोच गौतम गंभीर भी टीम के साथ मौजूद थे। गंभीर ने इस दौरान पिच क्यूरेटर से मुलाकात की। इसमें दिलचस्प बात ये है कि वह काफी नाखुश दिखे। माना जा रहा है कि इसका कारण वानखेड़े की पिच ही है। बता दें कि, इस मुकाबले में इंग्लैंड की टीम भारत के लिए बड़ी चुनौती बन सकती है। वानखेड़े की पिच वैसे तो बल्लेबाजों के लिए मुफीद होती है लेकिन अगर पिच पर हरी घास रहती है तो इस बात तेज गेंदबाजों को यहां मदद मिल सकती है। इंग्लैंड की टीम में कई दमदार खिलाड़ी हैं और आईपीएल में वे यहां लंबे समय से खेल रहे हैं। ऐसे में कंडीशंस को अच्छे से जानते हैं। यही कारण है कि इंग्लैंड की टीम भारत के लिए बड़ी चुनौती बन सकती है।

पर्थ में मैच से पहले हुआ किट को लेकर बवाल

एआईएफ कुप्रबंधन पर भड़की भारतीय खिलाड़ी

नई दिल्ली, 4 मार्च। एएफसी विमेंस एशियन कप के आगाज के एक दिन पहले पर्थ में भारतीय महिला फुटबॉल टीम भड़क गईं। खिलाड़ियों ने आरोप लगाया कि उन्हें टूर्नामेंट के लिए सही फिटिंग वाली मैच किट तक नहीं उपलब्ध कराई गई, जिससे उनके मनोबल और तैयारी पर असर पड़ा।कप्तान समेत 26 खिलाड़ियों ने संयुक्त रूप से पत्र लिखकर अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ के सामने पेशेवर मानकों की कमी का मुद्दा उठाया। एआईएफएफ ने जूनियर टीमों के लिए बनी छोटी किट ऑस्ट्रेलिया में सीनियर टीम को भेजी थी। बड़े मुकाबले से पहले उठे इस किट विवाद ने एआईएफएफ में कुप्रबंधन को उजागर किया है।

भारतीय टीम बुधवार चार मार्च 2026 को पर्थ में वियतनाम के खिलाफ अपना पहला मैच खेलेगी। उससे पहले टीम की सभी 26 खिलाड़ियों ने

एआईएफएफ के उपमहासचिव एम सत्यनारायणन को पत्र लिखकर उचित कपड़ों और खेल किट की कमी पर निराशा जाहिर की। समाचार एजेंसी पीटीआई के मुताबिक पत्र में कहा गया है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए पेशेवर मानकों को पूरा करना जरूरी होता है। जिसमें खिलाड़ियों को फिट आने वाली उचित पोशाक भी शामिल है।

अरविंद चिदंबरम ने अपने हमवतन डी गुकेश को हराया

नई दिल्ली, 4 मार्च। प्राग अंतर्राष्ट्रीय शतरंज महोत्सव के मास्टर्स वर्ग के छठे दौर में सटी रणनीति अपना कर अरविंद चिदंबरम ने अपने हमवतन डी गुकेश को हराया। जिससे मौजूदा फिडे वर्ल्ड चैंपियन अंतिम स्थान पर खिसक गया। अरविंद की जीत का मतलब है कि गुकेश अब लाइव रेटिंग सूची में 20वें स्थान पर खिसक गए हैं। किसी प्रतियोगिता में नहीं खेलने के कारण विश्वनाथन आनंद इस सूची में शामिल नहीं हैं। दिसंबर 2024 में खिताब जीतने के बाद से गुकेश को वर्ल्ड चैंपियन का अपना रुतबा बनाए रखने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। जनवरी 2025 में टाटा स्टील मास्टर्स टूर्नामेंट एकमात्र अपवाद था जब पहले स्थान के लिए खेले गए टाईब्रेकर में वह हमवतन आर प्रज्ञानंद से हार गए थे। अरविंद ने काले मोहरों से खेलते हुए फिलिडोर डिफेंस का प्रयोग बुरी तरह विफल होने के बाद सिसिलियन डिफेंस अपनाया। गुकेश के लिए मुश्किलें कड़ी करना आसान था क्योंकि मिडिल गेम के शुरू में उन्होंने अपना एक प्यादा कुर्बान कर दिया था। अरविंद ड्रॉ से खुश हो जाते लेकिन गुकेश ने 40वीं चाल में गलती की। अरविंद ने इसका फायदा उठाकर 48 चाल में जीत हासिल कर दी।

फ्लॉप प्रदर्शन के कारण अभिषेक को नुकसान

पाकिस्तान के फरहान को बड़ा फायदा

नई दिल्ली, 4 मार्च। आईसीसी ने ताजा रैंकिंग जारी की है। जिसमें सभी की नजरें भारतीय बल्लेबाज अभिषेक शर्मा पर थीं। वहीं पाकिस्तान के स्टार बल्लेबाज साहिबजादा फरहान को बड़ा फायदा हुआ है। इसके अलावा टॉप–5 रैंकिंग में अभिषेक के अलावा ईशान किशन दूसरे बल्लेबाज काबिज हैं।बता दें कि, टी20 वर्ल्ड कप में ज्यादातर फ्लॉप होने के बाद भी अभिषेक की रैंकिंग में फर्क नहीं पड़ा। वह पहले ही पायदान पर मौजूद हैं। इसके अलावा पाकिस्तान के स्टार बल्लेबाज साहिबजादा फरहान को रैंकिंग में बड़ा फायदा पहुंचा है। शुरुआती तीन मैचों में डक आउट हने वाले अभिषेक शर्मा टूर्नामेंट में अब तक सिर्फ एक मैच में ही चले हैं। जिम्बाब्वे के खिलाफ सुपर–8 के मैच में अभिषेक ने 55 रनों की पारी खेली। इसके अलावा सुपर–8 के बाकी दो मैचों में 15 और 10 रन ही बनाए। इसप्रदर्शन के बाद अभिषेक पहले नंबर पर हैं उनकी रेटिंग में 874 है। इसके अलावा पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान रैंकिंग में एक पायदान ऊपर पहुंच गए हैं। दूसरे नंबर पर मौजूद पाक बल्लेबाज की रेटिंग 848 की है।

ऑल इंग्लैंड ओपन के पहले दिन लक्ष्य सेन का बड़ा उलटफेर, डिफेंडिंग चैम्पियन को दी मात

नई दिल्ली, 4 मार्च। भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने ऑल इंग्लैंड ओपन 2026 के पहले दिन सबसे बड़ा उलटफेर कर दिया। उन्होंने पुरुष सिंगल्स के पहले दौर में टॉप सीड और गत चैंपियन चीन के शी यूकी को हराया और बाहर का रास्ता दिखाया। 2022 के फाइनलिस्ट सेन ने एक घंटे 18 मिनट में मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन को 23–21, 19–21, 21–17 से हराया। भारत की मिश्रित युगल जोड़ी ध्रुव कपिला और तनिशा क्रास्टो भी दूसरे दौर में पहुंच गई। उन्होंने मलेशिया की हू पेंग रॉन और चेंग सु यिन की जोड़ी को 21–17, 21–19 से हराया। वहीं 24 वर्षीय सेन की इससे पहले चीनी खिलाड़ी के खिलाफ एकमात्र जीत एशियन गेम्स टीम चैंपियनशिप में आई थी। उन्होंने अपने गेम में आक्रामकखेल दिखाते हुए अपने अनुभवी प्रतिद्वंद्वी पर दबाव बनाया। 17–10 की बढ़त लेने के बाद ऐसा लग रहा था कि वह आसानी से जीत जाएंगे। शी ने वापसी करते हुए स्कोर 18–17 कर दिया। सेन ने फिर से पहल करते हुए तीन गेम प्वाइंट हासिल किए, लेकिन चीनी खिलाड़ी ने न सिर्फ उन्हें बचाया बल्कि एक और प्वाइंट भी बचाया। इसके बाद भारतीय खिलाड़ी ने गेम अपने नाम किया।

इंडियन प्रीमियर लीग शेड्यूल 2 पार्ट में रिलीज होगा

नई दिल्ली, 4 मार्च। इंडियन प्रीमियर लीग का शेड्यूल 2 पार्ट में रिलीज किया जाएगा। इंडियन प्रीमियर लीग गवर्निंग काउंसिल ने कन्फर्म किया कि पहले पार्ट का शेड्यूल 6 या 7 मार्च को अनाउंस होगा। सोमवार को 19वें सीजन के शेड्यूल को चुनाव के कारण 2 फेज में बांटने का फैसला किया। बेंगलुरु में होगा ओपनिंग और फाइनल मैच कर्नाटक क्रिकेट एसोसिएशन के सेक्रेटरी संतोष मेनन ने कन्फर्म किया कि बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में ही ओपनिंग और फाइनल मैच खेले जाएंगे। होम टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु इस बार अपने 5 होम मैच चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेलेगी। इंडियन प्रीमियर लीग में परंपरा रही है कि टूर्नामेंट का ओपनिंग मैच, क्वालिफायर–2 और फाइनल मुकाबला डिफेंडिंग चैंपियन टीम के होमग्राउंड पर रखा जाए। पिछले साल का ओपनिंग मैच 2024 की चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स के होमग्राउंड पर हुआ था। इसी तरह इस बार के मैच चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेले जाएंगे।

ये वर्ल्डकप सेमीफाइनल है और हम इसमें अपना परफेक्ट खेल दिखाएंगे : सैम करन

मुंबई, 4 मार्च। टी 20 वर्ल्ड कप 2026 के दूसरे सेमीफाइनल में भारत का सामना इंग्लैंड से होगा। वहीं इस मुकाबले से पहले इंग्लैंड के सैम करन ने कहा कि दोनों टीमें एक–दूसरे के खिलाफ इतना खेल चुकी हैं कि कुछ छिपाने के लिए नहीं है लेकिन उन्हें अपनी टीम से बेहतरीन प्रदर्शन की उम्मीद है। बता दें कि, इंग्लैंड ने 2022 में भारत को सेमीफाइनल में दस विकेट से हराने के बाद खिताब जीता था जबकि भारत ने 2024 में इंग्लैंड को 78 रन से हराकर खिताब अपने नाम किया था। वहीं अंग्रेज ऑलराउंडर करन ने मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में इंग्लैंड के अभ्यास सत्र से पहले कहा कि, इस मैदान पर हम काफी खेल चुके हैं लिहाजा कुछ छिपा नहीं है।

उन्होंने कहा कि, हमारे पास अभ्यास के लिए दो दिन का समय है जिससे हालात के अनुकूल ढलने में मदद मिलेगी। इन स्टेडियमों में इतना खेल चुके हैं कि अलग–अलग हालात की आदत हो गई है। हम भारतीय खिलाड़ियों के साथ बहुत खेलते हैं तो कुछ भी छिपा नहीं है। इंग्लैंड का इस टूर्नामेंट में प्रदर्शन उतार चढ़ाव भरा हा है जिसने नेपाल को बामुश्किल चार रन से हराया। सुपर आठ में पाकिस्तान को दो विकेट से हराया। करन ने कहा कि, पिछला प्रदर्शन अब मायने नहीं रखता। ये वर्ल्ड कप सेमीफाइनल है और हम इसमें अपना परफेक्ट खेल दिखाएंगे। वानखेड़े स्टेडियम पर भारत के समर्थकों का शोर रहेगा लेकिन करन को पता है कि उन्हें खामोश कैसे करना है। उन्होंने कहा कि, ये शानदार स्टेडियम है। मुझे यकीन है कि गुरुवार की रात ये स्टेडियम खामोश रहेगा। भारतीय टीम बेहतरीन है लेकिन हमारे अधिकांश खिलाड़ियों ने उसके खिलाफ और आईपीएल में खेला है। हम किसी चीज से भयभीत नहीं है और दोनों टीमें सेमीफाइनल की चुनौती को लेकर रोमांचित होंगी।

एसएमएस गोल्डवास कप टूर्नामेंट शुरू

टीम कृष्णा पोलो ने जीता टूर्नामेंट का पहला मैच

जयपुर, 4 मार्च। जयपुर पोलो सीजन 2026 के अंतर्गत बुधवार को राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड पर एसएमएस गोल्ड वास (आउट ऑफ हैट) कप टूर्नामेंट का पहला मैच खेला गया। यह मुकाबला टीम जयपुर और कृष्णा पोलो के बीच खेला गया, जिसमें टीम कृष्णा पोलो मैच की विजेता रही। टीम कृष्णा पोलो ने टीम जयपुर को 8–3.5 के स्कोर से शिकस्त दी। विजेता टीम कृष्णा पोलो से विशाल सिंह राठौड़ और अश्विनी शर्मा ने टीम के लिए 3–3 गोल हासिल किए। वहीं, आरके सिद्धांत सिंह ने 2 गोल किए। टीम की ओर से यशोवर्धन सिंह गुलर भी खेले। दूसरी ओर, टीम जयपुर से योगेंद्र सिंह और तरूण बिलवाल ने 1–1 गोल किया। टीम से खेलने वाले अन्य खिलाड़ियों में हर्षोदय सिंह और दिव्यमान सिंह दूजोद शामिल रहे। यहां टीम जयपुर को 1.5 गोल का एडवांटेज भी प्राप्त हुआ। कल का मुकाबला- गुरुवार, 5 मार्च को राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड पर शाम 5 बजे से टीम आरपीसी और कानोता पोलो के बीच मुकाबला होगा। टीम आरपीसी से विग्रहराज सिंह चौहान, हनुमान गोदारा, तरुण बिलवाल और लांस वाटसन खेलेंगे। वहीं, टीम कानोता पोलो से लक्ष्यराज सिंह, विक्रमादित्य सिंह बरकाना, प्रताप सिंह कानोता और एलन शॉन माइकल मैच में खेलेंगे। इस टूर्नामेंट का फ़ाइनल रविवार, 8 मार्च को राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड में खेला जाएगा।

कार्यालय नगर परिषद शाहपुरा, जयपुर (राज.)

Ph. 01422-272066 Email- shahpura.jaipur@gmail.com

क्रमांक :–न0प0शा0 / 2025–26 / 1112 दिनांक :– 26.02.2026

निविदा सूचना वर्ष 2025–26

नगर परिषद शाहपुरा जयपुर द्वारा निम्नानुसार कार्य की निविदा आमंत्रित की जाती है विस्तुत विवरण वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in तथा http://eproc.rajasthan.gov.in पर कार्यालय समय सूचना बोर्ड पर देखा जा सकता है।

NIB CODE	SPPP UBN
DLB2526B2228	DLB2526WSOB36292, 36294

आयुक्त
नगर परिषद शाहपुरा, जयपुर

राज.संवाद / सी / 25 / 21660

नगर निगम जोधपुर

क्रमांकः– 7136 दिनांकः– 26.02.2026

:: ई–निविदा सूचना ::

(UB NO. DLB2526WSOB36338)

नगर निगम जोधपुर की ओर से विभिन्न सिविल कार्यो हेतु ऑनलाईन ई–निविदाएं आमंत्रित की जाती है। ई–निविदा से संबंधित कार्यो की विस्तृत जानकारी, निविदा की शर्ते आदि http://eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in एवं https://lsg.Rajasthan.gov.in/mcjs पर देखी जा सकती है।

आयुक्त
नगर निगम जोधपुर

राज.संवाद / सी / 25 / 21669

कार्यालय नगरपालिका, रतननगर (चूरू)

फोन नं– 01562–281224 ईमेल– mun_rnagar@yahoo.in

Date : 25-02-2026

Notice Inviting Bid

Bids for of Diggi cleaning work invited from interested bidders upto 05:00 PM 09-03-2026 Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://sppp.raj.nic.in) of the state official website.

UBN is: DLB2526SLRC36115

Executive officer
Municipal Board, Ratannagar

Raj.Samwad/C/25/21632

राजस्थान सरकार

कार्यालय नगर पालिका, सादड़ी (जिला–पाली) राज.

पताः मैन बस स्टेण्ड, सादड़ी (आपकी सेवा में सदैव तत्पर)

Ph.-02934-285022 email: npsadri1979@yahoo.com, gmail.com

क्रमांक : न.पा.सा. / 2026 / 5367–5369 दिनांक 25.02.2026

-:: Notice Inviting Bid ::-

Bid for subject matters of procurement are invited from intreseted bidders upto (date)& (time). Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal. (https://sppp.rajasthan.gov.in, eproc.rajasthan.gov.in) of the state departmental website.

UBN NO :- DLB2526WSOB36340

अधिशाषी अधिकारी
नगरपालिका सादड़ी

राज.संवाद / सी / 25 / 21647

जोधपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड

(राजस्थान सरकार का उपक्रम) कॉरपोरेट पहचान संख्या, पंजीकृत कार्यालयः न्यू पॉवर हॉउस जोधपुर, 342003
कार्यालय संभागीय मुख्य अभियंता (बी. सं.), बीकानेर, 66 KV GSS के पास, सागर रोड़, सांगलपुरा बीकानेर
दूरभाषः 0151-2226200 ईमेलः zcebzbikaner@yahoo.com

अल्पकालिक ई - निविदा सूचना

"वित्तीय वर्ष 2023-24 के बजट घोषणा के तहत AEN (O&M) पल्लू सब-डिवीजन, जोधपुर डिस्कॉम, हनुमानगढ़ सर्किल के 132 KV GSS निमला थिराना से 12.5 किलोमीटर सिंगल सर्किट 33 KV लाइन तथा न्योलाखी में 3.15 MVA 33/11 KV सब-स्टेशन के निर्माण के लिए ACSR रैबिट कंडक्टर के साथ 13 किलोमीटर 11 KV इंटरकनेक्शन लाइन के निर्माण के लिए लेबर रेट (2025) के आधार पर ई-निविदा आमंत्रित की जाती है।"

TN-BZ-27/2025-26(UBN No. JVV2526WSOB00914)

अन्य विवरण जैसे निविदा मुल्य, धरोहर राशि, निविदा प्रस्तुत करने / खुलने की तिथि का विवरण इत्यादि वेबसाईट www.energy.rajasthan.gov.in/jdvvnl एवं www.eproc.rajasthan.gov.in द्वारा जानी जा सकती हैं। निविदाकर्ताओं को उनके स्वयं के हित में सलाह दी जाती है की ऑन लाइन www.eproc.rajasthan.gov.in पर निविदा डालने से पहले निविदा दस्तावेजों का सावधानी पूर्वक अध्यन्न कर ले।

भविष्य में इन् निविदाओं से सम्बंधित किसी भी प्रकार के संशोधन तिथि बढ़ने की जानकारी आदि केवल वेबसाइट www.energy.rajasthan.gov.in/jdvvnl, www.sppp.rajasthan.gov.in एवं www.eproc.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध करायी जायेगी।

राज.संवाद/सी/25/21682 संभागीय मुख्य अभियंता

बिजली संबंधी शिकायतों के लिए टोल फ्री नम्बर 1800 180 6045

कार्यालय नगर परिषद् प्रतापगढ़, जिला–प्रतापगढ़ (राज.)

क्रमांक :–न.प.प्र./ निर्माण शाखा /2025–26 / 15894 दिनांकः 25.02.2026

ई टेण्डरिंग निविदा सूचना संख्या: 30/2025–26

नगर परिषद् प्रतापगढ़ द्वारा नगर परिषद प्रतापगढ़ एवं राजस्थान सरकार के समूचित वर्ग के सूचीबद्ध ठेकेदारों / संवेदको एवं केन्द्रीय सरकार / राज्य सरकार व उनके अधिकृत संगठनों में पंजीकृत संवेदकों जो कि राजस्थान सरकार के विभिन्न उपयुक्त श्रेणी के सवेंदकों के समकक्ष हो उनसें निर्धारित निविदा प्रपत्र में ई–प्रोक्यूरमेंट प्रक्रिया हेतु ऑन लाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित विवरण इंटरनेट साईट http://eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।

निविदा में कुल कार्य	01
निविदा की कुल लागत	20.25 लाख
निविदा की धरोहर राशि	अनुमानित लागत की 2 प्रतिशत / नगर परिषद् पंजीकृत संवेदक ½ प्रतिशत।
ऑनलाईन निविदा फॉर्म मिलने की दिनांक	दि.प्रातः 10.00 बजे से दि 27.02.2026 से 09.03.2026 सांय 6.00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा फॉर्म जमा कराने की दिनांक	दि 27.02.2026 से 09.03.2026 सांय 6.00 बजे तक
निविदा शुल्क एवं धरोहर राशि डिमांड ड्राफ्ट अथवा बैंकर चैक कार्यालय में भौतिक रूप से जमा करवाने की दिनांक	दि 10.03.2026 प्रातः10:00 बजे से सायः 04:00 बजे तक
ऑनलाईन Technical & Finecial Bid निविदा खोलने की दिनांक	दि 12.03.2026 प्रातः 11:00 बजे

निविदा से सम्बन्धित समस्त विवरण वेब साईट http://sppp.rajasthan.gov.in तथा http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेब साईट http://eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर्ड करवाना आवश्यक है।

UBN NO. DLB2526WSOB36269

आयुक्त
नगर परिषद् प्रतापगढ़ (राज.)

राज.संवाद / सी / 25 / 21657

कार्यालय नगर पालिका सूरौठ जिला करौली (राज.)

क्रमांक :– 617 दिनांक – 26.02.2026

ई–निविदा सूचना वर्ष 2026–27

नगरपालिका सूरौठ द्वारा वर्ष 2026–27 के तहत स्टोर शाखा / संस्थापन शाखा से सामाग्री आपूर्ति एवं अन्य कार्यो हेतु निर्धारित प्रपत्र में ई–प्रोक्यूरमेन्ट के माध्यम से ऑनलाईन ई–निविदाऐं आंमत्रित की जाती है। जिस में पंजीकृत संवेदको / एन.जी.ओ. / प्लेसमेन्ट एजेन्सियों / उत्पादको / संभरणकर्ताओ एवं राज्य सरकार / केन्द्रसरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोकनिर्माणविभाग / डाक एवं दूरसंचार विभाग / रेलवे इत्यादि में पंजीकृत संवेदको से ई–निविदा से सम्बन्धित समस्त विवरण बेबसाईट sppp.rajasthan.gov.in तथा eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है। इच्छुक संवेदको कोई–निविदा में भाग लेने हेतु बेबसाईट eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर्ड होना अनिवार्य है।

NIB CODE : DLB2526B2274

अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका सूरौठ

राज.संवाद / सी / 25 / 21644

Office of the Medical Superintendent

RUHS Hospital of Medical Sciences, Jaipur
Sector-11, Kumbha Marg, Pratap Nagar, Tonk Road, Jaipur -302033(Raj.)
दूरभाषः 0141-2795577, Email: supdt.hms@ruhsraj.org, ruhshmstore@ruhsraj.org

No. :- F. ( ) RUHS HMS/Store/2025-26/14744 Date :- 26/02/2026

संशोधन आदेश

राज॰स्वा॰वि॰वि॰ आयुर्विज्ञान चिकित्सालय, जयपुर में Establishment and Development of State of Art Trauma Center (Level-1) on Turn Key Basis along with Medical Equipment at RUHS Hospital of Medical Sciences, Jaipur हेतु जारी ई–निविदा सूचना संख्या 12708 दिनांक 08.01.2026 (UBN : CMS2526GLOB00108) में प्री–बिड बैठक के पश्चात् संशोधित निविदा (स्कोप ऑफ वर्क) प्रपत्र जारी किया जाता है। उक्त संशोधन से सम्बन्धित विस्तृत विवरण Website sppp.raj.nic.in, or eproc.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।

Medical Superintendent
RUHS Hospital of Medical Sciences, Jaipur

Raj.Samwad/C/25/21697

कार्यालय नगर पालिका सुल्तानपुर जिला कोटा (राज.)

क्रमांक ::–न0पा0सु0 / 2954–55 दिनांक :– 26.02.2026

-: ई निविदा सूचना/2025–26 :-

इस कार्यालय की निविदा सूचना संख्या 2922–2927 दिनांक 25.02.2026 के द्वारा कुल 17 कार्य की अनुमानित लागत 149.68 लाख की जाती है। नगर पालिका सुल्तानपुर की ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु नियमानुसार डीएलबी में सक्षम श्रेणी एवं अन्य विभागों में A, AA, C श्रेणी में राज्य सरकार / केन्द्र सरकार से पंजीकृत संवेदकों जो राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के सक्षम हो से ई–प्रोक्यूरमेंट प्रक्रिया द्वारा ऑनलाईन निविदाए आमंत्रित की जाती है। ई–निविदा से संबंधित समस्त विवरण https://eproc.rajasthan.gov.in व https://sppp.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।

UB Code :- DLB2526B2178

Work No.	UBN No.
1	DLB2526SSOB36058
2	DLB2526SSOB36060
3	DLB2526SSOB36063
4	DLB2526SSOB36064
5	DLB2526SSOB36065
6	DLB2526SSOB36066
7	DLB2526SSOB36067
8	DLB2526SSOB36070
9	DLB2526SSOB36073
10	DLB2526SSOB36076
11	DLB2526SSOB36079
12	DLB2526SSOB36083
13	DLB2526SSOB36086
14	DLB2526SSOB36090
15	DLB2526SSOB36092
16	DLB2526SSOB36095
17	DLB2526SSOB36110

प्रशासक
नगर पालिका सुल्तानपुर

अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका सुल्तानपुर

राज.संवाद / सी / 25 / 21648

मुख्यमंत्री भजनलाल ने आमजन के साथ होली का त्योहार मनाया

मुख्यमंत्री निवास पर ब्रज के गायन व नृत्य के साथ शेखावाटी की फाग मंडली ने रंग जमाया

जयपुर, 4 मार्च। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को आमजन के साथ होली का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया। मुख्यमंत्री निवास पर हुए होली महोत्सव में प्रदेश भर से हजारों की संख्या में आए लोगों ने फूलों और प्राकृतिक रंगों के साथ यह त्योहार मनाया। इस अवसर पर शर्मा ने सपत्नीक आमजन को गुलाल लगाया और फूलों की वर्षा कर सभी का अभिनन्दन किया।

■ जैसलमेर से धौलपुर तथा हनुमानगढ़ से बांसवाड़ा, विभिन्न जिलों से हजारों की संख्या में आए आमजन ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के साथ फूलों व प्राकृतिक रंगों से होली का उत्सव मनाया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को मुख्यमंत्री निवास पर प्रदेश भर से हजारों लोगों के साथ होली का त्योहार मनाया। इस अवसर पर उन्होंने आमजन को गुलाल लगाया और फूलों की वर्षा कर सभी का अभिनन्दन किया।

इस पावन पर्व पर ब्रज से लेकर शेखावाटी तक की होली के विभिन्न रूप देखने को मिले। ब्रज से आए भारतीय कला संस्थान के कलाकारों एवं भजन मंडली ने गायन और नृत्य के साथ समां बांधा। वहीं, शेखावाटी के फतेहपुर की गो वत्स फाग मंडली के कलाकारों ने चंग के साथ धमाल मचाया। मुख्यमंत्री ने भी कलाकारों के बीच जाकर फाल्गुन के गीतों में साथ निभाया। बच्चे हों, बूढ़े हों, महिला हों या जवान, सभी में मुख्यमंत्री के साथ होली खेलने को लेकर अलग ही उत्साह नजर आया।

मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि रंगों के इस त्योहार पर सभी को कटुता भुलाकर खुशियों के साथ जीवन बिताने का संकल्प लेना चाहिए।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी, डॉ. प्रेमचंद बैरवा, राज्यसभा सांसद मदन राठौड़, मंजू शर्मा, विधायक कुलदीप धनखड़, गोपाल शर्मा सहित, अन्य सांसद, विधायक, पूर्व सांसद, पूर्व विधायक सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, अधिकारीगण एवं जैसलमेर से धौलपुर और हनुमानगढ़ से बांसवाड़ा सहित, प्रदेश के विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

विदेश मंत्रालय ने प. एशिया में भारतीय नागरिकों के लिए कंट्रोल रुम बनाया

नई दिल्ली, 04 मार्च। पश्चिम एशिया में बढ़ ते संकट को देखते हुए विदेश मंत्रालय (एमईए) ने वहां रहने वाले प्रभावित भारतीय नागरिकों की सहायता के लिए एक नियंत्रण कक्ष स्थापित किया है।

विदेश मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बुधवार को बताया कि पश्चिम एशिया में बढ़ ते संकट को देखते हुए विदेश मंत्रालय (एमईए) ने एक कंट्रोल रूम बनाया है।

■ इस क्षेत्र में करीब एक करोड़ भारतीय रहते हैं व इनकी सुरक्षा भारत सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

इसका मकसद वहां रहने वाले प्रभावित लोगों की मदद करना है। मंत्रालय ने कहा कि पश्चिम एशिया में लगभग 1 करोड़ भारतीय रहते हैं और उनकी सुरक्षा एवं कल्याण नई दिल्ली के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता है। रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत सरकार ने हेल्पलाइन नंबर भी जारी किए हैं।

रणधीर जायसवाल ने कहा कि पश्चिम एशिया और खाड़ी क्षेत्र की मौजूदा स्थिति को देखते हुए विदेश मंत्रालय में एक स्पेशल कंट्रोल रूम बनाया गया है। इस कंट्रोल रूम से लोग सुबह 9 बजे से रात 9 बजे तक इन नंबरों पर संपर्क कर सकते हैं, जिसका टोल फ्री नंबर इस प्रकार 1800118797, 91 11 2301 2113, 91 11 2301 4104 और 91 11 2301 7905 है।

एसओजी ने 21 हजार के इनामी डमी परीक्षार्थी को गिरफ्तार किया

आरोपी ने 2023 की सहायक अभियंता (सिविल) परीक्षा में डमी परीक्षार्थी के रूप में परीक्षा दी थी

जयपुर। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने कार्रवाई करते हुए सहायक अभियंता (सिविल) भर्ती परीक्षा-2022 में डमी परीक्षार्थी बनकर परीक्षा देने वाले पच्चीस हजार रुपए के इनामी आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी लंबे समय से फरार चल रहा था।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, एसओजी, विशाल बंसल ने बताया कि राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा 21 मई 2023 को आयोजित सहायक अभियंता (सिविल) (स्वायत्त शासन विभाग) प्रतियोगी परीक्षा में गड़बड़ी सामने आई थी। जांच में पता चला कि मूल अभ्यर्थी इंद्राज सिंह के स्थान पर किसी अन्य व्यक्ति ने डमी कैंडिडेट के रूप में परीक्षा दी। प्रवेश पत्र में फोटो से छेड़छाड़ कर सुनियोजित तरीके से यह साजिश रची गई थी।

इस मामले में एसओजी ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की। पूर्व में मूल अभ्यर्थी इंद्राज सिंह सहित सहयोगी परमेश्वर लाल और सलमान खान को गिरफ्तार कर न्यायालय में चालान पेश किया जा चुका है।

वहीं अनुसंधान के दौरान फरार चल रहे डमी परीक्षार्थी गुरदीप दास (31) निवासी आजाद नगर जिला हिसार (हरियाणा) की गिरफ्तारी के लिए पच्चीस हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया था। उसे डीएसटी भरतपुर टीम के सहयोग से हरियाणा से पकड़कर एसओजी ने विधिवत गिरफ्तार किया।

■ आरोपी गुरदीप दास पर हरियाणा व राजस्थान में सात अपराधिक मामले दर्ज हैं। पूर्व में भी वह विभिन्न परीक्षाओं में डमी के रूप में बैठने के मामलों में लिप्त पाया गया है।

प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि आरोपी गुरदीप दास ने ब्लूटूथ डिवाइस के माध्यम से बाहरी सहायता प्राप्त कर परीक्षा दिलवाई और मूल अभ्यर्थी को अनुचित लाभ पहुंचाया। चौंकाने वाली बात यह है कि गुरदीप दास के पास कोई इंजीनियरिंग डिग्री नहीं है और वह मात्र 12वीं पास है। इसके बावजूद परीक्षा में उसकी सफलता से पेपर लीक की आशंका भी गहराई है, जिसकी जांच की जा रही है। जांच में यह भी सामने आया कि मूल अभ्यर्थी इंद्राज सिंह के पास इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग की डिग्री होने के बावजूद उसने सिविल अभियंता पद के लिए आवेदन किया और डमी परीक्षार्थी के माध्यम से परीक्षा उत्तीर्ण कर सरकारी सेवा प्राप्त करने का प्रयास किया।

अब तक इस प्रकरण में एक मूल अभ्यर्थी, एक डमी परीक्षार्थी और दो सहयोगियों सहित कुल चार आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

एसओजी के अनुसार आरोपी गुरदीप दास के खिलाफ हरियाणा और राजस्थान में कुल सात आपराधिक मामले दर्ज हैं। पूर्व में भी वह विभिन्न परीक्षाओं में डमी के रूप में बैठने के मामलों में लिप्त पाया गया है।इस मामले में पेपर लीक और ब्लूटूथ नेटवर्क से जुड़े अन्य आरोपियों के संबंध में विस्तृत पूछताछ जारी है। एसओजी का कहना है कि पूरे नेटवर्क का पर्दाफाश कर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

एमवीए ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

संयुक्त उम्मीदवार बनाए जाने की सहमति दी है। सुप्रिया सुले ने बताया कि शरद पवार कल राज्यसभा के लिए अपना नामांकन भरेंगे और महाविकास अघाड़ी को मजबूत बनाने के लिए काम करेंगे। सुप्रिया सुले ने यह भी कहा कि वे इस सिलसिले में मंगलवार को शिवसेना यूबीटी के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे से मिली थीं और उद्धव ठाकरे ने भी शरद पवार को समर्थन दिया है। सुप्रिया सुले ने उद्धव ठाकरे का भी आभार व्यक्त किया है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने कहा कि शरद पवार हमारे वरिष्ठ नेता हैं और इसी वजह से पार्टी ने पवार को समर्थन दिया है।

तेहरान के ट्रैफिक कैमरों को ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के एक साधारण से हिस्से की गतिविधियाँ इज़रायल को दिखला दीं।

जटिल एल्गोरिद्म् के माध्यम से सुरक्षा कर्मियों के बारे में विस्तृत डोज़ियर तैयार किए गए, जिनमें उनके पते, ड्यूटी के घंटे, कार्यस्थल तक आने-जाने के मार्ग और सबसे महत्वपूर्ण, वे आम तौर पर किसकी सुरक्षा और आवागमन की जिम्मेदारी संभालते थे, जैसी जानकारी शामिल थी। खुफिया अधिकारी इसे "पैटर्न ऑफ लाइफ" तैयार करना कहते हैं।

यह प्रयास कई वर्षों से चल रहे खुफिया अभियान का हिस्सा था, जिनके 86 वर्षीय अयातुल्ला की हत्या का मार्ग प्रशस्त किया।

रियल-टाइम ट्रैफिक डेटा की निगरानी उन तरीकों में से एक थी, जिसके जरिए इज़रायल और सैंट्रल इन्टैलिजैंस एजेंसी (सीआईए) यह तय कर सके कि शनिवार सुबह सर्वोच्च नेता ठीक किस समय अपने कार्यालय में होंगे और उनके साथ कौन-कौन मौजूद रहेगा।

इससे पहले "रॉयटर्स" ने भी रिपोर्ट किया था कि इज़रायली खुफिया एजेंसियों ने तेहरान के केन्द्र में स्थित नेतृत्व परिसर में शनिवार सुबह एक बैठक का पता लगाया था, जिसके बाद हमले का समय पहले कर दिया गया।

महत्वपूर्ण रूप से, सीआईए को यह जानकारी मिल गई थी कि सर्वोच्च नेता उस समय परिसर में मौजूद होंगे।

रिपोर्ट के अनुसार, इज़रायल पाश्चर स्ट्रीट के आसपास स्थित लगभग एक दर्जन मोबाइल फोन टावरों के कुछ हिस्सों को अवरूद्ध करने में भी सक्षम रहा। इससे फोन कॉल करने पर लाइन व्यस्त दिखाई देती थी और खामनेई की सुरक्षा टीम संभावित चेतावनियां प्राप्त नहीं कर सकी।

तेहरान की इस विस्तृत खुफिया तस्वीर के पीछे लंबे समय तक किया गया डेटा संग्रह था। यह इज़रायल की उन्नत सिग्नल इंटेलिजेंस इकाई युनिट 8200, उसकी विदेशी खुफिया एजेंसी मोसाद द्वारा भर्ती मानव स्रोतों और सैन्य खुफिया द्वारा रोज़ाना तैयार किए जाने वाले विश्लेषणात्मक ब्रीफ का परिणाम था।

रिपोर्ट के अनुसार, इज़रायल ने करोड़ों डेटा बिंदुओं का विश्लेषण करने के लिए सोशल नेटवर्क एनालिसिस नामक गणितीय पद्धति का उपयोग किया।

पिछले जून में 12 दिन तक चले युद्ध के दौरान इज़रायल की खुफिया बढ़त स्पष्ट रूप से दिखाई दी, जब शुरुआती हमले में ही एक साथ दर्जन से अधिक ईरानी परमाणु वैज्ञानिकों और उच्च सैन्य अधिकारियों की हत्या कर दी गई थी।

वरिष्ठ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

संपादक के रूप में उनके योगदान की विरासत सदैव याद रखी जाएगी।"

वरिष्ठ कांग्रेस नेता शशि थरुर ने उन्हें "पत्रकारिता का दिग्गज" बताते हुए श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा, "पद्म भूषण, पूर्व राज्यसभा सांसद, संपादक, भारत के पूर्व प्रधानमंत्री के मीडिया सलाहकार और डेनमार्क में भारत के पूर्व राजदूत, एच के दुआ के आज दोपहर 88 वर्ष की आयु में शांतिपूर्वक निधन के समाचार से शोक -संतप्त हूँ।"

कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने भी उनके निधन पर दुख जताया और दबाव के समय में भी उनकी निष्पक्षता और दृढ़ता की सराहना की।

उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, "एच. के. दुआ के निधन का समाचार दुखद है। वे उस दौर के संपादक थे, जब संपादक होना वास्तव में मायने रखता था।"

कतर ने भारत को गैस आपूर्ति में 40 प्रतिशत की कटौती की

ईरान द्वारा अमेरिकी ठिकानों पर किए जा रहे हमले के कारण कतर ने यह कदम उठाया है

नई दिल्ली, 04 मार्च। अमेरिका-इज़रायल की ईरान के साथ जारी जंग का असर अब भारत समेत, दुनिया के अन्य देशों पर दिखने लगा है। खाड़ी देशों में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर किए जा रहे ईरान के जवाबी हमलों को देखते हुए कतर ने भारत को प्राकृतिक गैस की आपूर्ति में 40 प्रतिशत कटौती का फैसला किया है।

■ भारत कुल 2.7 करोड़ टन प्राकृतिक गैस का आयात करता है, इसमें से 40 प्रतिशत की आपूर्ति कतर से होती है।

भारत को प्राकृतिक गैस के सबसे बड़े सप्लायर कतर ने ईरानी ड्रोन हमले के बाद उत्पादन रुकने के कारण, एलएनजी (लिक्विफाइड नेचुरल गैस) की आपूर्ति पर फोर्स मेज्योर (अपरिहार्य परिस्थिति) घोषित कर दिया है। सूत्रों के अनुसार, इस बाधा के चलते भारतीय उद्योगों को मिलने वाली गैस आपूर्ति में 10 से 40 प्रतिशत तक कटौती की गई है। कतर हर साल भारत की ओर से आयात की जाने वाली करीब 2.7 करोड़ टन एलएनजी में से लगभग 40 प्रतिशत सप्लाई करता है।

सूत्रों के मुताबिक, गैस आयातक पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड ने गैस मार्केटिंग कंपनियों को सूचित किया है कि ईरान की ओर से खाड़ी देशों पर हमले जारी रहने के कारण कतर में एलएनजी उत्पादन ठप हो गया है। इन हमलों के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य से तेल और एलएनजी की ढ ुलाई लगभग रुक गई है, जिससे वैश्विक ऊर्जा कीमतों में तेजी आई है और बीमा व शिपिंग लागत भी बढ़ गई है। ईरान इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग को नियंत्रित करता है, जहां से भारत के लगभग 50 प्रतिशत कच्चे तेल और 54 प्रतिशत एलएनजी आयात गुजरते हैं।

पेट्रोनेट के पास कतर से सालाना 85 लाख टन एलएनजी खरीदने का दीर्घकालिक अनुबंध है। इसके अलावा, वह हाजिर बाजार से भी कतर की एलएनजी खरीदती है।

पेट्रोनेट के अलावा, आईओसी जैसी कंपनियों के संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के साथ भी एलएनजी आयात अनुबंध हैं।

खामेनेई का अंतिम ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

और नई तारीख की घोषणा बाद में की जाएगी। अंतिम दर्शन का आयोजन करने वाली संस्था, तेहरान की इस्लामिक डेवलपमेंट कोऑर्डिनेशन काउंसिल के प्रमुख मोहसेन महमूद ने मीडिया को बताया कि इसका एक प्रमुख कारण लाखों लोगों की मौजूदी की आशंका है।

समाचारों के अनुसार अंतिम संस्कार की तैयारियां चल रही हैं और इसमें भारी भीड़ जुटने की आशंका है, जिसके चलते शोक सभा पर अमेरिका-इज़रायल के हमलों का खतरा मंडरा रहा है। 1989 में अयातुल्ला रुहोल्लाह खुमैनी के अंतिम संस्कार में लगभग 1 करोड़ लोग शामिल हुए थे।

यह रिपोर्ट ईरान की इस्लामिक प्रचार परिषद के प्रमुख हुज्जतोलेस्लाम महमूद के उस बयान के कुछ घंटों बाद आई है, जिसमें उन्होंने पहले कहा था कि विदाई समारोह तेहरान के इमाम खुमैनी प्रार्थना कक्ष में रात 10 बजे (18:30 जीएमटी) शुरू होगा और तीन दिनों तक चलेगा।

महमूद ने कहा कि प्रार्थना कक्ष आने वाले लोगों के लिए खुला रहेगा और प्रिय लोग विदाई समारोह में शामिल हो सकते हैं ।

महाराष्ट्र में भाजपा ने राज्यसभा चुनाव के लिए चार प्रत्याशी घोषित किए

नई दिल्ली, 04 मार्च। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने महाराष्ट्र समेत 10 राज्यों की 37 राज्यसभा सीटों पर होने वाले चुनाव के लिए चार उम्मीदवारों की दूसरी सूची बुधवार को जारी की। इसमें सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्यमंत्री एवं आरपीआई (ए) के प्रमुख रामदास अठावले और भाजपा महासचिव विनोद तावड़े के नाम शामिल हैं, जिनको महाराष्ट्र से उम्मीदवार बनाया गया है।

भारत और चीन ने खामनेई ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कहा कि पश्चिम एशिया (मध्य पूर्व) की स्थिति अत्यंत चिंताजनक है। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के साथ संयुक्त प्रेस वार्ता में उन्होंने कहा, "भारत शांति और स्थिरता के पक्ष में है।"

उन्होंने कहा, "भारत हमेशा ऐसे विवादों के समाधान के लिए संवाद और कूटनीति की वकालत करता रहा है", और इस प्रकार संघर्षों के शांतिपूर्ण समाधान पर नई दिल्ली की पुरानी नीति को दोहराया।

वैश्विक प्रतिक्रियाओं के सर्वेक्षण से एक स्पष्ट रुझान सामने आता है। किसी भी जी-7 लोकतंत्र ने शोक संदेश जारी नहीं किया। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प ने ख़ामेनेई को "इतिहास के सबसे दुष्ट लोगों में से एक" बताया।

इज़रायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा, "47 वर्षों तक इस शासन ने 'इज़रायल की मौत' का नारा लगाया। न्याय हो गया है।"

अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर मिली ने उन्हें "सबसे दुष्ट, हिंसक और क्रूर व्यक्तियों में से एक" बताया।

यूक्रेन सरकार के आधिकारिक अकाउन्ट ने पोस्ट किया, "तानाशाह की मौत से बढ़कर कुछ नहीं।"

ब्रिटेन के डिफेन्स सेक्रटरी जॉन हीली ने कहा कि "दुष्ट शासन" के नेता के लिए बहुत कम लोग शोक मनाएंगे।

ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एन्टनी अल्बानेज़ ने ईरान की बैलिस्टिक मिसाइलों और प्रॉक्सी समर्थन का उल्लेख किया, जबकि फ्रांस सरकार की प्रवक्ता ने कहा कि वे "उनकी मौत से ही संतुष्ट हो सकते हैं।"

दुबई एयरपोर्ट पर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

है, जिससे एयरलाइंस को उड़ानों का मार्ग बदलने या पूरी तरह संचालन निलंबित करने के लिए मजबूर होना पड़ा है। इसका प्रभाव तत्काल और गंभीर रहा है। यूरोप, एशिया और भारत से आने-जाने वाली कई उड़ानें या तो बीच रास्ते में रद्द कर दी गईं या घंटों हवा में रहने के बाद वापस लौटा दी गईं। हजारों यात्रियों की यात्राएँ अचानक बीच में ही रोक दी गईं।

दुबई का हवाई अड्डा, जो सामान्यतः चौबीसों घंटे अत्यंत सुव्यवस्थित संचालन के लिए जाना जाता है, अब असाधारण प्रतिबंधों का सामना कर रहा है। हवाई क्षेत्र तक पहुँच गंभीर रूप से सीमित होने के कारण, आगमन और प्रस्थान दोनों ऐतिहासिक रूप से निम्न स्तर पर आ गए हैं।

2 मार्च 2026 के आँकड़े स्थिति की गंभीरता को दर्शाते हैं। फ्लाइटट्रेडर 24 के अनुसार, उस दिन दुबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर कुल मिलाकर केवल 20 विमानों का ही संचालन हुआ, 16 विमानों ने उड़ान भरी थी और 4 विमान हवाई अड्डे पर उतरे थे।

ईरान-अमेरिका-इज़रायल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में लगभग दस जहाज़ों पर हमले हो चुके हैं और यह संकरा समुद्री मार्ग ईरान के बहुत पास होने के कारण इसे तुरंत पूरी तरह सुरक्षित करना आसान नहीं है। हालांकि अमेरिका दावा कर रहा है कि वह जल्द ही इस जलडमरूमध्य को सुरक्षित कर देगा। राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने होरमुज़ से गुजरने वाले तेल टैंकरों को अमेरिकी नौसेना की सुरक्षा देने का वादा किया है।

■ नाटो देशों में भी मतभेद उत्पन्न हो गए हैं, स्पेन ने अपने हवाई अड्डों को अमेरिकी हवाई जहाजों के उपयोग में लाने से मना कर दिया है तथा कुपित ट्रंप ने स्पेन को चेतावनी दी है कि वह स्पेन से कोई व्यापारिक खरीद-फरोख्त के संबंध नहीं रखेगा।

प्रमुख शिपिंग कंपनियों, मार्स्क और हापाग लॉयड, ने होर्मुज़ जलडमरूमध्य से माल ढुलाई के लिए नई बुकिंग स्वीकार करने से इनकार कर दिया है।

अमेरिका के युद्ध सचिव पीट हेगसेथ ने श्रीलंका के पास अमेरिकी टॉरपीडो से ईरानी युद्धपोत डुबोने की पुष्टि की और कहा कि अगले चरण में ईरान पर हमले और तेज किए जाएंगे। उन्होंने एक प्रेस वार्ता में दावा किया कि अमेरिका निर्दयता से युद्ध जीत रहा है।

उन्होंने पिछले चार दिनों में बड़ी सफलताओं का दावा करते हुए कहा कि युद्ध शुरू हुए अभी केवल चार दिन ही हुए हैं। सामान्य तौर पर युद्ध के समय अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में दुश्मन के युद्धपोत हमले के लिए सही लक्ष्य माने जाते हैं। लेकिन सवाल यह है कि वह जहाज़ तटीय जल में था या अंतरराष्ट्रीय जल में। उन्होंने हमलों का लैवल और बढ़ाने तथा ईरान पर कड़ा प्रहार करने की चेतावनी भी दी।

ईरानी पनडुब्बी फरवरी की शुरुआत से ही इन जलक्षेत्रों में मौजूद थी। वह भारत के संरक्षण में आयोजित एक संयुक्त अंतरराष्ट्रीय नौसैनिक अभ्यास में भाग लेने आई थी, जिसमें कई देशों के युद्धपोत और पनडुब्बियां शामिल हुई थीं।

भारत ने अब तक हिंद महासागर में, युद्ध क्षेत्र से दूर, इस जहाज़ के डूबने पर कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं की है। लेकिन, भारतीय जलक्षेत्र के पास इस तरह की कोई भी घटना दोबारा होने पर भारत के लिए काफी चिंता और मुश्किल स्थिति पैदा हो सकती है।

श्रीलंकाई नौसेना और सरकार ने कहा है कि एक समुद्री राष्ट्र होने के नाते कोई भी संकट संदेश (एसओएस) मिलने पर वो बचाव अभियान चलाएंगे। यह भी उल्लेखनीय है कि चीन के श्रीलंका में कुछ नौसैनिक अड्डे और गतिविधियां हैं। यदि किसी भी तरह से चीनी जहाज़ इस संघर्ष की चपेट में आते हैं, तो इससे बड़ा संकट पैदा हो सकता है। इस बीच अमेरिका को दुनिया भर में उस घटना के लिए कड़ी आलोचना का सामना करना पड़ रहा है, जिसमें लड़कियों के एक स्कूल पर बमबारी में कई स्कूली बच्चों की मौत हो गई। ईरान ने इन बच्चों के शवों के साथ अंतिम यात्रा निकाली। इस घटना के बारे में पूछे जाने पर हेगसेथ ने प्रेस वार्ता में आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि अमेरिका मामले की जांच कर रहा है।

हमलों के जवाब में ईरान ने तुर्की में नाटो के हवाई अड्डों पर हमला किया। इसके अलावा, कतर में कुछ अमेरिकी ठिकानों को भी ईरानी मिसाइल हमलों से गंभीर नुकसान हुआ है। कुछ रिपोर्टों के अनुसार, लगभग 1.2 अरब डॉलर मूल्य की एक विशाल रडार प्रणाली पूरी तरह निष्क्रिय हो गई है।

इस युद्ध के प्रभाव से अंतरराष्ट्रीय वित्तीय बाजारों में भारी उतार-चढ़ाव शुरू हो गया है और निवेशकों तथा संस्थानों को बड़े नुकसान का सामना करना पड़ रहा है। यदि यही स्थिति बनी रही, तो वैश्विक अर्थव्यवस्था गंभीर गिरावट की ओर जा सकती है।

पूर्व विदेश मंत्री ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

खिलाफ पेश करना चाहता था।

मुद्दा कश्मीर में मानवाधिकार उल्लंघन का था और आरोप लगाए जा रहे थे कि भारत सरकार और भारतीय सेना कश्मीरियों पर अत्याचार कर रही है। मामला तब गंभीर हो गया, जब लगभग सभी मुस्लिम देशों ने पाकिस्तान के प्रस्ताव का समर्थन करने पर सहमति जता दी।

हुर्रियत नेताओं ने दिल्ली आकर ईरानी राजदूत से मुलाकात की और समर्थन मांगा। राजदूत ने अपनी सरकार से बात करने का आश्वासन दिया।

इसी बीच चिंतित प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हाराव ने महसूस किया कि भारत की प्रतिष्ठा दांव पर है और तत्काल कूटनीतिक हस्तक्षेप आवश्यक है। उस समय विदेश मंत्री राजा दिनेश सिंह गंभीर रूप से बीमार थे और अस्पताल में भर्ती थे। उन्हें अस्पताल से व्हीलचेयर पर बाहर लाया गया और प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हाराव का एक पत्र लेकर 72 घंटे की यात्रा पर ईरान भेजा गया।

वे ईरान पहुँचे, और वहाँ के विदेश मंत्री से मुलाकात की और अपनी यात्रा की तात्कालिकता समझाई। राजा दिनेश सिंह को प्रतीक्षा करने के लिए कहा गया। इसके बाद ईरान के सर्वोच्च नेतृत्व की एक आपात बैठक हुई।

बैठक के बाद गंभीर रूप से बीमार दिनेश सिंह यह शुभ समाचार लेकर नई दिल्ली लौटे कि ईरान, पाकिस्तान के भारत-विरोधी प्रस्ताव का समर्थन नहीं करेगा।

■ दिनेश सिंह अपनी जिम्मेवारी पूरी करके पुनः अस्पताल गए और वहीं अस्पताल में उनकी मृत्यु हो गई थी।

नियमों के अनुसार, प्रस्ताव का सर्वसम्मति से पारित होना आवश्यक था, यदि एक भी देश असहमति जताए, तो प्रस्ताव वैध नहीं माना जाता। ठीक यही हुआ। ईरान के रुख के कारण प्रस्ताव पारित नहीं हो सका और भारत एक बड़े सार्वजनिक अपमान से बच गया। भारत के प्रति ईरान के इस रुख ने उस समय भारत को महत्वपूर्ण कूटनीतिक राहत दी।

ईरान से लौटने के बाद राजा दिनेश सिंह की तबियत और बिगड़ गई। वे फिर अस्पताल में भर्ती हुए और राष्ट्र के प्रति अपना यह कर्तव्य निभाने के बाद उनका निधन हो गया। जो लोग यह कहते हैं कि ईरान कभी भारत के साथ नहीं खड़ा हुआ, उन्हें अपने इतिहास को फिर से देखना चाहिए। और शायद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भी भारतीय इतिहास, भारत की विदेश नीति और यह समझने की आवश्यकता है कि समय के साथ वह किस प्रकार परिवर्तित हुई है।

क्या विश्व तीसरे विश्व ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हस्तक्षेप करते हैं, या यदि नाटो को सीमित अमेरिकी भागीदारी से आगे बढ़कर औपचारिक रूप से लंबे समय तक युद्ध में शामिल होना पड़ता है, तो रणनीतिक स्थिति पूरी तरह बदल जाएगी। अब तक बीजिंग और मॉस्को, दोनों ने सैनिक भेजने या खुली सैन्य कार्रवाई करने के बजाय, स्वयं को केवल कूटनीतिक बयान, सख्त शब्दों और सावधानी की नीति तक सीमित रखा है।

इतिहास कुछ दृष्टिकोण देता है। 1980 के दशक का ईरान-इराक युद्ध बहुत ही क्रूर और अस्थिर करने वाला था, फिर भी वह वैश्विक युद्ध में नहीं बदला। 1991 और 2003 में अमेरिका के नेतृत्व में इराक पर हुए हमलों ने क्षेत्र की स्थिति बदल दी, लेकिन वे महाशक्तियों के बीच सीधे युद्ध का कारण नहीं बने। सीरिया का लंबा संघर्ष भी, जिसमें कई बाहरी शक्तियाँ शामिल थीं, सीधे बड़ी शक्तियों के युद्ध तक नहीं पहुँचा। आज की अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था, गहरी दुश्मनी के बावजूद, परमाणु हथियारों से लैस देशों के बीच सीधे टकराव के विनाशकारी परिणामों को लेकर बहुत ज्यादा सचेत है।

फिर भी खतरा, जानबूझकर बनाई गई योजना में कम, और गलत आकलन में ज्यादा छिपा है। पहला विश्व युद्ध इसलिए शुरू नहीं हुआ था कि नेता विश्व युद्ध चाहते थे; वह इसलिए फैल गया, क्योंकि गठबंधनों, सैनिक तैयारियों और जवाबी कार्रवाइयों ने हालात को नियंत्रण से बाहर कर दिया। वर्तमान स्थिति में खतरा यह है कि कहीं कोई भटकी हुई मिसाइल बड़ी संख्या में अमेरिकी सैनिकों को नुकसान पहुँचा दे, खाड़ी क्षेत्र के किसी महत्वपूर्ण ढाँचे पर हमला क्षेत्रीय देशों को पूरी तरह युद्ध में खींच ले, या होर्मुज़ जलडमरूमध्य में नौसैनिक टकराव बड़े समुद्री संघर्ष में बदल जाए। जब राष्ट्रीय प्रतिष्ठा और घरेलू राजनीति जुड़ जाती है, तो तनाव बहुत तेजी से बढ़ सकता है।

स्थिति को नियंत्रित रखने वाला एक और कारण है, एक-दूसरे पर आर्थिक निर्भरता। लंबा वैश्विक युद्ध तेल आपूर्ति, व्यापार मार्गों और वित्तीय बाज़ारों को बुरी तरह प्रभावित करेगा। अमेरिका और चीन सहित, बड़ी शक्तियाँ आर्थिक रूप से एक-दूसरे से गहराई से जुड़ी हुई हैं। एक दूसरे पर यह निर्भरता, रणनीतिक प्रतिस्पर्धा के बावजूद, एक प्रकार के ब्रेक का काम करती है।

तो क्या हम तीसरे विश्व युद्ध की ओर बढ़ रहे हैं? अभी की स्थिति में यह लड़ाई गंभीर क्षेत्रीय युद्ध बनी हुई है, जिसके वैश्विक आर्थिक प्रभाव तो हैं, लेकिन यह कई गुटों के बीच होने वाला वैश्विक सैन्य टकराव नहीं है। तनाव बढ़ने की संभावना मौजूद है और भू-राजनीतिक माहौल निश्चित रूप से गरम है, लेकिन स्थिति को सीमित रखने की अभी भी गुंजाइश है। यह गुंजाइश बनी रहेगी या नहीं, यह वॉशिंगटन, तेहरान और यरुशलम के संयम पर निर्भर करेगा, और साथ ही बीजिंग और मॉस्को की रणनीतिक सोच पर भी।

संक्षेप में, दुनिया कुछ सप्ताह पहले की तुलना में एक खतरनाक मोड़ के करीब है, लेकिन अभी वह विश्व युद्ध की सीमा रेखा पर नहीं पहुँची है। आने वाले दिन और कूटनीतिक प्रयास तय करेंगे कि यह संघर्ष क्षेत्रीय ही रहेगा या कहीं अधिक अस्थिर करने वाली स्थिति में बदल जाएगा।

जगन्नाथ मंदिर का खजाना खुलेगा, 25 मार्च से सूची बनेगी

पुरी, 04 मार्च। ओडिशा सरकार ने श्री जगन्नाथ मंदिर के बहुचर्चित 'रत्न भंडार' की गिनती और सूची तैयार करने की प्रक्रिया 25 मार्च से शुरू करने का निर्णय लिया है। दोपहर 12:12 बजे से 1:45 बजे तक शुभ मुहूर्त में यह ऐतिहासिक कार्य आरंभ होगा।

राष्ट्रदूत हिन्दु संयुक्त परिवार की ओर से सोमेश शर्मा द्वारा ज्वाईन्ट मीडिया, आजाद मार्ग, मैन रोड, आयड, उदयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 57928/93 **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513 **कोटा कार्यालय :** पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033 **बीकानेर कार्यालय :** कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371 **अजमेर कार्यालय:** राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय :** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908